भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

नवंबर 2017

खंड 71 अंक 11

संपादन समिति
जनक राज
गौतम चैटर्जी
राजीव रंजन

संपादक
सुनील कुमार

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादन समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेख में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2017

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते कि स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया "भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन" खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से **http://www.bulletin.rbi.org.in** पर भी देखा जा सकता है।

विषयवस्तु

भाषण

भावी संकट से बचने के लिए वित्तीय विनियमन और आर्थिक नीतियाँ
ऊर्जित आर. पटेल 1

लेख

वित्तीय क्षेत्र पर विमुद्रीकरण का प्रभाव 7

वर्तमान सांख्यिकी **21**

हाल के प्रकाशन **64**

भाषण

भावी संकट से बचने के लिए वित्तीय विनियमन
और आर्थिक नीतियाँ
ऊर्जित आर. पटेल

भावी संकट से बचने के लिए वित्तीय विनियमन और आर्थिक नीतियाँ*

ऊर्जित आर. पटेल

1. मैं कुछ नम्बरों की याद आप सभी को दिलाना चाहता हूँ जो आज की इस पैनल चर्चा हेतु अहम पृष्ठभूमि तैयार करते हैं। सन 1980 और 2015 के बीच वैश्विक जीडीपी की तुलना में वैश्विक बाह्य देयताएँ 30 प्रतिशत से बढ़कर 190 प्रतिशत हो गई हैं, जिसने वैश्विक व्यापार में संवृद्धि (इस अवधि के दौरान जीडीपी के 19 प्रतिशत से बढ़कर 28 प्रतिशत) को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस वैश्वीकरण का मुख्य वाहक रहे हैं - देशों की सीमाओं के आर-पार होने वाले बैंकिंग प्रवाह; वित्तीय संकट से पहले के दशक में वैश्विक पूंजी प्रवाहों का एक तिहाई भाग इसी का था। इसी के समानांतर राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर जाने वाली आपूर्ति शृंखलाओं के माध्यम से, और विकासशील विश्व से खासतौर पर नए खिलाडियों के प्रादुर्भाव से वैश्विक व्यापार का आंतरिक जुड़ाव बढ़ता गया। इस समय वैश्विक व्यापार में चीन की हिस्सेदारी लगभग 11 प्रतिशत है, और उदीयमान बाज़ारों और विकासशील देशों (EMDC)को एक साथ मिला लिया जाए तो इनका योगदान 37 प्रतिशत (सन 2000 से लगभग 15 प्रतिशत अंक अधिक है)।

2. विश्वव्यापी वित्तीय संकट के दौरान नीतिगत साधनों का संकट-पूर्व स्पष्ट निर्धारण का प्रयोजन धूमिल रहा। अनुभव से प्रकट हो गया है कि समष्टि आर्थिक नीति निर्माण में मौद्रिक स्थायित्व और वित्तीय स्थायित्व के बहुविध और कई बार विरोधाभासी प्रयोजनों को हासिल करने के लिए सूक्ष्म संतुलनकारी कार्य अपेक्षित है।

इन्हीं समझौतों के बीच वित्तीय स्थायित्व को कुछ वरिष्ठता मिल गई, जिसके कारण राष्ट्रीय प्राधिकारियों द्वारा इसकी सतत निगरानी, वित्तीय प्रणाली में सर्वांगी जोखिमों के निर्माण को न्यूनतम करना और गिरावट को सर्वाधिक दक्ष और प्रभावी तरीके से कम करना अपरिहार्य बन जाता है। इसमें बाजार की दक्षता को ग्राहक संरक्षण के साथ परस्पर जोड़ना और सर्वांगी जोखिमों का प्रबंधन-यहाँ तक कि पूर्वक्रमण-करना होता है।

3. आज मैं अपनी बातों का फोकस आगामी संकट से बचाव में वित्तीय विनियमन की भूमिका में निम्नलिखित मुद्दों पर रखना चाहूँगा:

- वैश्वीकरण और वैश्विक नियमावली/मानकों का अनुसरण-सहक्रियाएं और चुनौतियाँ।
- वित्तीय विनियमन और संकट होने की आकस्मिकता- विनियामक हस्तक्षेप को अधिक पूर्वाभासी और तथ्य-आधारित होने की जरूरत।
- पश्चदर्शी बनाम अग्रदर्शी जोखिम- आधारित पर्यवेक्षण- वैश्विक दृष्टि से प्रणालीगत रुप में महत्वपूर्ण बैंकों द्वारा अपना आंतरिक मॉडल प्रकट करने की जरूरत।
- विशालकाय-विफल नहीं होगा और नैतिक खतरा।
- संकट के आकार और गति के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक वित्तीय सुरक्षा जाल (GFSN) की पर्याप्तता।

(i) वैश्वीकरण और वैश्विक नियमावली/मानक

4. उदीयमान बाज़ारों वाली अर्थव्यवस्थाओं को निसन्देह वैश्वीकरण का लाभ मिला है, लेकिन साथ ही वैश्वीकरण के साथ आने वाली कमजोरियों के प्रति भी वे पहले से कहीं ज्यादा अनावृत्त हुई हैं। जैसे-जैसे हम विदेशी बाज़ारों में प्रवेश करते हैं और अपने क्रियाकलापों को वैश्विक स्तर पर फैलाते हैं, तो हमारी वित्तीय प्रणाली को भी वैश्विक मानदंड अपनाने की जरूरत पड़ती है खासकर पूँजी, जोखिम की पहचान और लेखांकन मानकों के बारे में; सामान्य एन्कर जैसे की मुद्रास्फीति के बारे में कुछ नियमों पर आधारित मौद्रिक नीति; बजट अथवा व्यय नियम पर आधारित राजकोषीय नीति; और बाजार आधारित विनिमय-दर व्यवस्था, जिसकी अनुपूर्ति सुदृढ़ और प्रभावी वित्तीय-क्षेत्र विनियमन और पर्यवेक्षण, निगम अभिशासन और प्रवर्तन नियमावली तथा ऋणशोधन -अक्षमता और समाधान संरचना होनी चाहिए।

5. जब बैंकों तथा कार्पोरेट तक अभिगम दिया जाता है तो बाज़ार द्वारा अनुशासन के इन सख्त मानकों को सहज रूप

* इंटर-अमेरिकन डेवलपमेन्ट बैंक, वॉशिंगटन डी.सी. में 15 अक्तूबर 2017 को आयोजित 32वें वार्षिक जी30 अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सेमिनार में ऊर्जित आर. पटेल, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक।

से लागू कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए अन्तरराष्ट्रीय पूँजी में मौद्रिक और राजकोषीय अनुशासनहीनता पर कठोर प्रहार करने की प्रवृत्ति होती है। यहाँ तक की कुछ आघात तो आधारभूत सिद्धान्तों से भी अप्रभावी रहते हैं, फिरभी मजबूत,विवेकी, पारदर्शी और उत्तरदाई समष्टि नीतिगत संरचना वाली अर्थव्यवस्थाओं ने नकारात्मक बाह्य प्रभावों पर काबू पाने में सफलता दिखाई है साथ ही उन्होंने तेजी से सामान्य स्थिति को बहाल किया। इस बारे में विवेकपूर्ण नीति-संरचना में नीतिगत कार्रवाई को अंतिम लक्ष्य के साथ आबद्ध कर दिया जाता है। हम में से कुछ सोच सकते हैं कि नियमावली तो हमारे ऊपर स्वतंत्रता और संप्रभुता के बलिदान के रूप में लाद दी जाती है। यद्यपि सभी नियम हमारे लिए सर्वोत्तम नहीं हो सकते तो मैं जिनका उल्लेख कर रहा हूँ वे विशेष तौर पर मौद्रिक, राजकोषीय और लेखांकन के बारे में हैं, और न्यूनतम आधारभूत नियमों के तौर पर काफी लोगों द्वारा स्वीकार किए जाते है।

सर्वप्रथम तो राजकोषीय नियमों को संस्थागत किया जाता है या कानूनी रूप से बाध्यकारी नियमावली जो प्राधिकरणों को राजकोषीय अनुशासन के लिए वचनबद्ध करे। व्यय अथवा समग्र घाटे पर लगाम लगाकर वे समष्टि-आर्थिक विश्वसनीयता को बढ़ाते है,सरकारी देनदारी को वहनीय स्तरों पर रख कर वित्तीय बाज़ारों में सहभागी के रूप में राजकोषीय प्राधिकरण की विश्वसनीयता में बढ़ोत्तरी करते हैं।

द्वितीय यह कि पारदर्शी और अनुमान योग्य मौद्रिक नीति संरचना, परिभाषा के आधार पर देखें तो नियम आधारित होती है।

तृतीय यह कि यद्यपि विनियमों को बाहर से लागू किया जाता है, तथापि कारपोरेट अभिशासन तो फर्म के लिए आंतरिक होता है और स्व-नियंत्रण की प्रकृति का होता है, जिसमें यह रक्षोपाय होते हैं कि विनियमों द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों और नियमों का निष्ठापूर्वक पालन किया जाए। इसके बावजूद विनियमों और कार्पोरेट अभिशासन को एक-दूसरे का प्रतिपूरक होना पड़ता है।

चौथे यह कि वैश्वीकरण के साथ ही बड़ी फर्मों के परिचालन परराष्ट्रीय हो गए है और पूँजी का बड़ी मात्रा में क्रास बार्डर आवागमन करने के लिए समसमान लेखांकन मानकों को अपनाने की जरुरत होती है, जैसे कि अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (IFRS)। जब इन मानकों को सख्ती और सुसंगत रूप से लागू किया जाता है तो निवेशक,विनियामक और अन्य हिस्सेदार सभी को निर्णय लेने हेतु उच्च कोटि की जानकारी का लाभ प्राप्त होता है।

6. वैश्वीकरण के साथ ही, उदीयमान बाज़ारों वाली अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वैश्विक मानक निर्धारणकर्ता निकायों से निकलने वाले मानकों का अनुपालन करें। यद्यपि EME में IFRS जैसे मानकों को अपनाने में चुनौतियाँ बनी रहेंगी,तथापि हम अग्रदर्शी प्रावधानीकरण संरचना का स्वागत करते हैं। आमतौर पर अशोध्य ऋणों के लिए प्रावधान करने में बैंकों में देरी करने की प्रवृत्ति होती है, और चक्रीय अधोगामी स्थिति पैदा हो जाती है तब तक काफी देर हो चुकती है, संभवतया यह बैंक की आय और पूंजी पर आर्थिक चक्र के प्रभाव को आवर्धित कर देता है। ऐसी परिस्थितियों में क्रेडिट चक्र में आरंभिक चरण में ही वास्तविक और संभावित ऋण नुकसानों की पहचान करके उसके लिए प्रावधान कर देने से संभवतया प्रतिचक्रीयता घट जाती है और वित्तीय स्थायित्व को बल मिलता है।

(ii) वित्तीय विनियमन और संकट की आकस्मिकता - विनियामक हस्तक्षेप को अधिक पूर्वाभासी और तथ्य - आधारित होने की जरूरत

7. वित्तीय स्थायित्व के संदर्भ में स्वीकार्य विनियमों तीन मोटी-मोटी विशेषताएँ तो होनी चाहिएँ- सर्वप्रथम तो यह कि विनियम को अनुमान योग्य होना चाहिए। ऐसा विनियम जो विरत होने की प्रवृत्ति से आसानी से प्रभावित होता हो उसके प्रति हिस्सेदारों में जोखिम प्रेरक व्यहार सहवर्ती रूप से होने के अवसर जुड़े होते हैं। द्वितीय, यह कि विनियम का लक्ष्य होना चाहिए कि विनियमित प्रतिष्ठानों की आंतरिक अभिशासन व्यवस्थाओं को प्रोत्साहन परक तरीके से सहज स्वीकार्य बनाएँ/ अंतत: इसका लक्ष्य प्रमुख हिस्सेदारों के बीच सूचना असममिति का समाधान करे क्योंकि जानकारी का अभाव भेड़चाल की तरफ ले जाता है और इस प्रकार अनपेक्षित संकट जन्म लेता हैं।

8. पश्चदर्शी विनियमों का प्रयास रहता है कि किसी एक क्षेत्र, प्रदेश और राष्ट्र में विनियमों के अंतराल को भरा जाए; लेकिन वित्तीय प्रणाली की जटिलता और आंतरिक तौर पर जुड़ाव को देखते हुए, क्रियाकलाप तेजी से दूसरे क्षेत्र,प्रदेश या राष्ट्र की तरफ बढ़ जाते हैं और वित्तीय अतिरेक बना देते हैं। हालांकि, वित्तीय स्थायित्व के लिए अगला खतरा उन दिशाओं

से भी आ सकता है जिसके बारे में विनियामक पूरी तरह से अनभिज्ञ हों। इस प्रकार के अनपेक्षित जोखिमों से निपटने के लिए अग्रदर्शी विनियमों को जरूरत होती है। बड़े डाटा विश्लेषकों,क्लाउड कम्प्यूटिंग और कृत्रिम -प्रज्ञता के प्रादुर्भाव के साथ हम ऐसी हालत में है कि डाटा का प्रयोग करके कतिपय मान-श्रृंखला मध्यांतरों से आगामी घटनाओ का मॉडल तैयार किया जा सकता है और हमारे विनियमों को ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए तैयार किया जा सकता है। अभी हाल ही में हम दो क्षेत्रों पर अपना जोर दे रहे हैं- साइबर सुरक्षा और फिनटेक। एक दशक पहले कुछ ही बैंकर्स या नीति-निर्माता इस बारे में बात करते थे। आज इन्हे वित्तीय प्रणाली के लिए प्रमुख जोखिम के तौर पर अभिनिर्धारित किया जाता है।

9. संकट से पहले इन दखलकारी विनियमों से जो एलर्जी थी संकट काल के बाद की अवधि में सभी विकसित अर्थव्यवस्थाओं और उदीयमान बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह अनिवार्यता बन गए हैं। संकट-पश्चात के अतिसक्रिय विनियामक परिवेश में यह संभव है कि किसी संकट को संभावित रुप से दूर रखने के लिए विस्तृत - 'कीजिए, नहीं कीजिए' तैयार कर लिए जाएँ। ऐसे परिवेश में किसी नियामक व्यवस्था की बुनियादी विशेषताओं को यदि निवेशकों के लिए प्रतिसादी पर्यवेक्षी परिवेश और हिस्सेदारों की अन्य चिन्ताओं के साथ मिला दिया जाए, तो नियंत्रणाधीनों के बीच अधिक विवेकपूर्ण व्यवहार निसृत होता है। असंगत लाभ कमाने अथवा कपटपूर्ण रूप से दरों को बढ़ाकर अपनी समस्याओं पर पर्दा डालने के लिए कई प्रमुख बैंकों और वित्तीय संस्थाओं पर विनियामकों द्वारा रिकार्ड जुर्माने लगाये जाते रहे हैं। कतिपय अधिकारक्षेत्रों में बैंकों द्वारा उत्पादों के अप विक्रय के कारण भी विनियामकों में कोई में गंभीर चिन्ता पैदा हुई है। इसके कारण अधिक हस्तक्षेपी विनियमों को बनाना पड़ा जिससे बैंकों पर अनुपालन लागत का दबाव बढ़ गया।

(iii) वैश्विक बैंकों द्वारा आंतरिक रेटिंग -आधारित आकलन पर निर्भरता: ब्लैक बॉक्स के लिए समुचित प्रकटीकरण और पारदर्शिता अपेक्षित

10. विगत वित्तीय संकट ने ऐसे संदेहों का सृजन किया आंतरिक रेटिंग आधारित तरीके का प्रयोग अवसरवादी तरीके से किया गया होगा ताकि पूँजी-अपेक्षाओं को कम किया जा सके, इस प्रकार बैंक ने अपनी जोखिम भारित आस्तियों को बनावटी तरीके से कम रखते हुए क्रेडिट बबूलों को छिपाया। प्रमाणों से ज्ञात होता है कि विनियामक प्रयोजनों से प्रयुक्त आंतरिक जोखिम आकलनों में प्रणालीगत रूप से वास्तविक चूक दरों का पूर्वानुमान वास्तविक से कम रखा गया होगा। विनियामक व्यवस्था की सफलता के लिए जोखिम-भार में पर्यवेक्षी भरोसा महत्वपूर्ण होता है। बासेल पूँजी फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन पर बैंकिंग पर्यवेक्षण संबंधी बासेल समिति के अनुशीलन में यह प्रमाण मिले हैं कि आंतरिक प्रदर्शन (एक जैसी जोखिम प्रोफाइल वाले पोर्ट फोलियो के संबंध में) द्वारा सृजित पूंजी परिणामों में महत्वपूर्ण अन्तरालों को अनपेक्षित कहा जा सकता है। इस प्रकार सभी आंतरिक प्रदर्शों में पारदर्शिता और तुलनीयता को बढ़ाने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उभयनिष्ठ मानकों के एक सेट के आधार पर आंतरिक रेटिंग तैयार और सत्यापित की जाती है। पारदर्शिता और प्रकटीकरण का समुचित अंश बहुत से बड़े वैश्विक बैंकों द्वारा वर्तमान में प्रयुक्त जोखिम आकलन प्रदर्शों की विश्वसनीयता को बढ़ाने में मदद करेगा, " सूर्य की किरणें सर्वोत्तम संक्रमण नाशक कही जाती है"।

iv) विशालकाय विफल नहीं होगा और नैतिक खतरा

11. अपने विशाल आकार के कारण कभी विफल नहीं होनेवाली संस्थाओं के लिए सरकारी गारंटी निहित होने की चिंता जुड़ी होती है। यह चिन्ता इस विश्वास से ही निकलती है कि विशालता के कारण विफल नहीं होने की स्थिति बड़े बैंकों को यह प्रोत्साहन और अवसर प्रदान करती है कि वे अतिरिक्त जोखिम उठा सकते हैं। यदि निवेशक मानते हैं कि बड़े आकार वाले बैंक विफल नहीं होंगे तो वे ऐसे बैंकों को अपनी निधि रियायत पर भी दे सकते हैं। निर्भयता की प्रत्याशा के साथ-साथ यह रियायत बड़े आकार वाले बैंकों को और भी जोखिम वाले कामों में संलिप्त होने को प्रोत्साहित करती है। यह, बदले, उनके साथ स्पर्धा करने वाले छोटे बैंकों को और भी जोखिम उठाने को प्रेरित कर देती है जिससे समूची वित्तीय प्रणाली का जोखिम बढ़ जाता है।

12. प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण वित्तीय संस्थानों/ बैंकों (SIFI/SIB) की विनियामक लेबलिंग से दिवाले के मामले में बीमा नहीं कराए गए डिपॉजिट के लिए अप्रत्यक्ष रूप से करदाता-प्रायोजित बेल-आउट की वचनबद्धता का संदेश जा सकता है। यद्यपि इनके साथ पूँजी बाजार में हानियों के अवशोषक का कार्य करें,तथापि पूँजी से अतिरिक्त प्रतिलाभ

अर्जित करने में SIFI/SIB की और अधिक जोखिम उठाने की संभावना और इसके द्वारा अतिरिक्त पूँजी की भूमिका के नकारे जाने को खारिज़ नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार अन्य वित्तीय संस्थानों के सापेक्षतया SIFI/SIB की पर्यवेक्षी निगरानी की प्रकृति कहीं अधिक हस्तक्षेपी हो सकती है। यूरोप में बैंकों को बेल आउट करने के अनुभव से प्रकट होता है कि बेलआउट की राजनैतिक मितव्ययिता विनियामक लेबलिंग से अधिक महत्वपूर्ण है।

v) वैश्विक वित्तीय सुरक्षा नेटों (GFSN) की अपर्याप्तता और केन्द्रीय बैंक की पक्षपातपूर्ण स्वैप लाइनें उदीयमान बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं को स्वत:-बीमा करने पर मजबूर करती हैं:

13. प्रणालीबद्ध केन्द्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति का रुख, भू-राजनैतिक गतिविधियाँ और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में बृहद-आर्थिक नीतियों के साथ चारो तरफ से जुड़ी अनिश्चितता पूंजी प्रवाह की दिशा को उदीयमान बाजार अर्थव्यवस्थाओं की तरफ धकेलने में प्रमुख घटक बने। इन प्राप्तकर्ता अर्थव्यवस्थाओं में इसने वित्तीय बाजार की परिवर्तनशीलता को बढ़ते हुए उनकी संवृद्धि संभावनाओं हेतु और वृहद आर्थिक और वित्तीय स्थायित्व के लिए प्रतिकूल निहितार्थ रखें। कुल मिलाकर उदीयमान बाजार अर्थव्यवस्थाओं ने उचित रूप से युक्त पूँजी खाते का रखरखाव करके और विवेकपूर्ण नीतियों के माध्यम से अपने समष्टिगत मूल सिद्धान्तों को प्रबल बनाकर इन आघातों को अवशोषित कर लिया है। तथापि, इस झुंझलाहट से आरंभ होने वाले उच्च प्रवणता वाली घटनाओं ने यह दिखाया है कि पूँजी के बड़े और अचानक होने वाले मूवमेन्ट के सामने वृहद आर्थिक मूल सिद्धान्त कोई मायने नहीं रखते हैं,और उनकी अर्थव्यवस्थाएँ इन जोखिमों के तेजी से मूर्त रूप ग्रहण करने के प्रति सुभेध बनी रहती हैं।

14. अभी तक तो प्रबल, इक्विटएबल और तेजी से नियोजन योग्य विश्वव्यापी वित्तीय सुरक्षा नेट (GPSN) के लिए हमारी तलाश मृग मरीचिका ही रही है। परिणाम यह है कि उदीयमान बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं को आरक्षित निधियों का अनुरक्षण करके और वृहद विवेकपूर्ण/पूँजी प्रवाह प्रबंधन युक्तियों सहित नीतिगत लिखतों के सम्मिश्रण के माध्यम से वित्तीय अस्थिरता का प्रबंधन करके अपना बचाव किया, जिनकी प्रकृति अग्रक्रय प्रकार की होती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष प्रदत्त सुविधाओं के साथ लगे हुए लांछन और "स्वत: बीमा" के लिए तलाश को देखते हुए उदीयमान बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं ने वित्तीय बाज़ारों में अस्थिरता को शांत करने और " अचानक ठहराव " तथा विपरीत स्थितियों के लिए पर्याप्त चलनिधि बफर प्रदान करने के लिए "प्रथम रक्षा पंक्ति" के तौर पर विदेशी मुद्रा भंडार निर्मित किया। दूसरे यह कि वित्तीय स्थायित्व की कार्यसूची की अनुपूर्ति के लिए क्षेत्रीय वित्तीय सुरक्षा नेट सामने आए।

15. वैश्विक वित्तीय संकट से पहले ले समय में देशों द्वारा आरक्षित निधियों के बढ़ते हुए संचयन और विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अदला-बदली व्यवस्थाओं में बढ़ोत्तरी के साथ GFSN में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वैश्विक आरक्षित निधियाँ सन 2000 के लगभग 2 ट्रिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर सन 2017 की दूसरी तिमाही के अंत में लगभग 1 ट्रिलियन अमरीकी डालर हो गई, जिसका लगभग 60 प्रतिशत ईएमई के पास है। हालांकि निधियों के लिए आरक्षित निधि पर्याप्तता आकलन (एआरए) मैट्रिक्स के अनुसार बहुत सी ईएमई (खासकर पूर्वी-यूरोप और लैटिन अमेरिका में) सम्मिश्र मैट्रिक्स के 100-150 प्रतिशत के दायरे से नीचे ही हैं, जबकि यही दायरा सावधानीयुक्त प्रयोजनों के लिए पर्याप्त माना जाता है। संकट के दौरान केन्द्रीय बैंकों के बीच द्विपक्षीय स्वैप लाइनों में नाटकीय विस्तार हुआ और तब से इसमें और भी बढ़ोतरी हुई है। इन द्विपक्षीय स्वैपों में चीन की रेनमिनबी स्वैप लाइनों के विशाल नेटवर्क का वर्चस्व है- सन 2015 के अंत में 30 स्वैप लाइनें -जिनका मूल्य 500 बिलियन अमरिकी डालर था। ब्रिक्स देशों ने 100 बिलियन अमरीकी डालर की बहुपक्षीय करेन्सी स्वैप व्यवस्था स्थापित की है, जिसका लक्ष्य प्रादेशिक अल्पावधिक चलनिधि प्रदान करना और भुगतान संतुलन की कठिनाइयों का निवारण करना है। क्षेत्रीय वित्तपोषण व्यवस्थाओं (आरएफए) के रूप में 8.5 बिलियन अमरीकी डालर के योगदान सहित यूरेशियन फन्ड फॉर स्टैबेलाइजेशन एन्ड डेवलपमेन्ट,अरबी मौद्रिक निधि (एएमएफ) और लैटिन अमेरिकन रिज़र्व फन्ड (एफएलएआर) का भी उदय हुआ।

16. प्रत्येक नई अनपेक्षित घटना के साथ ही , हालांकि जोखिम का दायरा बढ़ता जाता है, अस्थिरता उच्चत्तर हो जाती है, जिससे वह मामूली सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है, जो उदीयमान बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं ने जैसे-तैसे जुटाई थी। इसी सन्दर्भ में मैं आपका ध्यान प्रणालीबद्ध केन्द्रीय बैंकों द्वारा स्वैप लाइनों के प्रवधानों की सरासर असममिति की तरफ आकर्षित करना चाहूँगा। वस्तुत: मैं इस स्थिति का वर्णन वहाँ

तक करूँगा, जहाँ तक यह एक आभासी " विभेद नीति" नहीं बन जाती, जिसके द्वारा केन्द्रीय बैंक स्वयं को और अपने आत्म-हित को बचाते हैं। इसी बीच, वैश्विक वित्तीय संकट का सामना कर रही उदयमान बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं को प्रणालीगत रूप से अभिगम नहीं दिया जाता है। समय आ गया है कि इस विभेदक नजरिए को समाप्त किया जाए और स्वैप लाइनों तक सबको समान पहुँच उपलब्ध कराई जाए। यद्यपि हाल के वर्षों में संकटों के प्रति ईएमई ने समुत्थान के अंश दिखाए है, तो भी संक्रमण कालीन लेकिन कमजोर बना देने वाले वित्तीय अंतरालों को पाटने और चलनिधि के लिए वे सशक्त नहीं हैं। स्वैप लाइनों तक उनकी पहुँच होगी तो इन जोखिमों को वे बेहत्तर तरीके से संभाल सकेंगे और प्रणालीगत समानुपातों का अनुमान लगाने बचेंगे, इससे वैश्विक वित्तीय स्थायित्व को खतरों से भी बचाव होगा।

हमें वैश्विक वित्तीय संकट से सबक सीखना चाहिए और व्यापक स्वैप नेटवर्क स्थापित करने के लिए शीघ्रता और समेकनपूर्वक कार्य करना चाहिए। इसके अभाव में प्रत्येक देश के बृहद आर्थिक परिवेश को नीतिगत लिखतों के चयन की जानकारी देनी होगी। ऐसी परिस्थिति में पूँजी खाते को उदार बनाने के लिए कोई उभयनिष्ठ संहिता अथवा समसमान दृष्टिकोण नहीं हो सकता है।

17. अभी हाल ही की अवधि में वृहद -विवेकपूर्ण मानदण्डों (एमपीएम) पर उल्लेखनीय फोकस रहा। हालांकि एमपीएम की यथार्थता पूँजी प्रवाह मानदंड़ों(सीएफएम) के लिए विश्वव्यापी स्तर पर स्वीकार्य नहीं हो पाई है,बावजूद इसके कि आईएमएफ द्वारा सीएफएम के चुनिंदा प्रयोग हेतु स्पष्ट तौर पर समर्थन किया गया है। यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि विश्वव्यापी वित्तीय चक्रों और त्रिविकल्पों की परिसीमितता के मध्य सरसरी तौर पर किये गए समाधान व्यवहार्य नहीं है। इसलिए सुलभ पूंजी का प्रबंधन एक अनिवार्यता बन जाता है- बाह्य देनदारी को व्यावहारिक सीमाओं में रखते हुए और बाह्य क्षेत्र से मिलने वाली मदद के संबंध में विवेकशील बने रहने से वित्तीय और बृहद आर्थिक स्थायित्व को प्रबल बनाने में मदद मिलती है।

18. हमारे सामने यह पहचानने की चुनौती है कि अब हमारे ऊपर अगला आघात किस का होनेवाला है। इसलिए वित्तीय प्रणाली के किसी भी विनियमन में पूर्वक्रमिक पद्धति अपनानी होगी,और वित्तीय प्रणाली के अन्य सभी तत्वों सहित बैंकों की संभावित कमजोरी पर विचार करना होगा। इससे विनियामक विवाचना से बचाव होगा और प्रणाली हेतु पर्यवेक्षी " ग्लाइड रेल/नियमावली " को प्रत्याशित रूप में निर्धारित करने में मदद मिलेगी।

लेख

वित्तीय क्षेत्र पर विमुद्रीकरण का प्रभाव

*वित्तीय क्षेत्र पर विमुद्रीकरण का प्रभाव**

भूमिका

08 नवंबर 2016 को ₹100 और ₹500 मूल्यवर्ग के (विनिर्दिष्ट बैंकनोट अथवा एसबीएन) मुद्रा नोटों, जिनका कुल मूल्य ₹15.4 ट्रिलियन था और जो परिचालनरत कुल नोटों का 86.9 प्रतिशत थे, का विमुद्रीकरण कर दिया गया। इसके चलते वित्तीय क्षेत्र में कई परिवर्तन आए जिन्हें संक्षेप में निम्नानुसार गिनाया जा सकता हैः-

क) मुद्रा की मांग में परिवर्तनः विमुद्रीकरण के पहले मौद्रिक मांग की आय प्रत्यास्थता 1 से अधिक थी जो कि विमुद्रीकरण के उपरांत बदलकर 0.9 हो गयी जिससे खुदरा लेनदेन में नकदी के व्यवहार में आयी कमी दिखाई पड़ती है।[1]

ख) बैंक जमा में उल्लेखनीय वृद्धिः विमुद्रीकरण के उपरांत कम लागत की बैंक जमा में 3.0-4.7 प्रतिशतता अंक की 'अतिरिक्त' वृद्धि जो कि परिचालनगत मुद्रा (सीआईसी) में कमी का प्रतिरूप होती है, का अनुमान किया गया।

ग) अधिकाधिक वित्तीय समावेशनः विमुद्रीकरण के बाद से लेकर अक्टूबर 2017 तक प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 50 मिलियन नये बैंक खाते खोले गये।

घ) संदिग्ध लेनदेन का पता लगानाः कुछ विशेष प्रकार के खातों (जैसे मुलभूत बचत बैंक खाता, पीएमजेडीवाई, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), ऋण खाता और इसी प्रकार के अन्य) में ₹1.6-1.7 ट्रिलियन की राशि असामान्य जमा के रूप में आयी।

ङ) मौद्रिक नीति के संचरण में सुधारः कम लागत वाली चालू खाता और बचत खाता (कासा) जमाराशियों में आए उछाल के माहौल को देखते हुए बैंकों ने अपनी सीमांत लागत आधारित उधार दर (एमसीएलआर) में बड़ी कटौती करते हुए 1 वर्ष एमसीएलआर में 100 आधार अंकों की कमी कर दी है।

च) हाउसहोल्ड्स द्वारा म्यूचुअल फंडों में निवेश में वृद्धिः विमुद्रीकरण के बाद अर्थात् नवंबर 2016 से मार्च 2017 तक कर्ज/आय - आधारित म्यूचुअल फण्डों द्वारा किए गए धन संग्रह में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। अक्तूबर 2016 के अंत से अक्तूबर 2017 के अंत के बीच की अवधि में म्यूचुअल फंडों के प्रबंधनाधीन निधियां ₹16 ट्रिलियन से बढ़कर ₹21 ट्रिलियन हो गयीं।

छ) जीवन बीमा योजनाओं में अधिक संग्रहणः नवंबर 2016 से जनवरी 2017 तक जीवन बीमा प्रीमियम के कुल संग्रहण में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

ज) खुदरा भुगतानों के डिजिटलीकरण में तेजी आयीः अद्यन आंकड़ों से यह पता चलता है कि नवंबर 2016 से अगस्त 2017 के बीच प्रीपेड भुगतान लिखतों (पीपीआई) की मात्रा में 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, यह मुद्रा की मांग की आय प्रत्यास्थता में आयी उल्लेखनीय गिरावट से भी प्रदर्शित होता है।

झ) जाली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) का पता लगाने की बढ़ी हुई दरः विमुद्रीकरण की अवधि के बाद ₹500 एवं ₹1000 मूल्यवर्गों के प्रति मिलियन नोटों की प्रोसेसिंग में एफआईसीएन पता लगाने की दर बढ़कर क्रमशः 6 नग और 12 नग हो गयी जो कि विमुद्रीकरण पूर्व की अवधि के दोगुने से भी अधिक थी।

I. विमुद्रीकरण और मुद्रा की मांगः-

विमुद्रीकरण के उपरांत सीआईसी में कमी आ गयी। दिनांक 30 दिसंबर 2016 तक विमुद्रीकृत बैंकनोट बैंक काउंटरों पर स्वीकार किए गए। दिनांक 04 नवंबर 2016 से 06 जनवरी

---

* यह आलेख भारतीय रिज़र्व बैंक के मौद्रिक नीति विभाग के डॉ. भूपाल सिंह तथा डॉ. हरेंद्र बेहरा, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग के श्री दीर्घायु राउत, सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के श्री इंद्रजीत रॉय द्वारा तैयार किया गया। आलेख में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं और ये भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

[1] मौद्रिक मांग की आय प्रत्यास्थता आय के हुए प्रति इकाई परिवर्तन की तुलना में जनसाधारण द्वारा मुद्रा की मांग में आने वाले परिवर्तन की संकेतक है।

चार्ट 1ए : सीआईसी वृद्धि

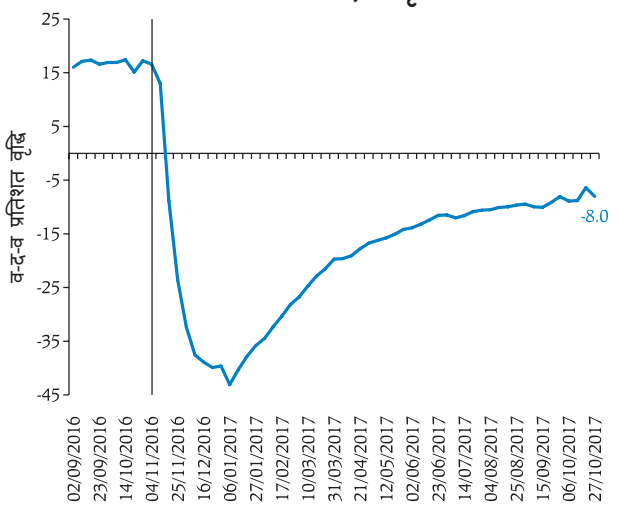

चार्ट 1बी : वैकल्पिक परिदृष्यों में सीआईसी का अनुमानित और वास्तविक स्तर

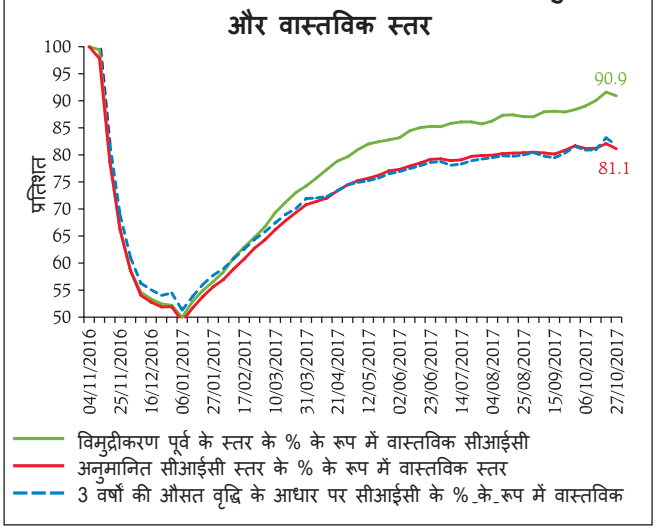

2017 तक (अर्थात् विमुद्रीकरण के ठीक पहले के सप्ताह तथा विमुद्रीकरण के पश्चात् की न्यूनतम सीआईसी के बीच की अवधि) सीआईसी में कुल मिलाकर ₹9 ट्रिलियन की कमी आयी।

सीआईसी, जिसमें विमुद्रीकरण के तत्काल बाद काफी गिरावट दर्ज की गयी थी, वह अभी भी उस स्तर से नीचे बनी हुई है जिस पर यह सामान्यतया हुआ करती हैः (i) वर्ष-दर-वर्ष आधार पर देखें तो पुनर्मुद्रीकरण के तीव्र प्रयासों के बावजूद 27 अक्तूबर 2017 को पिछले वर्ष हुई 17.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में सीआईसी 8.0 प्रतिशत कम रही (चार्ट 1ए)। (ii) विमुद्रीकरण पूर्व के अपने स्तर की तुलना में 27 अक्तूबर 2017 को सीआईसी 91 प्रतिशत थी और यदि यह माना जाए कि सीआईसी में वृद्धि बेसलाइन वृद्धि दर के अनुसरण में हुई होगी तब तो यह आंकड़ा और भी घटकर 81 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा (चार्ट 1बी)[2]। व्यापक मुद्रा (एम3) के अनुपात के रूप में भी सीआईसी में गिरावट आयी और यह नवंबर 2016 के 14.4 प्रतिशत की तुलना में 13 अक्तूबर 2017 को घटकर 12.3 प्रतिशत रह गयी (चार्ट 2)।

इस प्रकार, नगद आहरण जनित बाध्यताओं को छोड़ भी दें, तो भी सीआईसी में उल्लेखनीय गिरावट का रुझान दिखायी पड़ रहा है। अब तक के आंकड़ों को देखें तो, इससे इस बात के संकेत मिलते हैं कि विमुद्रीकरण ने लोगों की मुद्रा रखने की आदतों पर अच्छा खासा प्रभाव डाला है और इसने खुदरा लेनदेन को अधिकाधिक डिजिटल बनाने के प्रयासों तथा भुगतान के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में हुई तीव्र वृद्धि के साथ सम्मिलित रूप से हाउसहोल्डस द्वारा की जा रही मुद्रा की मांग में दीर्घकालिक

चार्ट 2 : परिचालनगत मुद्रा / व्यापक मुद्रा

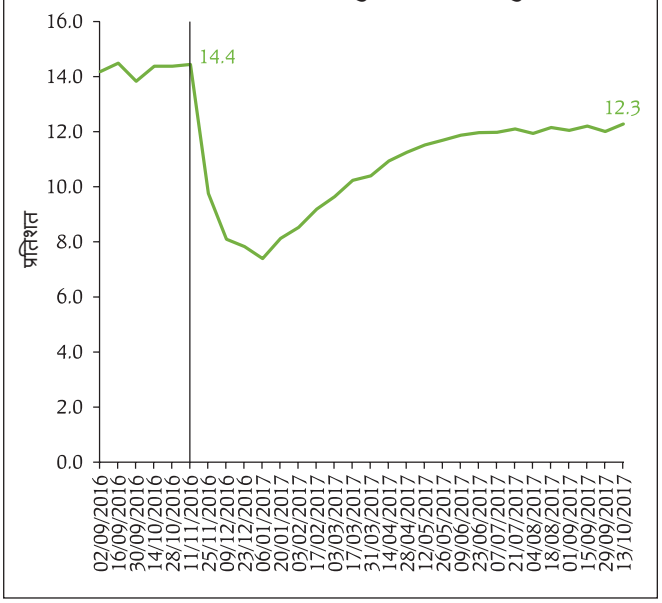

[2] पूर्वानुमानित मूल्य बहिर्जात चर एक ऑटो रिग्रेसिव गतिशील औसत मॉडल [एआरएमएएक्स (3.2)] पर आधारित हैं जिसमें छह चरों के माध्यम से बहिर्जात त्यौहारी प्रभावों को शामिल किया गया है और जिसमें 01 जनवरी 2012 से 04 नवंबर 2016 तक के साप्ताहिक सीआईसी आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। एआरएमएएक्स मॉडल ऐसे बहिर्जात कारकों को संज्ञान में लेते समय काफी लचीले होते हैं जिनमें टाइम सीरीज अपने स्वयं के अंतरालों का रेखीय प्रतिफलन होती है जैसे- एरर टर्म्स और अन्य बहिर्जात कारक. 11 नवंबर 2016 से लेकर 27 अक्टूबर 2017 तक समाप्त होने वाले सप्ताहों के मूल्यों का पूर्वानुमान लगाया गया है।

कमी ला दी है।

उपर्युक्त चर्चा को आगे बढ़ाते हुए हम मुद्रा की मांग के आकलन हेतु चार चरों का चयन करेंगे यथा, सीआईसी (एलआरसीवाई), वास्तविक जीडीपी (एलआरजीडीपी), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई कंबाइंड) और औसत जमा दर (आरडेप)। वर्ष 1998:ति3 से लेकर सन 2017:ति2 की प्रदर्श अवधि के लिए 30 तिमाहियों का अभिविन्यास रखते हुए अन्य चरों पर सीआईसी के रोलिंग रिग्रेशन का आकलन किया गया। वर्ष 2016 की चौथी तिमाही से 2017 की पहली तिमाही के लिए छद्म चर (डीमन) का इस्तेमाल करते हुए विमुद्रीकरण के प्रभाव का आकलन किया गया है। अनुमानित मॉडल के माध्यम से परिगणित दीर्घकालिक प्वाइंट प्रत्यास्थता उल्लेखनीय रूप से कम होकर 0.91 हो गयी है जो कि 2014 की दूसरी तिमाही में 1.07 थी (चार्ट 3 और संलग्नक 1)। इसके अलावा, छद्म चर के माध्यम से आकलित विमुद्रीकरण का प्रभाव भी सांख्यिकीय दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पाया गया है। मुद्रा की मांग पर विमुद्रीकरण के प्रभाव के प्रवृत्ति मूलक विश्लेषण, जो कि पूर्व के चार्टों में दर्शाया गया है, की पुष्टि इन मॉडल आधारित परिणामों से होती है। एक बात ध्यान में रखना महत्त्वपूर्ण है कि आने वाले महीनों और वर्षों में प्राप्त होने वाले और अधिक आंकड़ों से ही अनुसंधानकर्ता यह जान पाएंगे कि इस संदर्भ में जो परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं उनमें कितनी गहराई और कितनी स्थिरता है।

चार्ट 3 : मुद्रा की मांग : दीर्घकालिक आय प्रत्यास्थता

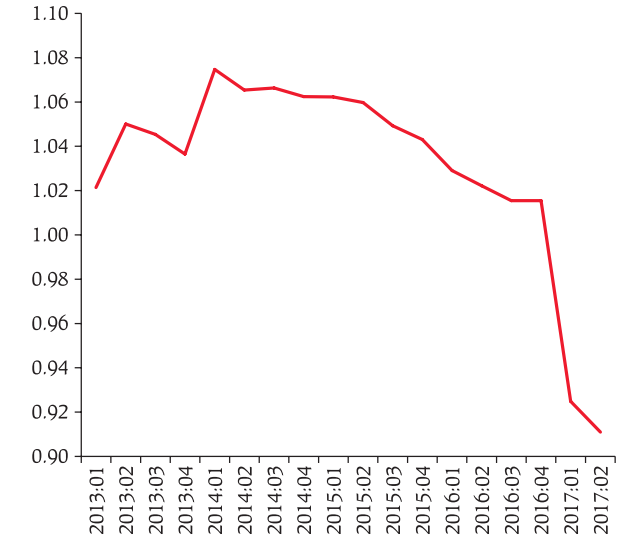

II. विमुद्रीकरण और बैंक जमा में आया उछाल

28 अक्तूबर 2016 से 6 जनवरी 2017 के बीच परिचालनगत मुद्रा में 9 ट्रिलियन की कमी हुई जिसका परिणाम यह हुआ की बैंकिंग प्रणाली में मौजूद कुल जमा की तुलना में कासा (कम लागत वाली) जमाराशियों के प्रतिशत में 4 प्रतिशत की वृद्धि हो गयी (चार्ट 4 और 5)।

चार्ट 4 : भारत में परिचालनगत नोट

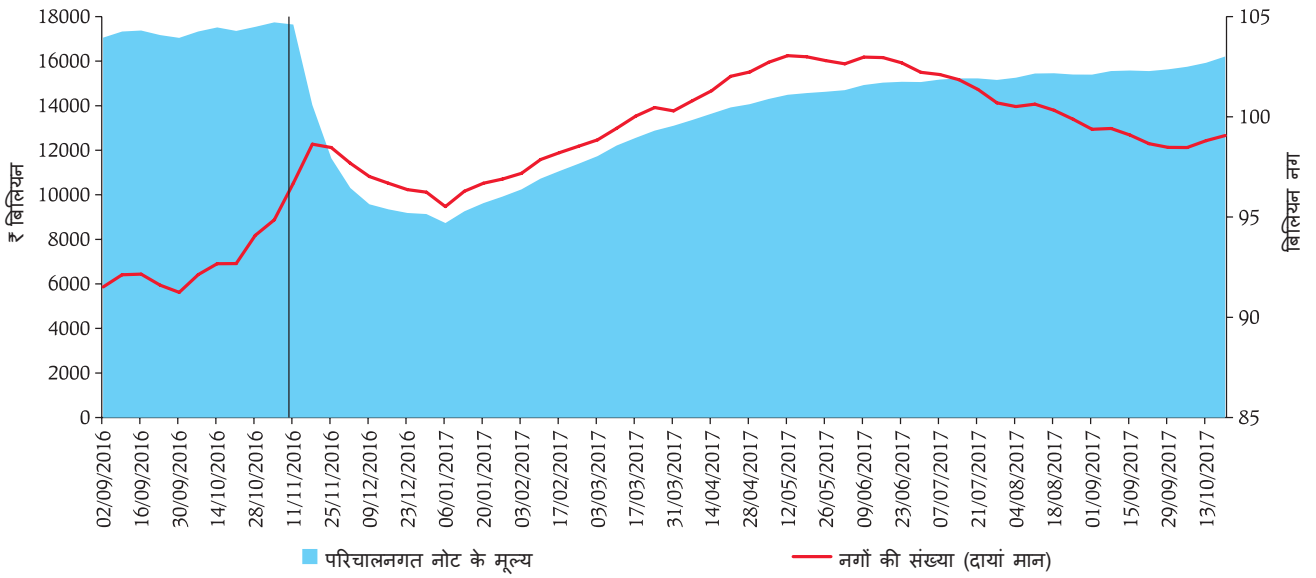

चार्ट 5 : भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा

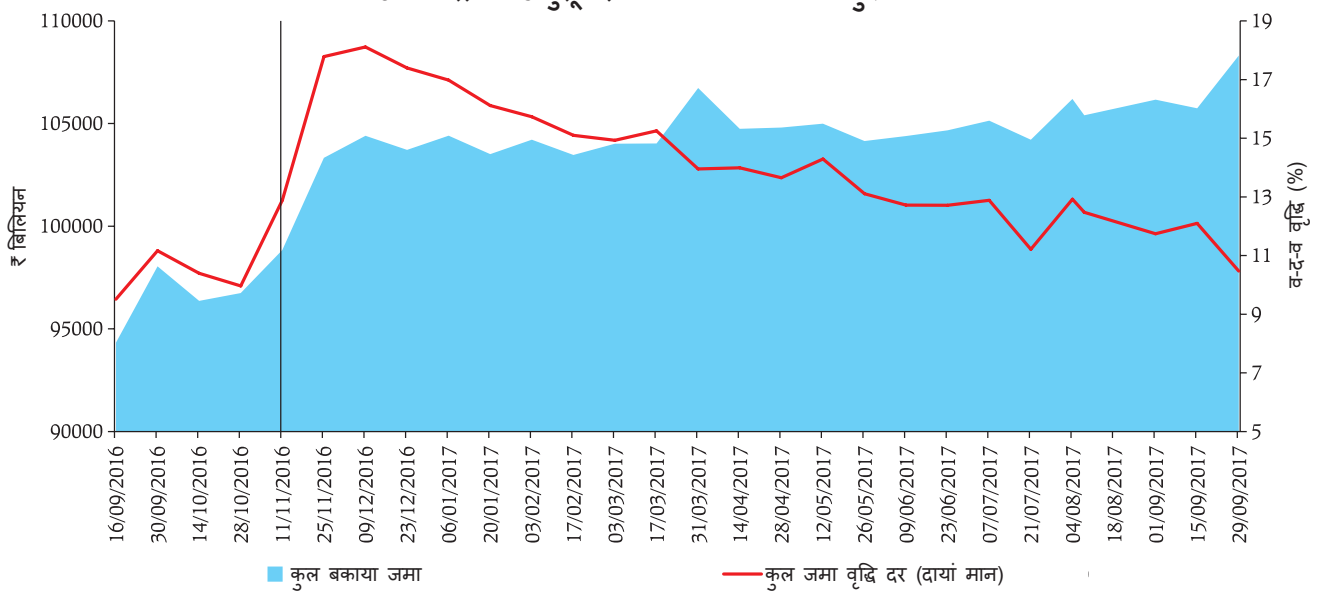

पीएमजेडीवाई खातों की जमाराशियों में 38 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई और विमुद्रीकरण के बाद (09 नवंबर 2016 से 31 मार्च 2017 तक) 27 मिलियन नये खाते खुल गए और इस प्रकार विमुद्रीकरण की वजह से वित्तीय मध्यस्थता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अद्यतन आंकड़े यह दर्शाते हैं कि विमुद्रीकरण से लेकर अक्तूबर 2017 तक 50 मिलियन नए खाते खोले गये (चार्ट 6)।

II.क अतिरिक्त जमा संबंधी आकलन

इस पृष्ठभूमि में यदि विमुद्रीकरण के कारण आए 'अतिरिक्त' जमा का आकलन करना हो तो इसके लिए जमा की प्रकृति का विश्लेषण करना होगा। सर्वप्रथम, विमुद्रीकरण की अविध के दौरान बैंक जमा में सामान्य वृद्धि-दर का निर्धारण करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के तहत कुछेक पूर्व धारणाओं को मानते हुए एक टाइम सीरीज़ मॉडल अपनाना

चार्ट 6 : पीएमजेडीवाई के तहत जमा

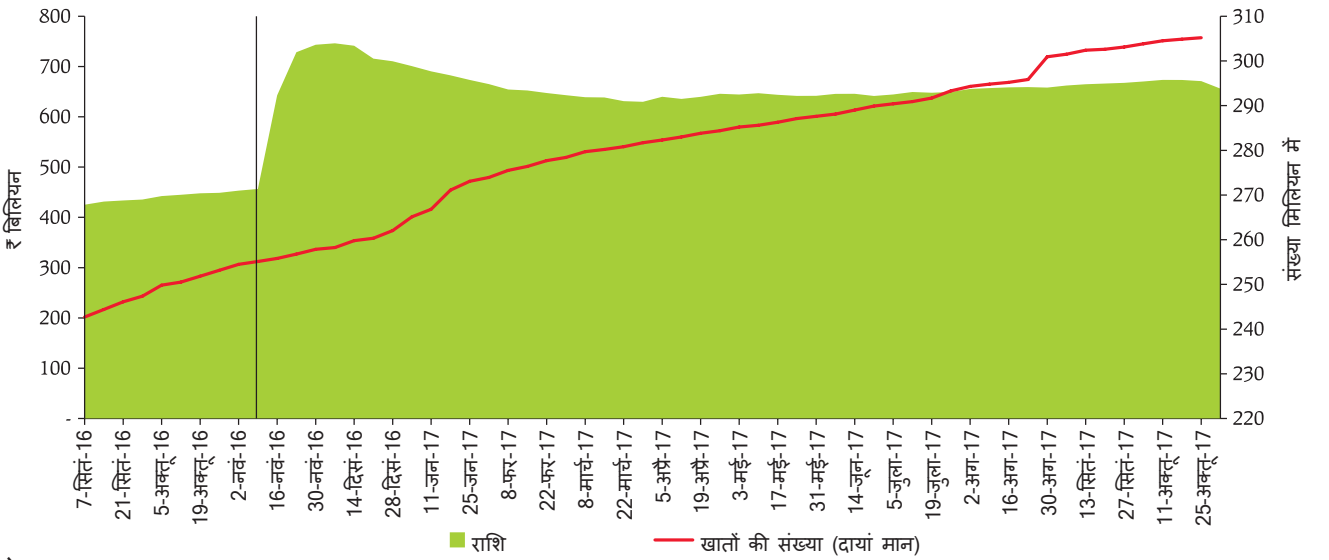

स्रोत: भारत सरकार

होगा और तदुपरांत इसे तथा वास्तविक वृद्धि-दर को आमने-सामने रखते हुए 'अतिरिक्त' वृद्धि ज्ञात की जाती है। दूसरे, पूर्व के वर्षों में दर्ज की गयी वृद्धि-दर की तुलना में सात प्रकार के बैंक खातों, जो कि बैंक जमा का 30 प्रतिशत होते हैं, का मूल्यांकन किया जाता है। इन खातों का चयन करते समय यह देखा जाता है कि ये ऐसे खाते हैं जिनमें सामान्य रूप से कम लेनदेन होता है और जिनमें असामान्य रूप से नकद जमा के संकेत मिलते हैं।

II.क.1 कुल बैंकिंग सांख्यिकी पर आधारित आकलन

अगले चरण में जमा में वृद्धि की बेंचमार्क सांकेतिक दर विभिन्न परिदृश्यों में एकसमान मानी जाती है यथा (i) 2015-16 की उसी अवधि के दौरान; (ii) पिछले दो वर्षों (अर्थात् 2014-15 और 2015-16) की उसी अवधि के दौरान दर्ज की गयी औसत वृद्धि; और एआरएमए (1.1) मॉडल का इस्तेमाल करते हुए आकलित वृद्धि[3]।

परिदृश्य 1: 2015-16 में देखी गयी दर को परोक्ष में रखते हुए जमा में हुई सामान्य वृद्धि

11 नवंबर से 30 दिसंबर 2016 की अवधि के दौरान कुल जमा में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) हुई जबकि 2015 के दौरान इसी अवधि में यह 10.3 प्रतिशत थी जो इस बात की ओर संकेत करती है कि 4.2 प्रतिशत की अतिरिक्त जमा वृद्धि विमुद्रीकरण के परिणामस्वरूप हुई (टेबल 1)। सांकेतिक रूप में देखें तो अतिरिक्त जमा राशि कुल मिलाकर ₹3.8 ट्रिलियन थी। 11 नवंबर 2016 से 17 फरवरी 2017 की अवधि का आकलन करने पर यह पता चलता है कि बैंक जमा में पाक्षिक वृद्धि-दर 13.9 प्रतिशत रही जो 2015-16 की उसी अवधि के दौरान आकलित 10.4 प्रतिशत की वृद्धि दर से 3.5 प्रतिशतता अंक अधिक थी। यदि मार्च 2017 के अंत तक की अवधि पर विचार किया जाए तो जमाराशियों में कुछ अल्पकालीन कमी लाकर विभाजन की दृष्टि से 13.4% की वास्तविक जमाराशि संवृद्धि 10.1% की अनुमानित संवृद्धि से 3.3 प्रतिशत अंक अधिक हो जाती है।

परिदृश्य 2: 2014-15 और 2015-16 के औसत को परोक्ष में रखते हुए जमा में हुई सामान्य वृद्धि

2014-15 और 2015-16 में 11 नवंबर से 30 दिसंबर के बीच बैंक जमा में औसत वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) 10.6 प्रतिशत रही जबकि 2016-17 की उसी समयावधि में औसत जमा वृद्धि 14.5 प्रतिशत थी। इस परिदृश्य में देखें तो विमुद्रीकरण के फलस्वरूप अनुमानित औसत जमा वृद्धि 4 प्रतिशत रही (टेबल 1)।

इसी आधार पर 11 नवंबर से 17 फरवरी 2017 की अवधि में वृद्धि दर पिछले दो वर्षों में उसी समयावधि की जमा वृद्धि के औसत 10.7 प्रतिशत से 3.3 प्रतिशतता अंक अधिक थी। यदि मार्च 2017 के अंत तक की स्थिति पर विचार किया जाए तो अतिरिक्त जमा वृद्धि औसत जमा वृद्धि 10.4 प्रतिशत से 3 प्रतिशतता अंक अधिक ठहरती है।

परिदृश्य 3: एआरएमए मॉडल पर आधारित आकलन

वर्ष 2012-13 से 2016-17 (28 अक्तूबर 2016 को समाप्त पक्ष तक) की अवधि के पाक्षिक आंकड़ों पर एआरएमए

टेबल 1: एससीबी की कुल जमा पर विमुद्रीकरण का अनुमानित प्रभाव

अवधि	जमा में हुई वृद्धि	परिदृष्य 1	परिदृष्य 2	परिदृष्य 3
11 नवंबर 2016 से 30 दिसंबर 2016	प्रतिशतता अंकों में अतिरिक्त वृद्धि	4.2	4.0	4.7
	₹ बिलियन में अतिरिक्त वृद्धि	3,829	3,608	4,309
11 नवंबर 2016 से 17 फरवरी 2017	प्रतिशतता अंकों में अतिरिक्त वृद्धि	3.5	3.3	4.2
	₹ बिलियन में अतिरिक्त वृद्धि	3,233	2,991	3,848
11 नवंबर 2016 से 31 मार्च 2017	प्रतिशतता अंकों में अतिरिक्त वृद्धि	3.3	3.0	3.8
	₹ बिलियन में अतिरिक्त वृद्धि	3,088	2,754	3,472

नोट : रिपोर्टिंग प्रणाली अर्धमासिक होने के कारण, आंकड़े 11 नवंबर 2016 को समाप्त अर्धमास से लिए गए हैं ताकि विमुद्रीकरण के प्रभाव को जाना जा सके।

[3] जमा वृद्धि का पूर्वानुमान ऑटो रिग्रेसिव गतिशील औसत [एआरएमए (1.1)] मॉडल का प्रयोग करते हुए किया गया है। एआरएमए एक ऐसा साधन है जिसकी सहायता से अपने खुद के जड़त्व पर आधारित किसी सीरीज के भविष्य के मूल्य का पूर्वानुमान लगाया जाता है और यह अल्पकालिक पूर्वानुमान के लिए उपयुक्त होता है। एआरएमए द्वारा किसी भी टाइम सीरीज का पूर्वानुमान समीकरण एक रेखीय (अर्थात रिग्रेशन की तरह का) समीकरण होता है जिसमें पूर्वानुमानकर्ताओं में आश्रित चरों के अंतराल और/अथवा पूर्वानुमान त्रुटियों के अंतराल शामिल होते हैं।

(1.1) मॉडल का इस्तेमाल करते हुए भी जमा वृद्धि का पूर्वानुमान लगाया गया था (संलग्नक 2 से 6 देखें)। इस मॉडल का उपयोग करते हुए विमुद्रीकरण के कारण हुई जमा वृद्धि 11 नवंबर से 30 दिसंबर 2016 की अवधि के लिए इसी मॉडल के माध्यम से गणना की गयी 9.8 प्रतिशत की जमा वृद्धि से 4.7 प्रतिशत अधिक है (टेबल 1)। दिनांक 11 नवंबर 2016 से 17 फरवरी 2017 तक की अवधि के लिए जमा वृद्धि दर इस मॉडल के तहत अनुमानित 9.7 प्रतिशत की वृद्धि से 4.2 प्रतिशत अधिक रही। जब मार्च 2017 के अंत तक की अवधि पर विचार करते हैं तो अतिरिक्त जमा वृद्धि इस मॉडल के तहत अनुमानित 9.7 प्रतिशत की वृद्धि से 3.8 प्रतिशत अंक अधिक ठहरती है।

II.क.2 बैंक खातों के आधार पर अतिरिक्त जमा का अनुमान

25 नवंबर 2016 तक बैंक शाखाओं द्वारा दी जा रही काउंटर पर विनिमय सुविधा के तहत ₹370 बिलियन के एसबीएन बदले गए। काफी बड़ी संख्या में एसबीएन कुछ खास तरह के बैंक खातों में भी जमा किए गए यथा - मूलभूत बचत बैंक जमा खाता (बीएसबीडीए); प्रधानमंत्री जन धन योजना खाते (पीएमजेडीवाई); केसीसी; निष्क्रिय खाते; अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में खोले गए सहकारी बैंकों के खाते; सोने-चांदी के कोरोबारियों/जौहरियों के खाते; ऋण खाते। नवंबर-दिसंबर 2016 में 52 बैंकों में खोले गए इन सात प्रकार के खातों में कुल अनुमानित जमाराशि ₹4,358 बिलियन थी। सितंबर-अक्तूबर 2016 में इन खातों में नगद जमा ₹2,701 बिलियन थी। यह मानते हुए कि सामान्यतया इन खातों का परिचालन कम ही किया जाता हैं, ₹1,657 बिलियन के इस अंतर का कारण विमुद्रीकरण के फलस्वरूप इन खातों में नगदी जमा में आए उछाल को ही माना जा सकता है। इन 52 बैंकों में नवंबर-दिसंबर 2015 के दौरान ऐसे खातों में अनुमानित नगद जमा राशि ₹3,065 थी। पिछले पांच वर्षों में वृद्धि दर के रूझान (अर्थात् पिछले पांच वर्षों में नवंबर-सितंबर के दौरान कुल जमाराशियों में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि) के आधार पर देखें तो इन खातों में नवंबर-दिसंबर 2016 के दौरान अनुमानित नगद जमा ₹2,783 बिलियन होनी चाहिए। इस प्रकार, इस दृष्टि से देखा जाए तो नवंबर-दिसंबर 2016 के दौरान अतिरिक्त जमा ₹1,575 बिलियन ठहरती है।

विमुद्रीकरण की अवधि (अर्थात् 11 नवंबर 2016 से 30 दिसंबर 2016) के दौरान बैंकिंग प्रणाली में आए अतिरिक्त जमा में 4.0-4.7 प्रतिशतता अंक की वृद्धि हुई। यदि फरवरी 2017 के मध्य तक की अवधि को भी शामिल कर लिया जाए ताकि जमा में आई अचानक वृद्धि के बाद की गिरावट को भी गणना में लिया जा सके, तो जमा में हुई अतिरिक्त वृद्धि 3.3-4.2 प्रतिशतता अंक रही। जमा में कुछ अन्य अल्पकालिक गिरावटों को भी समायोजित करने के विचार से यदि मार्च 2017 के अंत तक की स्थिति को गणना में लिया जाए तो जमा में हुई अतिरिक्त वृद्धि 3.0-3.8 प्रतिशत थी। सांकेतिक रूप से देखें तो विमुद्रीकरण के कारण बैंकिंग प्रणाली में आए अतिरिक्त जमा की अनुमानित राशि ₹2.8-4.3 ट्रिलियन रही। कुछ विशिष्ट खातों में, जो कि सामान्यतः कम परिचालित होते हैं, हुए असामान्य जमा की अनुमानित राशि ₹1.6 से ₹1.7 ट्रिलियन के अंतराल में रही। कुल मिलाकर, विमुद्रीकरण के परिणामस्वरूप बैंक जमा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और यह जमा यदि बनी रही तो इससे वित्तीय बचतों और पूंजी बाजार की ओर उनके प्रवाह पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

III. विमुद्रीकरण और मौद्रिक प्रवाह

चूंकि बैंकों ने जमाकर्ताओं द्वारा जमा किए गए विमुद्रीकृत बैंक नोटों के मूल्य के बराबर राशि उनके खातों में क्रेडिट की, अतः विमुद्रीकरण के बाद की अवधि में बैंकों के कासा जमा में अचानक तीव्र वृद्धि हुई। बैंकों की कुल जमा में कम लागत वाले कासा जमा की हिस्सेदारी अक्तूबर 2016 के 35.2 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2017 में 40.6 प्रतिशत हो गयी हालांकि जून 2017 तक यह गिरकर 38.6 प्रतिशत रह गयी। कर्ज की मांग ढीली ही रही, अतः बैंकों ने दिसंबर 2016 के अंत और जनवरी 2017 की प्रारंभिक अवधि में अपनी सावधि जमा ब्याज दरों में काफी कमी कर दी, हालांकि बचत जमा खातों पर ब्याज दरें अपरिवर्तित रहीं।

अतिरिक्त चलनिधि, कमजोर ऋण-मांग, कम लागत वाली सावधि जमा और कम लागत वाली कासा जमा में उछाल वाले वातावरण में बैंकों ने जनवरी 2017 में अपने एमसीएलआर में भारी कटौती की घोषणा की। नवंबर 2016 - अगस्त 2017 के बीच अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सावधि जमा दरों में 62 आधार अंकों की कमी आयी

चार्ट 7 : विमुद्रीकरण - पश्चात अवधि में मौद्रिक नीति अंतरण

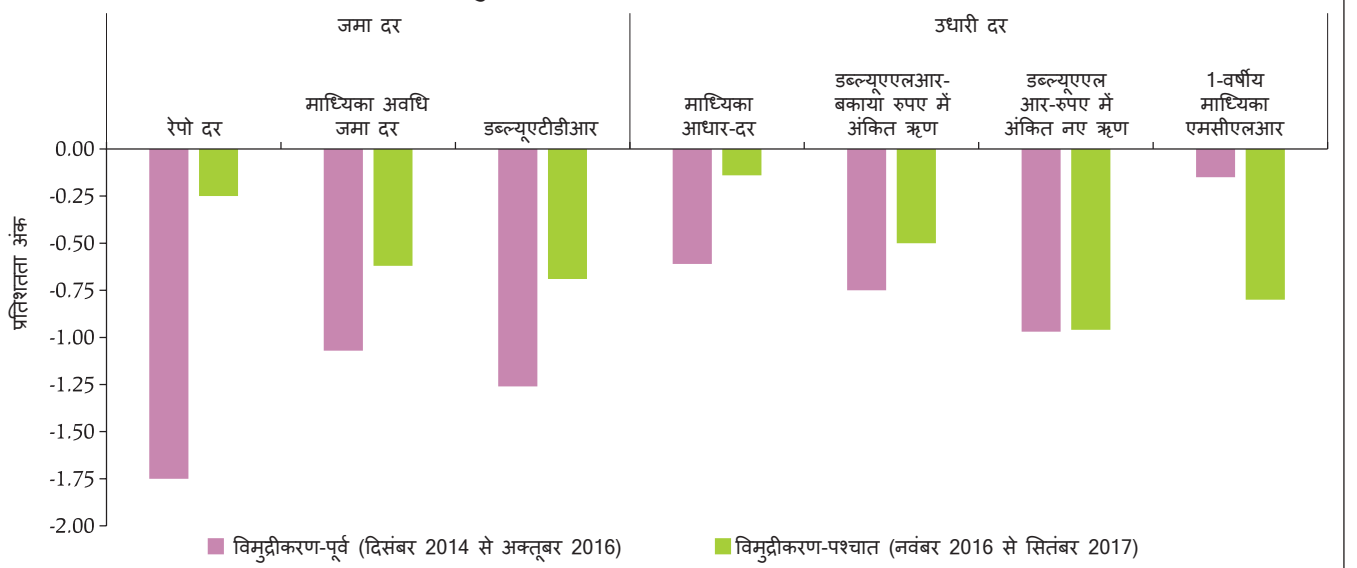

डब्ल्यूएटीडीआर: भारित औसत सावधि जमा दर : भारित औसत उधारी दर : एमसीएलआर: निधियों की मार्जिनल लागत आधारित उधारी दर

(चार्ट 7) जबकि बैंकों की भारित औसत सावधि जमा दरों में 69 आधार अंकों की गिरावट हुई।

नवंबर 2016 से अगस्त 2017 के दौरान रुपए में दिए जाने वाले नए ऋणों के संदर्भ में बैंकों की भारित औसत उधार दर (डब्ल्यूएएलआर) में लगभग 100 आधार अंकों की कमी आई (चार्ट 7)। नवंबर 2016 से 1 वर्षीय माध्यिका एमसीएलआर में समेकित रूप से 80 आधार अंकों की कमी आई है। यह काफी उल्लेखनीय है क्योंकि, पिछले सात महीनों के दौरान (अप्रैल-अक्तूबर 2016) के दौरान, जबकि नीतिगत रेपो दर में 50 आधार अंकों की कमी आई थी, 1 वर्षीय माध्यिका एमसीएलआर में केवल 15 आधार अंकों की ही कमी आई थी। नवंबर 2016-अगस्त 2017 के दौरान रुपए में अंकित बकाया ऋणों के संबंध में डब्ल्यूएआर में 50 आधार अंकों की कमी आई। इस प्रकार, विमुद्रीकरण के कारण अंतरण के एक बड़े भाग की पूर्ति अधिशेष चलनिधि द्वारा पूरी की गई।

IV. विमुद्रीकरण और बचतों का वित्तीयकरण

विमुद्रीकरण के परिणामस्वरूप गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थों जैसे कि कर्ज/ आय उन्मुख म्यूचुअल फंडों और बीमा कंपनियों को फायदा हुआ। 2016-17 के दौरान गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के समग्र तुलन पत्र में 14.5 प्रतिशत का विस्तार हुआ। बचतों के वित्तपोषण को तीन गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थों में बांटा जा सकता है; म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियां और एनबीएफसी।

IVए. म्यूचुअल फंड

विमुद्रीकरण के बाद बैंक जमा राशियों की ब्याज दरों में कमी आने और स्वर्ण की कीमत में गिरावट ने कर्ज और ईक्विटी उन्मुख दोनो प्रकार के म्यूचुअल फंडों को संगत रूप से आकर्षक बना दिया। यह म्यूचुअल फंडों द्वारा धारित एयूएम से प्रकट होता है जो मार्च 2017 के अंत में बढ़कर ₹17.5 ट्रिलियन हो गई और आगे अक्तूबर 2017 अंत में बढ़कर ₹21.4 ट्रिलियन हो गई। उत्साह से पूर्ण ईक्विटी बाजार ने भी ईक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों को अधिक आकर्षक बना दिया। इस अवधि के दौरान ईक्विटी योजनाओं के तहत संसाधनों का एकत्रण दोगुने से भी अधिक हो गया। नवंबर 2016 से जून 2017 के दौरान आय/कर्ज योजनाओं में भी निवल अंतर्वाह हुआ जो कि नवंबर 2015 से जून 2016 के दौरान हुए निवल बहिर्वाह के विपरीत रहा। पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में नवंबर 2016-जून 2017 के दौरान म्यूचुअल फंडों द्वार जुटाए गए समग्र संसाधनों में हुई तीव्र वृद्धि इसे प्रदर्शित करती है (सारणी 2)। विमुद्रीकरण के बाद म्यूचुअल फंडों द्वारा किया गया संसाधनों का उच्चतर एकत्रण मुख्यत: खुदरा और उच्च निवल मालियत वाले वैयक्तिक निवेशकों द्वारा संचालित हुआ।

सारणी 2 : म्यूचुअल फंडों में निवल अंतर्वाह/बहिर्वाह

(₹ बिलियन में)

श्रेणी	नवंबर 2015 - जून 2016	नवंबर 2016 - जून 2017	2015-16	2016-17	अप्रैल-सितंबर 2017-18
आय/कर्ज योजनाएं	-328.6	386.2	330.1	2131.5	676.1
ईक्विटी योजनाएं	235.7	670.7	740.3	703.7	803.6
संतुलित योजनाएं	111.4	436.5	197.4	366.1	470.5
एक्सचेंज पर व्यापारित फंड	75.5	203.8	78.2	232.8	72.5
फंड के फंड जो विदेशों में निवेश करते हैं	-2.4	-1.9	-4.2	-3.6	-2.6
कुल	**91.6**	**1695.5**	**1341.8**	**3430.5**	**2020.0**

स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

IVबी. जीवन बीमा कंपनियां

नवंबर 2016 में जीवन बीमा कंपनियों द्वारा किया गया प्रीमियम का संग्रह दोगुने से अधिक हो गया (सारणी 3)। नवंबर 2016 में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा संग्रहीत प्रीमियम में (वर्ष-दर-वर्ष) 142 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनियों द्वारा किए गए संग्रहण में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नवंबर 2016 में एलआईसी द्वारा किया गया संग्रह उसके कुल संग्रह का लगभग 85 प्रतिशत था जो कि अधिकतर 'एकल प्रीमियम' पॉलिसी के तहत हुआ, जिसे एकमुश्त रूप में अदा किया जाता है, जबकि गैर-एकमुश्त प्रीमियम पॉलिसी के तहत उसका भुगतान मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने 1 दिसंबर 2016 से खरीदी गई अपनी जीवन अक्षय योजना VI के तहत तत्काल वार्षिक वृत्ति की वार्षिक वृत्ति दर को संशोधित कर अधोमुखी बना दिया जिसका नवंबर 2016 में एकत्रण में हुई वृद्धि पर असर भी पड़ा हो सकता है। पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान हुए संग्रह की तुलना में नवंबर 2016 से जनवरी 2017 के दौरान हुए समेकित संग्रह में 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। तत्पश्चात्, वृद्धि दर में कमी आने के बावजूद नवंबर 2016 से सितंबर 2017 की अवधि के दौरान प्रीमियम संग्रह में औसत 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

IVसी. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी)

सभी श्रेणियों की एनबीएफसी द्वारा संवितरित किए गए ऋण में अप्रैल-अक्तूबर 2016 के दौरान औसत मासिक संवितरणों की तुलना में नवंबर 2016 में उल्लेखनीय गिरावट आई, विशेष रूप से माइक्रो वित्त कंपनियों (एनबीएफसी-

सारणी 3 : जीवन बीमा प्रीमियम*

(₹ बिलियन में)

माह	निजी बीमा कंपनियां	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (%)	एलआईसी	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (%)	सकल जोड़	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (%)
नवं-2016	35.3	48.9	125.3	141.9	160.6	112.7
दिसं-2016	47.5	28.4	82.6	12.8	130.1	18.1
जन-2017	44.1	23.8	87.2	29.8	131.4	27.8
फर-2017	39.4	13.0	68.5	-12.3	107.9	-4.5
मार्च-2017	93.8	17.8	253.0	7.5	346.8	10.1
अप्रै-2017	25.6	22.3	44.3	-24.7	69.9	-12.3
मई-2017	33.9	4.5	84.1	14.2	118.0	11.2
जून-2017	40.2	16.2	104.5	11.7	144.7	12.9
जुला-17	41.7	33.9	162.5	51.4	204.3	47.4
अग-17	41.3	15.8	133.8	24.9	175.1	22.6
सितं-17	55.9	-1.1	153.0	37.6	208.9	24.6
नवं-2016 to जन-2017	126.9	31.8	295.1	53.5	422.1	46.3
नवं-2016 to सितं-2017	498.7	18.1	1298.9	22.8	1797.7	21.5

* आंकड़े 'पहले वर्ष के प्रीमियम' से संबंधित हैं।
स्रोत: इरडा

सारणी 4 : भारत में गैर-बैंक वित्तीय कंपनियों द्वारा किया गया वितरण

श्रेणी	मासिक औसत वितरण (अप्रैल-अक्तूबर 2016) बिलियन ₹ में	अप्रैल- अक्तूबर 2016 के मासिक औसत वितरण की तुलना में प्रतिशत बदलाव							
		नवं-16	दिसं-16	जन-17	फर-17	मार्च-17	अप्रै-17	मई-17	जून-17
आस्ति वित्त कंपनियां (12)	186.8	-14.6	9.2	-6.9	-2.5	48.7	-10.4	1.1	22.8
ऋण कंपनियां (13)	611.6	-24.7	-22.5	-19.3	-12.6	39.9	4.5	7.1	13.0
माइक्रो वित्त कंपनियां (12)	94.1	-63.2	-71.4	-56.5	-42.3	-5.8	-47.8	-11.3	-15.3

टिप्पणी: कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े संज्ञान में ली गई कंपनियों के हैं।
स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

एमएफआई) द्वारा किए जाने वाले ऋण वितरण में जिनका मुख्य व्यापार ही नकदी आधारित है (सारणी 4)। आस्ति वित्त कंपनियों (एएफसी) और ऋण कंपनियों (एलसी) द्वारा किए जाने वितरणों में फरवरी 2017 तक सामान्य रूप से गिरावट रही। मार्च 2017 से वितरण धनात्मक हुए और अप्रैल-अक्तूबर 2016 के दौरान रिकार्ड किए गए औसत मासिक वितरणों की तुलना में उनमें कहीं अधिक तेजी से वृद्धि हुई। तथापि, एमएफआई के मामले में, अप्रैल-अक्तूबर 2016 के दौरान रिकार्ड किए गए औसत मासिक वितरणों की तुलना में किए गए वितरणों में गिरावट जारी रही क्योंकि राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली ऋण माफी के कारण अनिश्चितता का माहौल बना हुआ था।

वितरणों के विपरीत नवंबर 2016 से जून 2017 के दौरान एएफसी और एलसी के संग्रहों में अप्रैल-अक्तूबर 2016 के दौरान के मासिक औसत वितरणों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (सारणी 5)। अप्रैल 2016 की तुलना में नवंबर 2016-फरवरी 2017 के दौरान एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा किए गए संग्रहों में गिरावट रही, परंतु मार्च, मई और जून 2017 के महीनों के दौरान इसमें सुधार दृष्टिगत हुआ।

एनबीएफसी को दिए जाने वाले बैंक क्रेडिट 2016 के 5.1 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) से कम होकर नवंबर 2016 में 1.3 प्रतिशत हो गया तथापि, मार्च 2017 में इसमें सुधार हो गया और यह बढ़कर 10.9 प्रतिशत हो गया। विवरणियां प्रस्तुत करने वाली एनबीएफसी के प्रतिफलों के संदर्भ में मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष में (16.4 प्रतिशत) एनबीएफसी द्वारा दिए गए ऋणों और अग्रिमों में सामान्य गति से वृद्धि हुई जैसी कि मार्च 2016 को समाप्त वर्ष में हुई थी (16.6 प्रतिशत) (सारणी 6)।

सारांश में, ऐसा प्रतीत होता है कि विमुद्रीकरण ने भारत में वित्तीयकरण को गति प्रदान कर दी है।

V. विमुद्रीकरण और डिजिटल भुगतान

विमुद्रीकरण का एक और महत्वपूर्ण परिणाम यह हुआ कि डिजिटल लेनदेनों के प्रयोग में काफी बढ़ोतरी हुई। नवंबर 2016 की तुलना में मार्च 2017 में डिजिटल लेनदेनों का स्वरूप दर्शाता है कि पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में मूल्य और मात्रा दोनों के सबंध में वृद्धि दर में तीव्रता आई। इलेक्ट्रानिक भुगतानों का व्यवहार यह दर्शाता है कि डिजिटल गतिविधि में आई तेजी बरकरार रही है। अद्यतन आंकड़े दर्शाते हैं कि नवंबर 2017 और अगस्त 2017 के बीच प्री-पेड भुगतान लिखतों (पीपीआई) की मात्रा में 54 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के तहत लेनदेनों में समान अवधि के दौरान दोगुने से अधिक वृद्धि हुई (सारणी 7)। बिक्री बिंदु (पी$_{ओ}$एस) पर डेबिट और

सारणी 5 : भारत में गैर-बैंक वित्तीय कंपनियों द्वारा किया गया संग्रह

श्रेणी	मासिक औसत वितरण (अप्रैल-अक्तूबर 2016) बिलियन ₹ में	अप्रैल- अक्तूबर 2016 के मासिक औसत वितरण की तुलना में प्रतिशत बदलाव							
		नवं-16	दिसं-16	जन-17	फर-17	मार्च-17	अप्रै-17	मई-17	जून-17
आस्ति वित्त कंपनियां (12)	123.2	-4.3	7.7	5.5	5.1	19.4	5.3	13.1	7.7
ऋण कंपनियां (13)	355.8	3.9	14.9	4.5	6.4	58.9	24.9	21.0	38.9
माइक्रो वित्त कंपनियां (12)	74.9	-8.8	-0.8	-3.7	-8.7	7.9	-3.8	5.2	1.4

टिप्पणी: कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े संज्ञान में ली गई कंपनियों के हैं।
स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

सारणी 6 : एनबीएफसी क्षेत्र का समेकित तुलन पत्र

(प्रतिशत में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि)

मद	मार्च-16	मार्च-17
1. कुल उधारियां	15.3	15.0
2. वर्तमान देयताएं और प्रावधान	31.8	16.0
कुल देयताएं/आस्तियां	15.5	14.5
1. ऋण और अग्रिम	16.6	16.4
2. निवेश	10.8	11.9
आय/खर्च		
1.कुल आय	15.8	8.9
2. कुल खर्च	15.8	9.6
3. निवल लाभ	15.6	-2.9

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

क्रेडिट कार्ड भुगतानों, जो कि डिजिटल भुगतानों के समय-परीक्षित और प्रचलित माध्यम हैं, में भी तीव्र वृद्धि दर्ज की गई।

इसके अतिरिक्त, विमुद्रीकरण के लागू होने के साथ ही डिजिटल भुगतानों को प्रोत्साहित करने हेतु किए गए विशिष्ट उपायों के कारण खुदरा इलेक्ट्रानिक भुगतानों की मात्रा और कीमत के संदर्भ में नए रिकार्ड कायम हुए। खुदरा इलेक्ट्रानिक भुगतानों के मात्रागत रुझान नवंबर 2016 के बाद हुए ढांचागत परिवर्तन की ओर संकेत देते हैं (चार्ट 8ए और बी)।

सारणी 7 : भुगतान के डिजिटल माध्यम में हुई वृद्धि

माह/वर्ष	ईएफटी/एनईएफटी		तत्काल भुगतान प्रणाली(आईएमपीएस)		क्रेडिट /डेबिट कार्ड (एटीएम और पीओएस पर उपयोग)		प्रीप्रेड भुगतान लिखतें (एम-वॉलेट, पीपीआई कार्ड, पेपर वाउचर)	
	मात्रा (मिलियन)	कीमत (₹ बिलियन में)	मात्रा (मिलियन)	कीमत (₹ बिलियन में)	मात्रा (मिलियन)	कीमत (₹ बिलियन में)	मात्रा (मिलियन)	कीमत (₹ बिलियन में)
नवंबर-2016	123.0	8807.9	36.2	324.8	896.1	1823.2	169.3	50.7
मार्च-2017	186.7	16294.5	67.4	564.7	1089.4	2952.6	342.1	106.8
अगस्त-2017	151.6	12500.4	75.7	651.5	1097.8	3072.1	261.1	102.9
वृद्धि दर (%)								
नवंबर 2016 की तुलना में मार्च 2017	51.7	85.0	86.4	73.9	21.6	61.9	102.0	110.4
नवंबर 2016 की तुलना में अगस्त 2017	23.2	41.9	109.2	100.6	22.5	68.5	54.2	102.7

ईएफटी/एनईएफटी : इलेक्ट्रानिक फंड ट्रांसफर/ नेशनल इलेक्ट्रानिक फंड ट्रांसफर
स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

चार्ट 8ए : डिजिटल भुगतान - I

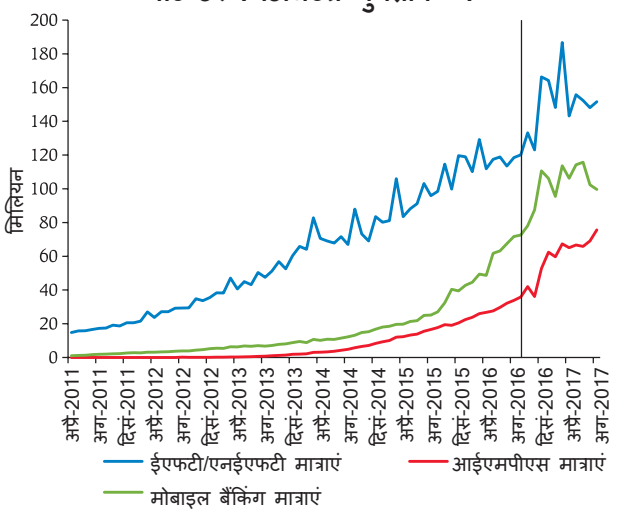

चार्ट : 8बी : डिजिटल भुगतान -II

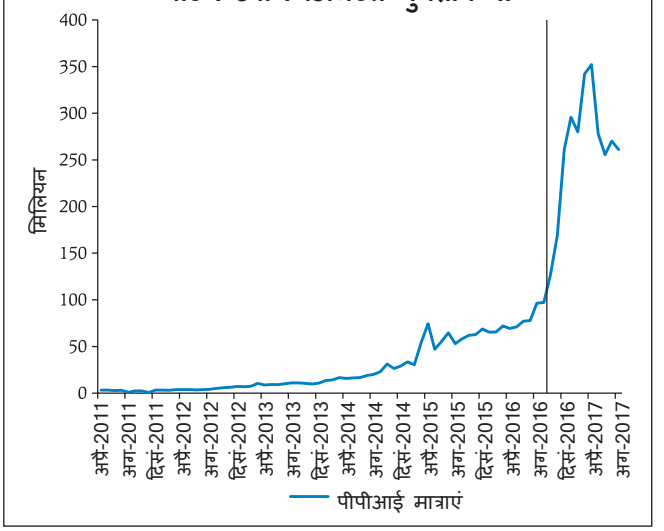

VI. विमुद्रीकरण और नकली भारतीय मुद्रा की पहचान (एफआईसीएन)

2016-17 के दौरान बैंकिंग प्रणाली में 762,072 संख्या में नकली नोटों की पहचान की गई जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 20.4 प्रतिशत अधिक है। 8 नवंबर 2016 को एसबीएन की कानूनी हैसियत वापस लेने की घोषणा के साथ ही रिज़र्व बैंक ने देश भर में नोटों की गिनती और सत्यापन के दौरान पहचाने गए एफआईसीएन की सघनता का अनुमान लगाना प्रारंभ कर दिया। इसके परिणाम दर्शाते हैं कि करेंसी चेस्ट स्तर पर पहचाने गए एफआईसीएन की दर ₹500 के नोटों के संदर्भ में 7 नोट और ₹1000 के नोटों के संदर्भ में 19 नोट प्रति मिलियन थी। 2015-16 के दौरान रिज़र्व बैंक के मुद्रा सत्यापन और संसाधन प्रणाली में पहचाने गए एफआईसीएन की दर ₹ 500 के नोटों के संदर्भ में 2 नोट और ₹1000 के नोटों के संदर्भ में 6 नोट प्रति मिलियन थी; विमुद्रीकरण के बाद की अवधि के दौरान जो बढ़कर क्रमश: 6 नोट और 12 नोट हो गई। 2015-16 की तुलना में, विमुद्रीकरण के बाद की अवधि में ₹ 500 के नोटों के संदर्भ में 12 क्लस्टरों और ₹1000 के नोटों के संदर्भ में 14 क्लस्टरों में सांख्यिकीय रूप से काफी उच्चतर दर से एफआईसीएन की पहचान की गई। इन परिणामों का अर्थ यह है कि एक वर्ष पूर्व की तुलना में विमुद्रीकरण के बाद की अवधि में रिज़र्व बैंक के स्तर पर एफआईसीएन की पहचान करने की दर में उल्लेखनीय तेजी आई।

VII. समापन

समाप्ति पर विमुद्रीकरण का एक महत्वपूर्ण प्रभाव यह रहा कि हाउसहोल्डस् द्वारा औपचारिक बचतों के प्रति रुख अख्तियार किया गया और जनता में मुद्रा की मांग में उल्लेखनीय रूप से गिरावट का रुझान दृष्टिगत हुआ। पीएमजेडीवाई के तहत खातों की संख्या में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई और इस प्रकार के खातों में जमाराशियों में भी उछाल आया। विमुद्रीकरण के दौरान और उसके बाद की अवधियों में ईक्विटी/ कर्ज उन्मुख म्यूचुअल फंडों तथा जीवन बीमा पॉलिसी में बचतों के प्रवाह में काफी तेजी आई। इसके अतिरिक्त, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के संग्रहणों और वितरणों में भी काफी सुधार महसूस किया गया। विमुद्रीकरण के चलते सीएएसए (बचत खाता-चालू खाता) में हुई जमा राशियों में वृद्धि होने से विमुद्रीकरण के बाद की अवधि के दौरान बैंक कर उधार दरों में होने वाले अंतरण में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। भावी चुनौती यह होगी कि इन निधियों को अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों में लगाया जाए और डिजिटल अर्थव्यवस्था के पदचिह्नों को और विस्तारपरक बनाया जाए- जिसमें काफी वृद्धि हुई है- और जो विमुद्रीकरण का एक अन्य महत्वपूर्ण परिणाम है।

संदर्भ :

बॉक्स, जार्ज और ज़ेनकिन्स, ग्विलियम (1970), टाइम सीरीज़ एनालेसिस : फोरकास्टिंग एंड कंट्रोल, सैन फ्रान्सिस्को : होल्डेन-डे।

दाश, मनोरंजन, सिंह भूपाल, हेरवाडकर, स्नेहल और रश्मि रंजन बेहरा (2017), फाइनेंसियलाइज़ेशन ऑफ सेविग्ज़ इनटु नॉन-बैंकिंग फाइनेंसियल इंटीमीडिअरीज़, मिंट सट्रीट मेमो सं. 02, भारतीय रिज़र्व बैंक।

भारतीय रिज़र्व बैंक (2017) वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 के लिए।

भारतीय रिज़र्व बैंक (2017) निधियों की मार्जिनल लागत आधारित उधारी दर प्रणाली के संबंध में कार्य की समीक्षा संबंधी आंतरिक अध्ययन समूह की रिपोर्ट।

सिंह, भूपाल और इंद्रजीत रॉय (2017), विमुद्रीकरण और बैंक जमा राशियों में वृद्धि, मिंट स्ट्रीट मेमो सं. 01, भारतीय रिज़र्व बैंक।

[4] सर्वेक्षण के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों के न्यायाधिकार क्षेत्रों में स्थित करेंसी चेस्टों को आबादी के चार समूहों के आधार पर वर्गीकृत किया गया नामत: ग्रामीण, अर्द्ध-शहरी, शहरी और मेट्रो। कुल 76 क्लस्टरों (19 निर्गम कार्यालय *4 आबादी समूह) में से 61 क्लस्टरों को नमूने के लिए चुना गया।

अनुबंध 1 :

1998: ति$_3$ से 2017: ति$_2$ (30 तिमाहियों की रोलिंग विंडो के साथ)

विमुद्रीकरण के बाद की विंडों के लिए रोलिंग रीग्रेशन :

$$LRcy_t = \underset{(-2.39)}{-5.64^{*}} + \underset{(1.20)}{0.34}LRcy_{t-1} + \underset{(2.37)}{0.60^{*}}LRgdp_t - \underset{(-1.33)}{0.005}Rdep_t - \underset{(-2.67)}{0.37^{*}}demon$$

दीर्घावधि आय लचीलापन = 0.91∗ (31.5)

∗: 5 प्रतिशत स्तर से कम पर उल्लेखनीय

परिणाम पिछली नमूना अवधि के रोलिंग अनुमानों से संबंधित हैं.

टिप्पणियां : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े टी-सांख्यिकी हैं.

सांकेतिक चरों को वास्तविक में बदलने के लिए सीपीआई सूचकांक का प्रयोग किया गया है।

एलआरसीआई = प्रचलन में वास्तविक मुद्रा का लॉग है।

एलआरजीडीपी= वास्तविक जीवीए का लॉग है।

आरडीईपी = 1-3 वर्षों के लिए वास्तविक जमा दर है।

डीएमओएन = प्रतिरूप चर है जो 2016:ति$_4$ और 2017:ति$_1$के लिए 1 और अन्य के लिए 0 है।

पिछले अनुमानों के लिए पारंपरिक स्तर पर लैग आधारित चर (अर्थात्, LRcy$_{t-1}$) को मामूली पाया गया, (जो विमुद्रीकरण-पश्चात अवधि में मुद्रा मांग समायोजन को निरूपित करता है) यद्यपि विमुद्रीकरण-पूर्व की अवधि के दौरान यह उल्लेखनीय था। तथापि, अनुमानित दीर्घावधि आया लचीलापन सांख्यिकीय रूप में 1 प्रतिशत स्तर पर महत्वपूर्ण है।

अनुबंध 2 : स्थिरता (स्टेशनियरी) हेतु यूनिट रूट जांच

शून्य अवधारणा: जमाराशि वृद्धि (डीईपीजीआर) एक यूनिट रूट है।

बहिर्जात : स्थिर, रैखिक रुझान

	टी-सांख्यिकी	**अनुमान∗**
संवर्द्धित डिकी-फुलर जांच सांख्यिकी	-3.39	0.06
फिलिप्स-पैरॉन जांच सांख्यिकी	-4.07	0.01

टिप्पणी: जांच के क्रांतिक मान इस प्रकार हैं: 1% स्तर पर-4.01, ∗∗ 5% स्तर पर -3.43, ∗ 10% स्तर पर-3.14.

अनुबंध 3: एआरएमए (1,1) का अनुमान मॉडल

निर्भर चर: सकल जमाराशि वृद्धि दर (डीईपीजीआर)

चर	टी-सांख्यिकी	अनुमान*
सी	16.48**	24.81
रुझान	-0.04**	-4.53
एआर (1)	0.94**	35.60
एमए (1)	-0.37**	-5.57
आर-वर्ग	0.93	
एकाइके सूचना मानदंड	2.12	
श्वाहर्ज मानदंड	2.21	

** 1% के स्तर पर महत्वपूर्ण.

अनुबंध 4: श्रखंला को-रिलेशन एलएम जांच

कोरेलोग्राम क्यू-सांख्यिकी				
लैग	**एसी**	**पीएसी**	**क्यू-सांख्यिकी**	**अनुमान**
3	0.04	0.06	3.85	0.08
10	-0.10	-0.10	6.54	0.59
कोरेलोग्राम वर्गीत अवशिष्ट				
1	0.12	0.12	2.49	0.12
10	-0.05	-0.08	10.18	0.43

टिप्पणी: सभी क्यू-सांख्यिकी अत्यधिक मामूली हैं जो यह सुझाव देती हैं कि अवशिष्ट में कोई श्रंखला कोरिलेशन नहीं है।

अनुबंध 5: हेट्रोस्केडॉटिस्टिटी जांच -एआरसीएच

शून्य अनुमान: अवशिष्ट होमोस्केडॉस्टिक हैं

एफ- सांख्यिकी	2.46	अनुमान.एफ (1,160)	0.13
ओबीएस- *आर-वर्गीत	2.44	अनुमान. सीएचआई वर्गीत (1)	0.12

अनुबंध 6: एआरएमए की स्थिरता (स्टेशनियरी) (1,1) मॉडल: एआर/एमए बहुपदीय (पॉलीनॉमिनल) के प्रतिलोम मूल (रूट्स)

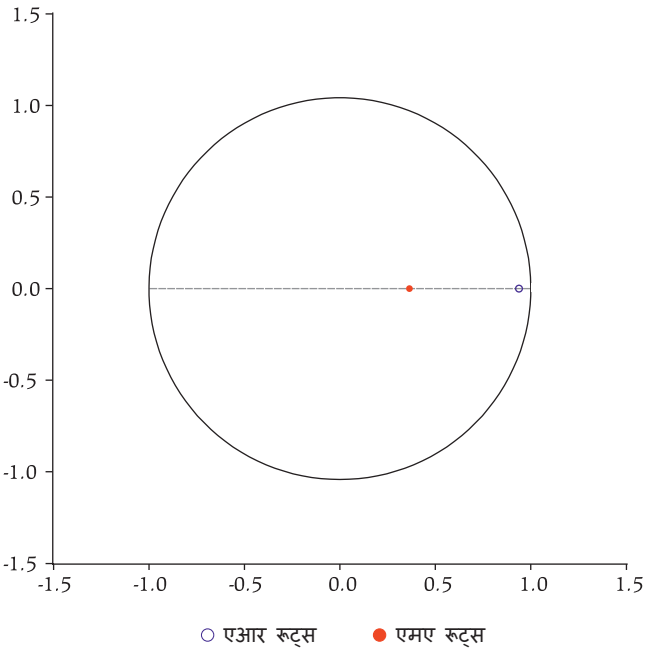

टिप्पणी: यदि एआरएमए प्रक्रिया (सहप्रसरित-कोवैरियंस) स्थिर है, तब सभी एआर मूल को यूनिट वलय के अंदर होना चाहिए।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

प्रासंगिक श्रृंखला

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	23
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	24
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	25
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय/विक्रय	26
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	27
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	27
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	28
7	मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) के स्रोत	29
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	30
9	चलनिधि समुच्चय	30
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	31
11	आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत	31
12	वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण	32
13	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश	32
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक	33
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन	34
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन	35
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	36
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2012=100)	37
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	37
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	37
21	थोक मूल्य सूचकांक	38
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	41
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	41
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	42
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	42
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	43
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	44
28	वाणिज्यिक पत्र	44
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	44
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	45

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	46
32	विदेशी मुद्रा भंडार	46
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	46
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	47
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	47
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक	48
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	48
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमरीकी डॉलर)	49
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	50
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	51
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹)	52
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	53
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	54
	प्रासंगिक श्रृंखला	
44	लघु बचत	55
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	56
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	57
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा उपयोग में लाई गई वित्तीय सहायता	58
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	59

टिप्पणियां : .. = उपलब्ध नहीं।
– = शून्य/नगण्य
प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2016-17	2015-16	2016-17		2017-18
		ति4	ति1	ति4	ति1
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.6	8.7	7.6	5.6	5.6
1.1.1 कृषि	4.9	1.5	2.5	5.2	2.3
1.1.2 उद्योग	7.0	11.9	9.0	5.5	1.5
1.1.3 सेवाएं	6.9	9.4	8.2	5.7	7.8
1.1क अंतिम खपत व्यय	10.5	8.7	9.8	10.2	8.5
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	2.4	8.3	7.4	-2.1	1.6
	2016-17	**2016**		**2017**	
		अग.	**सितं.**	**अग.**	**सितं.**
	1	1	2	3	4
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.6	4.0	5.0	4.3	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	11.3	8.9	10.8	8.9	8.6
2.1.2 ऋण	4.5	8.9	10.1	6.2	6.8
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	5.2	9.1	10.2	7.1	7.4
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	17.4	5.3	6.5	16.6	16.8
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	-12.9	15.1	14.7	-4.7	-4.0
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	10.6	10.0	13.7	7.1	5.9
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	20.50	21.00	21.00	20.00	20.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.3	4.8	4.7	5.0	4.9
3.4 ऋण-जमा अनुपात	72.9	74.4	74.3	72.6	73.0
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	41.4	-2.2	32.0	**	79.8
3.6 निवेश-जमा अनुपात	28.2	29.0	28.3	31.0	30.4
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	28.4	49.3	30.2	*	146.8
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	6.25	6.50	6.50	6.00	6.00
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	6.00	6.00	5.75	5.75
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.75	7.00	7.00	6.25	6.25
4.4 बैंक दर	6.75	7.00	7.00	6.25	6.25
4.5 आधार दर	9.25/9.60	9.30/9.70	9.30/9.65	9.00/9.55	9.00/9.55
4.6 एमसीएलआर (एक दिवसीय)	7.75/8.20	8.85/9.15	8.85/9.15	7.75/8.10	7.75/8.10
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.50/7.00	7.00/7.50	7.00/7.30	6.25/6.75	6.25/6.75
4.8 बचत जमा दर	4.00	4.00	4.00	3.50/4.00	3.50/4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.97	6.40	6.43	5.93	5.88
4.10 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	5.82	6.56	6.52	6.11	6.11
4.11 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.05	6.67	6.63	6.22	6.22
4.12 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.14	6.67	6.58	6.25	6.24
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय	7.00	7.13	6.81	6.65	6.83
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिआ					
5.1 भा.रु.-अमरीकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	64.84	67.03	66.66	64.07	65.36
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	69.25	75.74	74.75	75.58	77.06
5.3 फारवर्ड प्रीमिआ अमरीकी डालर 1-माह (%)	5.09	6.44	6.66	4.68	4.96
3-माह (%)	4.97	6.24	6.21	4.53	4.28
6-माह (%)	4.90	5.85	5.85	4.48	4.19
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.5	5.1	4.4	3.3	3.3
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.1	5.3	4.1	2.5	2.9
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	1.7	1.1	1.4	3.2	2.6
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	3.4	4.8	3.7	2.7	0.2
6.3.2 ईंधन और पावर	-0.3	-7.4	-2.9	10.0	9.0
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	1.3	0.9	1.1	2.5	2.7
7 विदेशी व्यापार (%परिवर्तन)					
7.1 आयात	0.5	-13.8	-0.6	21.4	18.1
7.2 निर्यात	5.4	0.1	4.1	10.4	25.7

टिप्पणीः * हर नकारात्मक
** हर और अंश नकारात्मक

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2 : भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(बिलियन ₹)।

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2016-17	2016	2017				
		अक्तू.	सितं. 29	अक्तू. 6	अक्तू. 13	अक्तू. 20	अक्तू. 27
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	13,101.81	17,540.22	15,632.51	15,748.78	15,928.44	16,210.11	16,091.94
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.12	0.13	0.17	0.17	0.16	0.17	0.16
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**13,101.93**	**17,540.35**	**15,632.67**	**15,748.96**	**15,928.60**	**16,210.28**	**16,092.10**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	675.08	747.74	694.14	727.46	727.46	727.46	727.46
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	12,422.35	16,781.08	14,930.00	15,013.07	15,192.94	15,474.77	15,356.67
1.2.3 रुपया सिक्का	4.50	1.07	8.53	8.44	8.21	8.05	7.97
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	–	10.46	–	–	–	–	–
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	10,389.43	6,071.57	8,890.26	8,453.80	8,147.67	8,067.97	8,149.29
2.1.1.1 केंद्र सरकार	50.00	1.00	28.91	1.00	1.01	81.53	1.01
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	–	–	946.73	946.73	946.73	946.73	946.73
2.1.1.3 राज्य सरकारें	0.42	0.43	0.42	0.42	0.42	14.54	0.42
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	5,087.73	4,184.13	4,534.06	4,517.46	4,348.05	4,670.24	4,370.59
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	55.13	36.43	35.17	36.06	35.31	37.76	34.01
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	18.92	15.31	16.78	18.20	17.97	19.66	17.54
2.1.1.7 अन्य बैंक	279.49	227.35	258.75	253.65	255.42	263.03	255.32
2.1.1.8 अन्य	4,897.74	1,606.92	3,069.43	2,680.28	2,542.76	2,034.48	2,523.65
2.1.1.9 भारत के बाहर वित्तीय संस्थान	–	–	–	–	–	–	–
2.1.2 अन्य देयताएं	8,411.18	9,167.14	9,043.04	8,934.64	8,929.31	8,926.73	8,876.17
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**18,800.61**	**15,238.71**	**17,933.30**	**17,388.44**	**17,076.98**	**16,994.70**	**17,025.46**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.12	0.13	0.17	0.17	0.16	0.17	0.16
2.2.2 विदेश में रखे शेष	10,263.49	6,281.17	9,825.65	9,603.31	9,408.44	9,153.36	9,207.53
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.2 राज्य सरकारें	12.62	18.04	16.36	33.61	45.85	10.37	2.53
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	218.10	525.12	405.30	71.30	41.99	253.15	327.40
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.6 नाबार्ड	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.7 एक्जिम बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.8 अन्य	39.91	50.67	40.86	36.83	39.18	33.53	48.34
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	–	–	–	–	–	–	–
2.2.5 निवेश	7,528.11	7,557.38	6,976.11	6,943.00	6,839.67	6,840.30	6,734.24
2.2.6 अन्य आस्तियां	738.26	806.20	668.85	700.22	701.68	703.82	705.26
2.2.6.1 सोना	613.19	679.19	630.46	660.72	660.72	660.72	660.72

*डाटा अनंतिम है।

सं. 3 : भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाज़ार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सितं. 1, 2017	23.65	446.28	8.00	528.61	–	–	–	–	–	–943.24
सितं. 4, 2017	20.45	106.79	–	336.18	–	–	–	–	–	–422.52
सितं. 5, 2017	16.35	43.18	6.75	257.70	0.25	–	–	–	–	–277.53
सितं. 6, 2017	17.90	81.78	–	296.60	–	–	–	–	–	–360.48
सितं. 7, 2017	20.55	82.58	–	357.63	0.20	–2.31	–	–	–	–421.77
सितं. 8, 2017	19.65	161.58	6.65	304.08	–	1.56	–	–	–	–437.80
सितं. 11, 2017	24.50	86.22	–	175.65	–	–1.49	–	–	–	–238.86
सितं. 12, 2017	21.30	166.85	4.00	312.99	–	–	–	–	–	–454.54
सितं. 13, 2017	21.35	70.68	–	262.76	–	–	–	–	–	–312.09
सितं. 14, 2017	20.05	178.32	–	362.67	0.62	1.69	–	–	–	–518.63
सितं. 15, 2017	102.14	112.46	31.50	86.75	39.15	1.07	–	100.00	–	–125.35
सितं. 16, 2017	139.20	18.89	–	–	306.70	–	–	–	–	427.01
सितं. 18, 2017	183.97	44.60	–	–	3.50	–	–	–	–	142.87
सितं. 19, 2017	68.97	20.62	65.75	98.70	–	–	–	–	–	15.40
सितं. 20, 2017	24.75	25.46	–	317.59	–	–	–	–	–	–318.30
सितं. 21, 2017	30.07	62.15	–	302.00	0.52	–1.10	–	–	–	–334.66
सितं. 22, 2017	89.27	201.78	67.65	170.54	–	–	–	–	–	–215.40
सितं. 25, 2017	21.63	183.31	–	125.79	0.65	–	–	–	–	–286.82
सितं. 26, 2017	20.85	208.70	19.00	280.04	–	1.10	–	–	–	–447.79
सितं. 27, 2017	21.05	240.91	–	270.04	–	–	–	–	–	–489.90
सितं. 28, 2017	20.55	356.77	–	387.27	28.85	–	–	–	–	–694.64
सितं. 29, 2017	41.00	687.08	38.65	382.77	194.75	0.71	–	100.00	–	–894.74

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय-विक्रय

i) ओटीसी सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2016-17	2016	2017	
		सितं.	अग.	सितं.
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	12,351.00	4,649.00	3,226.00	1,259.00
1.1 क्रय (+)	71,764.00	9,041.00	4,556.00	3,788.00
1.2 विक्रय (-)	59,413.00	4,392.00	1,330.00	2,529.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	822.16	308.82	207.52	81.08
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमरीकी डालर)	12,351.00	10,710.00	15,042.00	16,301.00
(बिलियन ₹)	822.17	717.40	985.32	1,066.40
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	10,835.00	4,890.00	32,823.00	31,131.00

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2016-17	2016	2017	
		सितं.	अग.	सितं.
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	–220.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	10,456.00	150.00	0.00	780.00
1.2 विक्रय (-)	10,456.00	370.00	0.00	780.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	0.00	–220.00	0.00	–1,400.00

सं. 4ए भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	30 सितंबर 2017 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	1,497	1,018	479
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	5,153	1,711	3,442
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	28,696	505	28,191
4. 1 वर्ष से अधिक	907	1,888	-981
कुल (1+2+3+4)	**36,253**	**5,122**	**31,131**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2016-17	2016	2017					
		अक्टू. 28	मई 26	जून 23	जुला. 21	अग. 18	सितं. 29	अक्टू. 27
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	19.3	0.7	0.4	2.5	6.8	3.5	194.8	–
2 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	14.8	16.8	17.8	16.7	15.4	18.1	19.3	19.4
4 अन्य								
4.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	34.1	17.5	18.2	19.2	22.1	21.5	214.1	19.4

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2016-17	2016	2017		
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 15	सितं. 29
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	12,637.1	16,564.8	14,892.0	15,043.5	14,964.2
1.1 संचलन में नोट	13,101.8	17,046.1	15,457.6	15,580.9	15,632.5
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	243.4	225.3	246.3	246.8	247.4
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	715.6	714.0	819.4	791.6	923.2
2 जनता की जमाराशियां	14,317.2	11,720.7	12,472.7	12,569.5	13,849.1
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	14,106.3	11,534.7	12,267.9	12,383.8	13,592.2
2.2 रिज़र्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	186.0	204.8	185.7	256.9
3 एम$_1$ (1 + 2)	**26,954.3**	**28,285.5**	**27,364.7**	**27,612.9**	**28,813.2**
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	920.6	714.2	968.8	968.8	968.8
5 एम$_2$ (3 + 4)	**27,875.0**	**28,999.7**	**28,333.5**	**28,581.8**	**29,782.1**
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	101,489.5	96,614.4	101,900.0	102,135.7	103,507.1
7 एम$_3$ (3 + 6)	**128,443.9**	**124,899.9**	**129,264.7**	**129,748.7**	**132,320.3**
8 कुल डाकघर जमाराशियां	2,562.1	2,256.7	2,717.2	2,717.2	2,717.2
9 एम$_4$ (7 + 8)	**131,005.9**	**127,156.6**	**131,981.9**	**132,465.9**	**135,037.5**

सं. 7: मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 15	सितं. 29
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	**38,690.9**	**37,519.5**	**41,674.2**	**41,028.9**	**40,882.9**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	6,208.1	6,996.5	6,448.3	5,594.5	5,428.9
1.1.1 सरकार पर दावे	7,512.0	7,466.6	7,396.5	7,054.7	6,967.3
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	7,499.4	7,434.5	7,352.8	7,050.5	6,950.9
1.1.1.2 राज्य सरकारें	12.6	32.1	43.7	4.1	16.4
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,303.9	470.1	948.2	1,460.2	1,538.4
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,303.5	469.6	947.7	1,459.8	1,538.0
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	32,482.8	30,523.0	35,225.9	35,434.4	35,454.0
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**84,514.3**	**80,608.0**	**82,741.0**	**83,489.5**	**85,761.0**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	72.9	66.9	75.3	75.7	74.4
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	84,441.4	80,541.1	82,665.7	83,413.8	85,686.6
2.2.1 वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक ऋण	78,815.3	74,981.5	77,055.5	77,814.3	80,076.9
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,548.9	5,512.9	5,526.8	5,515.2	5,529.7
2.2.3 वाणिज्य और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	77.2	46.7	83.4	84.3	80.0
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**25,582.3**	**26,586.4**	**26,342.7**	**26,913.3**	**27,212.8**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	23,972.1	24,709.2	25,208.2	25,778.8	26,078.3
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	23,974.1	24,711.2	25,210.1	25,780.7	26,080.3
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.0	2.0	1.9	1.9	1.9
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,610.2	1,877.3	1,134.5	1,134.5	1,134.5
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**250.9**	**232.7**	**253.8**	**254.2**	**254.8**
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**20,594.6**	**20,046.7**	**21,746.9**	**21,937.1**	**21,791.2**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	8,333.5	9,286.9	8,423.5	8,714.7	9,055.4
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	12,261.1	10,759.8	13,323.4	13,222.5	12,735.8
$एम_3$ (1+2+3+4-5)	**128,443.9**	**124,899.9**	**129,264.7**	**129,748.7**	**132,320.3**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 15	सितं. 29
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	26,954.4	28,285.5	27,364.7	27,612.9	28,813.2
एन एम2 (एन एम1 + 1.2.2.1)	72,005.3	70,432.1	72,623.0	72,974.8	74,784.5
एन एम3 (एन एम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4- 2.5)	130,222.1	124,893.1	130,910.0	131,349.0	134,055.6
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	12637.1	16,564.8	14,892.0	15,043.5	14,964.2
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	114,219.5	105,193.8	112,842.0	113,187.8	115,750.6
1.2.1 मांग जमाराशियां	14,106.3	11,534.7	12,267.9	12,383.8	13,592.2
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	100,113.2	93,659.1	100,574.1	100,804.0	102,158.4
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	45,050.9	42,146.6	45,258.3	45,361.8	45,971.3
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,570.6	1,864.1	1,162.1	1,156.7	1,157.0
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	55,062.2	51,512.5	55,315.8	55,442.2	56,187.1
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	186.0	204.8	185.7	256.9
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग /सावधि निधीयन	3,154.5	2,948.5	2,971.2	2,932.0	3,084.0
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	129,709.2	124,010.4	131,322.1	131,612.2	133,115.0
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	38,691.0	37,519.5	41,674.2	41,028.9	40,882.9
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	6,208.1	6,996.5	6,448.3	5,594.5	5,428.9
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	32,482.9	30,523.0	35,225.9	35,434.4	35,454.0
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	91,018.3	86,490.9	89,647.9	90,583.4	92,232.1
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	72.9	66.9	75.3	75.7	74.4
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	90,945.4	86,424.0	89,572.5	90,507.7	92,157.8
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	6,462.5	5,806.9	6,837.7	7,013.9	6,423.6
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	232.7	253.8	254.2	254.8
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,819.8	23,370.7	24,734.8	25,123.6	25,594.4
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,709.2	25,208.2	25,778.8	26,078.3
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	–152.3	–1,338.5	–473.4	–655.2	–483.9
2.4 पूंजी खाता	18,195.5	18,925.0	19,245.5	19,549.1	19,907.6
2.5 अन्य मदें (निवल)	5,362.3	3,795.7	6,155.1	6,092.0	5,001.0

सं. 9: चलनिधि समुच्चय

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2016-17	2016	2017		
		सितं.	जुला.	अग.	सितं.
	1	2	3	4	5
1 एन एम$_3$	**130,222.1**	**124,893.1**	**129,387.2**	**130,910.0**	**134,055.6**
2 डाकघर जमाराशियां	2,562.1	2,256.7	2,683.0	2,717.2	2,717.2
3 एल$_1$ (1 + 2)	**132,784.1**	**127,149.8**	**132,070.2**	**133,627.2**	**136,772.8**
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
5 एल$_2$ (3 + 4)	**132,813.4**	**127,179.1**	**132,099.5**	**133,656.5**	**136,802.1**
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	451.5	433.5	..	..	451.5
7 एल$_3$ (5 + 6)	**133,264.9**	**127,612.6**	..	..	**137,253.6**

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 15	सितं. 29
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	13,352.7	17,278.8	15,711.4	15,835.1	15,887.3
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,441.3	4,398.6	4,719.9	4,932.3	4,844.8
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	5,087.7	4,124.1	4,409.8	4,626.2	4,534.1
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	186.0	204.8	185.7	256.9
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	19,004.8	21,863.4	20,636.2	20,953.2	20,988.9
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	3,115.3	6,208.4	3,597.7	3,634.8	3,711.2
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण	6,208.1	6,996.5	6,448.3	5,594.5	5,428.9
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+ 2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	6,195.9	6,964.8	6,405.1	5,590.8	5,413.0
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	–	–	96.0	–	–
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	–	–	–	–	–
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	7,494.9	7,433.0	7,251.6	7,045.7	6,942.4
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	7,494.9	7,422.5	7,251.6	7,045.7	6,942.4
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	4.5	1.5	5.2	4.8	8.5
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,303.5	469.6	947.7	1,459.8	1,538.0
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	12.2	31.7	43.2	3.7	15.9
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	-3,165.7	-855.0	-2,925.9	-2,035.3	-1,792.1
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ऋण और अग्रिम	-3,165.7	-855.0	-2,925.9	-2,035.3	-1,792.1
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	72.9	66.9	75.3	75.7	74.4
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	14.8	16.7	18.1	18.6	19.3
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	–	–	–	–	–
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	232.7	253.8	254.2	254.8
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,709.2	25,208.2	25,778.8	26,078.3
2.3.1 सोना	1,288.3	1,438.8	1,277.9	1,324.6	1,324.6
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	22,684.0	23,270.5	23,930.4	24,454.4	24,753.9
2.4 पूंजी खाता	7,512.8	8,573.6	7,800.1	8,053.7	8,413.6
2.5 अन्य मदें (निवल)	820.6	713.3	623.4	661.0	641.8

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
	2016-17	2016	2017				
		सितं. 30	अग. 25	सितं. 8	सितं. 15	सितं. 22	सितं. 29
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	19,004.8	21,863.4	20,686.4	20,635.0	20,953.2	20,762.2	20,988.9
1 घटक							
1.1 संचलन में मुद्रा	13,352.7	17,278.8	15,654.7	15,810.9	15,835.1	15,809.2	15,887.3
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,441.3	4,398.6	4,848.7	4,638.4	4,932.3	4,759.5	4,844.8
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	186.0	183.0	185.7	185.7	193.5	256.9
2 स्रोत							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	6,208.1	6,996.5	5,716.3	6,157.9	5,594.5	4,946.1	5,428.9
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-3,165.7	-855.0	-2,174.2	-2,836.1	-2,035.3	-1,575.6	-1,792.1
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	72.9	66.9	77.3	70.3	75.7	73.1	74.4
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,709.2	25,267.7	25,584.2	25,778.8	26,096.6	26,078.3
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	232.7	254.2	254.2	254.2	254.2	254.8
2.6 भा.रि.बैं. की निवल ग़ैर मौद्रिक देयताएं	8,333.5	9,286.9	8,454.9	8,595.5	8,714.7	9,032.2	9,055.4

सं. 12: वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार/ माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 15	सितं. 29
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	106,728.9	98,044.0	105,401.0	105,741.4	108,309.9
1.1.1 मांग जमाराशियां	12,953.3	10,465.8	11,129.3	11,249.0	12,457.8
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	93,775.6	87,578.2	94,271.7	94,492.5	95,852.1
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	42,199.0	39,410.2	42,422.3	42,521.6	43,133.4
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,570.6	1,864.1	1,162.1	1,156.7	1,157.0
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	51,576.6	48,168.0	51,849.4	51,970.9	52,718.6
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,154.5	2,948.5	2,971.2	2,932.0	3,084.0
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	115,665.6	109,358.8	117,006.3	118,169.3	119,827.5
2.1.1 सरकार को ऋण	30,422.4	28,567.1	33,113.7	33,331.1	33,354.9
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	85,243.2	80,791.7	83,892.6	84,838.2	86,472.6
2.1.2.1 बैंक ऋण	78,815.3	74,981.5	77,055.5	77,814.3	80,076.9
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	78,279.6	74,126.8	76,512.1	77,280.5	79,613.2
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	44.2	78.6	71.7	82.7	50.2
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	10.9	14.3	17.2	17.0	11.5
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	6,372.9	5,717.3	6,748.1	6,924.2	6,334.0
2.2 वाणिज्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	–152.3	–1,338.5	–473.4	–655.2	–483.9
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,983.5	2,571.3	1,591.1	1,435.1	1,726.6
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,376.3	2,955.4	1,325.9	1,331.7	1,348.7
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	759.5	954.4	738.6	758.6	861.9
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	8,871.2	5,599.0	8,053.5	7,352.9	7,150.6
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,087.7	4,124.1	4,409.8	4,626.2	4,534.1
2.3.2 उपलब्ध नकदी	617.7	620.0	717.8	691.5	824.4
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	–3,165.7	–855.0	–2,925.9	–2,035.3	–1,792.1
2.4 पूंजी खाता	10,441.0	10,109.7	11,203.7	11,253.7	11,252.3
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	4,060.1	2,517.1	5,010.6	4,939.9	3,848.0
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	3,995.0	3,626.3	4,268.4	4,848.0	4,024.3
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	–108.8	–307.8	–464.0	–440.5	–450.1

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31, 2017 की स्थिति	2016	2017		
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 15	सितं. 29
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	30,309.6	28,568.3	33,028.6	33,348.1	33,366.5
2 वाणिज्यिक पत्र	1,159.6	1,015.1	1,084.1	1,143.8	1,038.6
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	91.9	78.4	107.4	118.3	110.7
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	567.3	470.6	670.2	675.3	677.8
3.3 अन्य	51.8	43.6	41.8	42.1	42.8
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,118.5	1,246.4	1,097.3	1,052.7	1,054.9
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	1,680.0	1,562.4	1,655.7	1,775.6	1,816.3
4.3 अन्य	810.9	681.9	684.2	652.7	635.4
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	134.0	171.3	786.4	751.3	178.9
5.2 वित्तीय संस्थाएं	844.3	628.6	731.8	712.5	778.6

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक			
	2016-17	2016	2017		2016-17	2016	2017	
		सितं.	अग.	सितं.		सितं.	अग.	सितं.
	1	2	3	4	5	6	7	8
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	221	219	220	220	150	148	146	146
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**2,397.7**	**2,307.3**	**2,039.9**	**2,213.8**	**2,330.7**	**2,237.3**	**1,983.9**	**2,160.5**
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,765.5	1,653.4	1,523.8	1,575.7	1,698.6	1,585.9	1,470.5	1,524.0
1.2 बैंकों से उधार राशि	573.6	568.5	459.1	543.2	573.5	565.9	458.7	542.7
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	58.6	85.4	57.1	95.0	58.6	85.4	54.7	93.8
2 अन्य के प्रति देयताएं	**118,405.4**	**111,273.7**	**117,867.1**	**120,672.0**	**115,376.9**	**108,466.5**	**114,814.8**	**117,628.8**
2.1 कुल जमाराशियां	110,485.7	103,623.8	108,864.8	112,568.3	107,576.6	100,936.5	105,937.1	109,658.7
2.1.1 मांग	13,104.8	10,661.8	11,248.4	12,734.1	12,814.4	10,427.8	10,964.0	12,457.8
2.1.2 मीयादी	97,381.0	92,962.1	97,616.4	99,834.1	94,762.2	90,508.6	94,973.1	97,200.8
2.2 उधार	3,192.8	2,968.6	3,510.3	3,119.9	3,163.2	2,948.5	3,474.4	3,084.0
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	4,726.9	4,681.3	5,492.0	4,983.9	4,637.1	4,581.5	5,403.3	4,886.2
3 रिज़र्व बैंक से उधार	**218.1**	**343.7**	**32.7**	**405.3**	**218.1**	**343.7**	**32.7**	**405.3**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अन्य	218.1	343.7	32.7	405.3	218.1	343.7	32.7	405.3
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,869.3	4,871.6	5,433.2	5,496.7	5,701.3	4,743.6	5,287.8	5,358.5
4.1 उपलब्ध नकदी	630.5	633.5	772.7	843.1	613.60	619.5	752.4	824.4
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,238.8	4,238.1	4,660.5	4,653.6	5,087.7	4,124.1	4,535.5	4,534.1
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**2,934.5**	**3,046.0**	**2,851.2**	**3,088.1**	**2,437.3**	**2,606.8**	**2,411.8**	**2,660.7**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	1,898.0	1,871.4	1,928.7	2,160.2	1,700.1	1,686.3	1,739.1	1,962.7
5.1.1 चालू खाते में	197.3	192.5	129.6	174.5	160.6	164.3	109.6	148.0
5.1.2 अन्य खातों में	1,700.7	1,678.8	1,799.1	1,985.7	1,539.5	1,522.0	1,629.6	1,814.8
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	296.9	484.0	329.8	392.0	77.0	297.7	155.9	242.0
5.3 बैंकों को अग्रिम	380.4	309.0	290.7	265.1	379.5	305.6	289.8	257.9
5.4 अन्य आस्तियां	359.1	381.6	301.9	270.9	280.7	317.1	226.9	198.1
6 निवेश	**31,161.1**	**29,344.7**	**33,864.9**	**34,327.7**	**30,309.6**	**28,568.3**	**32,904.4**	**33,366.5**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	31,144.8	29,325.6	33,799.5	34,267.0	30,297.5	28,554.0	32,886.0	33,354.9
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	16.4	19.1	65.4	60.6	12.2	14.3	18.4	11.5
7 बैंक ऋण	**80,817.8**	**77,215.4**	**79,339.0**	**82,530.9**	**78,414.7**	**74,948.7**	**76,911.9**	**80,076.9**
7क खाद्यान्न ऋण	652.4	1,017.3	670.9	655.2	539.3	854.6	479.4	463.7
7.1 ऋण नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	78,490.1	75,079.8	77,283.5	80,294.4	76,148.5	72,868.9	74,917.0	77,897.3
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	263.5	242.3	196.2	212.3	246.0	224.9	183.4	200.5
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,402.8	1,262.4	1,285.8	1,364.1	1,365.9	1,229.7	1,243.6	1,325.0
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	248.6	236.0	213.0	251.8	246.4	235.2	211.6	250.5
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	412.7	394.8	360.4	408.3	407.9	390.0	356.2	403.6

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 31, 2017	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 29	2017-18	2017
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	**71,347**	**69,167**	**69,599**	**72,068**	**1.0**	**4.2**
1.1 खाद्यान्न ऋण	**400**	**1,611**	**482**	**398**	**–0.7**	**-75.3**
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	**70,947**	**67,556**	**69,117**	**71,671**	**1.0**	**6.1**
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**9,924**	**9,427**	**9,777**	**9,971**	**0.5**	**5.8**
1.2.2 उद्योग	**26,800**	**26,522**	**26,112**	**26,404**	**–1.5**	**-0.4**
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,697	3,630	3,571	3,690	–0.2	1.7
1.2.2.2 मझौले	1,048	1,107	989	1,019	–2.8	-8.0
1.2.2.3 बड़े	22,055	21,784	21,552	21,696	–1.6	-0.4
1.2.3 सेवाएं	**18,022**	**16,590**	**16,375**	**17,749**	**–1.5**	**7.0**
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,104	1,049	1,103	1,126	1.9	7.3
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	179	183	176	181	1.3	-0.9
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	375	385	363	370	–1.4	-3.9
1.2.3.4 नौवहन	84	98	71	75	–10.1	-23.2
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,377	1,206	1,284	1,305	–5.2	8.2
1.2.3.6 व्यापार	4,279	4,050	4,096	4,346	1.6	7.3
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	1,932	1,809	1,754	1,875	–3.0	3.6
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,347	2,240	2,342	2,471	5.3	10.3
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,856	1,810	1,761	1,863	0.4	2.9
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	3,910	3,701	3,405	3,862	–1.2	4.4
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	4,859	4,108	4,115	4,619	–4.9	12.5
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	**16,200**	**15,017**	**16,854**	**17,547**	**8.3**	**16.8**
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	208	195	172	178	–14.2	-8.6
1.2.4.2 आवास	8,601	8,058	8,906	9,086	5.6	12.8
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	661	664	600	653	–1.2	-1.6
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	48	59	53	57	20.0	-3.6
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	521	432	571	599	15.0	38.7
1.2.4.6 शिक्षा	701	712	706	720	2.7	1.1
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,705	1,635	1,735	1,786	4.7	9.2
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	3,755	3,262	4,111	4,468	19.0	37.0
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	**24,357**	**23,389**	**23,642**	**24,266**	**–0.4**	**3.7**
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	9,909	9,385	9,753	9,950	0.4	6.0
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	9,020	8,744	8,741	9,079	0.7	3.8
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,697	3,630	3,571	3,690	–0.2	1.7
1.2अ.2.2 सेवाएं	5,322	5,114	5,170	5,389	1.3	5.4
1.2अ.3 आवास	3,683	3,585	3,625	3,688	0.1	2.9
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	189	182	150	164	–13.0	-9.6
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	604	620	593	600	–0.8	-3.3
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	6	6	3	3	–57.1	-56.3
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	5,546	4,938	5,312	5,422	–2.2	9.8
1.2अ.8 निर्यात ऋण	425	492	415	458	7.7	-7.0

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 31, 2017	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		सितं. 30	अग. 18	सितं. 29	2017-18	2017
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	**26,800**	**26,522**	**26,112**	**26,404**	**–1.5**	**–0.4**
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	**345**	**342**	**318**	**329**	**–4.7**	**–3.8**
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	**1,455**	**1,377**	**1,402**	**1,385**	**–4.9**	**0.6**
1.2.1 चीनी	327	317	280	280	–14.2	–11.5
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	184	168	183	179	–2.6	6.2
1.2.3 चाय	35	40	42	42	18.6	5.1
1.2.4 अन्य	909	852	896	883	–2.9	3.7
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	**173**	**171**	**168**	**163**	**–5.3**	**–4.5**
1.4 वस्त्र	**1,963**	**1,946**	**1,932**	**1,954**	**–0.4**	**0.4**
1.4.1 सूती वस्त्र	964	927	968	971	0.8	4.8
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	23	22	27	27	16.5	23.1
1.4.3 मानव-निर्मित वस्त्र	204	200	222	225	10.6	12.7
1.4.4 अन्य वस्त्र	773	796	715	730	–5.4	–8.3
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	**107**	**107**	**107**	**111**	**3.4**	**3.3**
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	**105**	**104**	**102**	**106**	**0.8**	**2.0**
1.7 काग़ज़ और काग़ज़ से बने उत्पाद	**326**	**352**	**310**	**312**	**–4.5**	**–11.4**
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	**596**	**499**	**486**	**472**	**–20.9**	**–5.5**
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	**1,724**	**1,541**	**1,554**	**1,575**	**–8.6**	**2.2**
1.9.1 उर्वरक	335	250	241	246	–26.3	–1.4
1.9.2 औषधि और दवाइयां	464	498	452	477	3.0	–4.2
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	507	375	437	432	–14.8	15.1
1.9.4 अन्य	419	417	424	419	0.1	0.5
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**392**	**378**	**387**	**406**	**3.7**	**7.6**
1.11 कांच और कांच के सामान	**79**	**87**	**79**	**78**	**–1.3**	**–10.0**
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	**542**	**559**	**543**	**578**	**6.5**	**3.3**
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**4,211**	**4,163**	**4,166**	**4,169**	**–1.0**	**0.1**
1.13.1 लोहा और स्टील	3,192	3,113	3,246	3,225	1.0	3.6
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	1,018	1,050	920	944	–7.3	–10.1
1.14 सभी अभियांत्रिकी	**1,496**	**1,534**	**1,460**	**1,508**	**0.8**	**–1.7**
1.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	336	356	314	349	3.9	–1.9
1.14.2 अन्य	1,160	1,178	1,146	1,159	–0.1	–1.7
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	**736**	**731**	**707**	**712**	**–3.3**	**–2.6**
1.16 रत्न और आभूषण	**690**	**696**	**709**	**724**	**4.9**	**4.0**
1.17 निर्माण	**822**	**788**	**811**	**834**	**1.4**	**5.7**
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**9,064**	**9,039**	**8,859**	**8,949**	**–1.3**	**–1.0**
1.18.1 पावर	5,254	5,300	5,217	5,262	0.2	–0.7
1.18.2 दूरसंचार	851	770	820	871	2.4	13.2
1.18.3 सड़क	1,800	1,837	1,713	1,717	–4.6	–6.5
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,160	1,133	1,109	1,099	–5.2	–2.9
1.19 अन्य उद्योग	**1,973**	**2,109**	**2,012**	**2,040**	**3.4**	**–3.3**

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति					
	2016-17	2016	2017			
		जुला. 29	मई 26	जून 09	जून 23	जून 30
	1	2	3	4	5	6
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	31	32	31	29	29	29
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	**508.7**	**438.5**	**517.4**	**515.8**	**514.4**	**506.3**
2 मांग और मीयादी देयताएं						
2.1 मांग देयताएं	**181.4**	**162.1**	**166.9**	**151.9**	**145.2**	**155.0**
2.1.1 जमाराशियां						
2.1.1.1 अंतर-बैंक	45.0	41.7	37.1	32.8	30.8	30.9
2.1.1.2 अन्य	104.4	83.6	94.8	92.0	87.1	94.4
2.1.2 बैंकों से उधार	2.0	8.6	0.5	0.0	0.0	0.0
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	30.0	28.2	34.5	27.1	27.3	29.7
2.2 मीयादी देयताएं	**930.5**	**839.5**	**915.0**	**901.3**	**895.7**	**872.1**
2.2.1 जमाराशियां						
2.2.1.1 अंतर-बैंक	512.6	478.2	485.2	470.6	461.8	453.6
2.2.1.2 अन्य	404.3	354.8	422.6	423.9	427.3	412.0
2.2.2 बैंकों से उधार	4.4	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	9.2	6.4	7.2	6.8	6.6	6.5
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.0	0.4	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	517.2	390.2	475.0	469.9	466.6	462.5
4.1 मांग	180.4	105.4	172.0	171.6	173.1	178.8
4.2 मीयादी	336.8	284.8	302.9	298.3	293.5	283.7
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	**66.5**	**43.4**	**47.9**	**48.3**	**46.7**	**46.4**
5.1 उपलब्ध नकदी	3.7	2.7	3.0	2.8	2.7	3.0
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	62.9	40.8	44.9	45.4	43.9	43.4
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	**16.8**	**6.3**	**7.2**	**8.0**	**8.8**	**7.1**
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	**327.1**	**281.3**	**323.7**	**314.6**	**313.5**	**312.6**
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	**254.1**	**204.9**	**235.9**	**236.1**	**223.6**	**223.8**
9 बैंक ऋण (10.1+11)	**458.7**	**449.2**	**482.9**	**492.3**	**476.2**	**482.5**
10 अग्रिम						
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	**458.6**	**449.1**	**482.9**	**492.3**	**476.2**	**482.5**
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	777.0	691.3	734.9	715.8	733.1	732.2
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.1	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2016-17			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	सितं. 16	अग. 17	सितं. 17	सितं. 16	अग. 17	सितं. 17	सितं. 16	अग. 17	सितं. 17
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	**135.3**	**134.9**	**135.2**	**137.2**	**140.6**	**139.6**	**135.7**	**140.5**	**138.0**	**136.6**	**140.6**	**139.0**
1.1 अनाज और उत्पाद	130.8	128.9	130.2	130.8	134.8	135.2	128.1	133.2	133.6	129.9	134.3	134.7
1.2 मांस और मछली	137.9	140.1	138.7	138.2	143.1	142.0	137.7	143.9	143.0	138.0	143.4	142.4
1.3 अंडा	128.9	130.7	129.6	130.5	130.0	130.6	130.6	128.3	129.7	130.5	129.3	130.3
1.4 दूध और उत्पाद	135.2	132.4	134.1	135.5	139.4	140.2	132.6	138.3	138.7	134.4	139.0	139.6
1.5 तेल और चर्बी	120.3	112.0	117.3	120.2	120.5	120.7	111.9	114.1	114.5	117.2	118.1	118.4
1.6 फल	138.1	132.8	135.6	139.2	148.0	148.0	132.5	142.7	137.5	136.1	145.5	143.1
1.7 सब्जी	139.2	144.8	141.1	149.5	162.9	154.5	152.9	179.8	160.7	150.7	168.6	156.6
1.8 दाल और उत्पाद	165.6	170.3	167.2	170.4	137.4	137.1	173.6	123.5	124.5	171.5	132.7	132.9
1.9 चीनी और उत्पाद	112.1	114.9	113.0	113.1	120.8	121.0	115.1	122.1	122.4	113.8	121.2	121.5
1.10 मसाले	135.1	143.8	138.0	135.8	134.7	134.7	144.8	137.5	137.3	138.8	135.6	135.6
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	128.1	122.4	125.7	128.8	131.6	131.6	122.1	124.6	124.8	126.0	128.7	128.8
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	141.7	139.2	140.5	141.5	148.7	149.2	138.8	144.5	145.0	140.2	146.8	147.3
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	**140.1**	**144.2**	**141.2**	**139.9**	**149.0**	**149.8**	**143.9**	**152.1**	**153.6**	**141.0**	**149.8**	**150.8**
3 कपड़ा और जूते	**137.9**	**127.8**	**133.9**	**137.8**	**144.5**	**145.2**	**127.7**	**131.4**	**132.0**	**133.8**	**139.3**	**140.0**
3.1 कपड़ा	138.6	128.9	134.8	138.5	145.3	146.1	128.7	132.7	133.3	134.6	140.3	141.1
3.2 जूते	133.7	121.7	128.7	133.5	139.2	139.7	121.6	124.3	124.6	128.6	133.0	133.4
4 आवास	--	**128.0**	**128.0**	--	--	--	**127.9**	**134.4**	**135.7**	**127.9**	**134.4**	**135.7**
5 ईंधन और लाइट	**130.1**	**116.4**	**124.9**	**129.7**	**136.4**	**137.4**	**114.8**	**118.9**	**120.6**	**124.1**	**129.8**	**131.0**
6 विविध	**125.0**	**120.6**	**122.9**	**124.9**	**129.7**	**130.3**	**120.5**	**123.8**	**124.5**	**122.8**	**126.8**	**127.5**
6.1 घरेलू सामान और सेवा	131.3	124.3	128.0	131.1	137.3	137.9	124.3	127.7	128.1	127.9	132.8	133.3
6.2 स्वास्थ्य	128.1	121.6	125.6	127.8	133.0	133.4	121.4	125.7	126.1	125.4	130.2	130.6
6.3 परिवहन और संचार	117.4	112.8	114.9	117.0	120.3	121.1	111.8	114.6	115.7	114.3	117.3	118.3
6.4 मनोरंजन	125.9	121.0	123.2	125.7	131.5	132.3	120.8	124.1	124.5	122.9	127.3	127.9
6.5 शिक्षा	132.3	131.1	131.6	132.2	140.2	139.6	131.6	135.7	135.9	131.8	137.6	137.4
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	121.7	120.3	121.1	122.8	125.4	126.7	121.2	123.3	124.4	122.1	124.5	125.7
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	**132.4**	**127.9**	**130.3**	**133.4**	**137.8**	**137.6**	**128.0**	**132.7**	**132.4**	**130.9**	**135.4**	**135.2**

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2016-17	2016	2017	
				सितं.	अग.	सितं.
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	276	277	285	285
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	870	873	894	893
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	–	875	877	900	899

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2016-17	2016	2017	
		सितं.	अग.	सितं.
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,665	31,178	28,893	29,899
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	42,748	46,234	38,637	40,120

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए भारत बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि., मुंबई। ।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			सितं.	जुला.	अग. (अ)	सितं. (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	**100.000**	**111.6**	**111.4**	**113.9**	**114.8**	**114.3**
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	**22.618**	**128.9**	**130.6**	**132.6**	**134.9**	**130.8**
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	**15.256**	**140.3**	**141.9**	**147.9**	**150.8**	**144.8**
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+ दाल)	3.462	152.0	153.0	143.2	142.5	144.0
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	138.7	148.7	176.8	191.5	162.9
1.1.1.3 दूध	4.440	134.3	134.6	139.2	139.7	140.1
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	133.0	127.9	138.1	134.8	134.9
1.1.1.5 मसाले	0.529	140.5	144.6	119.6	122.9	124.0
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	150.5	144.7	140.0	140.4	139.5
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	**4.119**	**122.2**	**123.0**	**118.8**	**120.6**	**120.3**
1.1.2.1 फाइबर	0.839	117.1	119.3	119.6	118.3	117.5
1.1.2.2 तिलहन	1.115	136.0	139.7	125.7	127.1	128.0
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	114.9	113.5	114.0	114.3	115.0
1.1.2.4 फूल	0.204	137.4	138.5	124.3	155.2	140.4
1.1.3 खनिज	**0.833**	**113.1**	**128.6**	**119.5**	**118.2**	**119.5**
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	98.4	119.1	105.1	103.3	105.1
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	164.4	161.9	169.9	170.2	169.9
1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	**2.410**	**73.1**	**72.7**	**64.5**	**64.3**	**64.3**
1.2 ईंधन और बिजली	**13.152**	**86.3**	**83.2**	**88.4**	**89.2**	**90.7**
1.2.1 कोल	**2.138**	**109.0**	**107.0**	**117.5**	**117.5**	**117.5**
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	108.2	101.4	135.5	135.5	135.5
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	110.5	110.7	110.7	110.7	110.7
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	90.2	88.8	95.0	95.0	95.0
1.2.2 खनिज तेल	**7.950**	**73.3**	**68.9**	**75.3**	**76.6**	**79.1**
1.2.3 बिजली	**3.064**	**104.2**	**103.8**	**102.0**	**102.0**	**102.0**
1.3 विनिर्मित उत्पाद	**64.231**	**110.7**	**110.4**	**112.6**	**112.9**	**113.4**
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	**9.122**	**125.4**	**125.9**	**126.8**	**127.3**	**128.2**
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	137.1	135.2	134.1	134.8	131.8
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस,मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	127.7	126.2	123.5	120.7	125.9
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	120.2	120.6	119.5	119.4	118.2
1.3.1.4 सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	107.0	107.6	105.9	106.9	107.9
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	132.3	131.5	142.4	142.5	144.2
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	136.2	137.1	136.4	137.3	139.2
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	114.6	117.4	111.8	112.2	112.0
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	127.0	126.8	129.2	129.2	128.7
1.3.1.9 चीनी,गुड़ और शहद	1.163	124.8	124.0	133.0	133.4	133.1
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	125.5	126.6	125.4	126.0	123.9
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स,और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	137.1	143.2	131.0	131.0	130.4
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	125.9	127.7	130.6	130.4	132.2
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	124.5	125.9	115.6	114.0	114.2
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	126.3	125.3	127.1	126.6	126.2
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	143.2	145.7	143.8	141.9	144.5
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	165.4	171.0	153.4	154.0	152.4
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	**0.909**	**116.1**	**115.8**	**119.3**	**119.1**	**120.1**
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	113.3	113.6	114.6	114.2	114.5
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	114.2	115.3	117.6	117.6	118.4
1.3.2.3 शीतल पेय,मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	121.8	119.5	127.8	127.5	129.9
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	**0.514**	**141.6**	**142.8**	**145.3**	**147.7**	**150.9**
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	141.6	142.8	145.3	147.7	150.9
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	**4.881**	**111.2**	**112.1**	**113.3**	**112.7**	**113.4**
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	103.3	104.5	106.5	105.4	106.2
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	120.9	122.6	121.0	120.7	122.2
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	107.1	107.3	109.5	109.3	106.9
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	121.7	121.5	124.3	124.8	124.3
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	143.0	140.9	142.2	141.9	143.1
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	112.9	107.8	116.4	116.4	116.2
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	**0.814**	**131.0**	**131.7**	**135.7**	**136.5**	**136.6**
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	133.9	133.6	137.9	137.8	138.3
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉस्चिटेड वस्त्र	0.221	123.3	126.6	129.8	133.2	131.9

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			सितं.	जुला.	अग. (अ)	सितं. (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण	**0.535**	**122.6**	**123.9**	**120.7**	**120.9**	**119.2**
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	119.9	118.9	113.4	114.0	109.0
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	132.3	134.9	129.3	128.8	130.3
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	121.5	123.6	121.9	122.1	121.2
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	**0.772**	**129.8**	**131.8**	**131.7**	**132.1**	**132.4**
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	122.9	124.3	119.5	119.8	118.9
1.3.7.2 विनियर शीट,प्लायवुड का विनिर्माण,लॅमिन बोर्ड,पार्टिकल बोर्डऔर अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	127.3	129.7	131.2	131.7	132.2
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	153.8	156.5	163.3	163.3	163.3
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	140.3	141.0	137.4	137.7	138.6
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण	**1.113**	**113.6**	**112.2**	**118.9**	**118.5**	**119.3**
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	117.7	116.2	120.9	120.9	122.0
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	114.7	114.0	119.1	117.1	119.5
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	105.9	103.8	115.4	116.0	114.9
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	**0.676**	**141.1**	**141.4**	**142.8**	**144.3**	**144.6**
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	141.1	141.4	142.8	144.3	144.6
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	**6.465**	**111.0**	**110.3**	**111.1**	**111.2**	**111.3**
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	104.7	104.0	107.9	107.3	107.5
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	118.7	118.3	116.0	116.3	116.7
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिथेंटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	113.7	111.5	111.8	112.3	112.6
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकेमिकल उत्पाद	0.454	116.8	116.5	115.3	115.3	115.1
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	108.5	108.8	109.0	108.8	108.7
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट,सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	113.7	113.6	115.1	116.2	114.7
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	106.5	106.1	108.4	108.5	108.9
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	94.1	93.8	95.5	95.2	95.8
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	**1.993**	**119.7**	**118.7**	**120.0**	**120.9**	**121.5**
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	119.7	118.7	120.0	120.9	121.5
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	**2.299**	**107.5**	**106.5**	**107.3**	**107.2**	**106.8**
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब,रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	101.4	100.9	99.9	100.0	100.3
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	90.4	89.0	91.5	91.8	91.2
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	113.3	112.2	113.5	113.2	112.5
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	**3.202**	**109.8**	**110.9**	**112.0**	**111.9**	**111.9**
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	116.6	116.1	116.4	117.4	117.0
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	116.2	117.5	116.1	112.6	113.3
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	94.3	95.5	94.6	88.5	87.5
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	111.8	111.7	112.3	112.3	112.8
1.3.13.5 सीमेन्ट,चूना और प्लास्टर	1.645	110.6	112.6	113.8	113.5	114.1
1.3.13.6 कंक्रीट,सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	115.3	114.1	118.7	119.2	119.1
1.3.13.7 पत्थरों को काटना,आकार देना और संवारना	0.234	117.4	119.7	116.1	116.7	116.5
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	70.9	69.1	76.0	82.4	77.4
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	**9.646**	**91.1**	**88.7**	**97.0**	**97.8**	**100.4**
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	82.9	78.8	93.6	93.9	96.9
1.3.14.2 मेटेलिक आयरन	0.653	79.4	74.9	90.4	94.8	101.7
1.3.14.3 नरम इस्पात-अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	89.8	89.4	91.8	91.6	93.4
1.3.14.4 नरम इस्पात- लंबे उत्पाद	1.081	85.3	82.9	91.6	91.2	91.9
1.3.14.5 नरम इस्पात- चपटे उत्पाद	1.144	89.4	85.8	98.3	98.6	103.3
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	85.6	81.8	92.4	92.2	93.4
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	84.1	81.9	93.5	95.5	96.9
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	107.8	104.9	110.4	112.2	114.3
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	100.1	97.4	104.0	105.3	107.5
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	102.2	102.1	101.2	101.3	103.7
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	118.2	118.1	118.1	117.5	118.1
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	**3.155**	**105.1**	**104.2**	**107.7**	**107.5**	**108.5**
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	102.5	101.2	104.8	104.3	105.4
1.3.15.2 धातु से बने टैंक,जलाशय और डिब्बे	0.660	109.2	104.9	118.4	117.5	119.7
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	108.5	111.4	109.4	109.4	109.4
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैपिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	94.7	95.9	90.0	90.0	88.7
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	111.5	111.9	109.7	109.7	107.6
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	108.1	108.7	110.6	111.3	113.1
1.3.16 कंप्यूटर,इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	**2.009**	**108.3**	**108.5**	**109.2**	**108.9**	**109.2**
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	106.7	108.3	103.7	104.6	104.0
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	127.3	127.3	127.4	127.4	127.4

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक *(समाप्त)*
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			सितं.	जुला.	अग. (अ)	सितं. (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	104.1	104.1	104.7	104.7	104.7
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स	0.641	100.0	99.4	103.4	101.0	103.4
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	103.1	101.5	106.1	109.0	105.9
1.3.16.6 हाथ घडी और दीवार घडी	0.076	137.9	140.2	137.2	137.2	136.7
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	104.3	105.2	102.2	102.4	102.6
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	96.6	98.4	106.8	106.8	107.9
1.3.17 इलेक्ट्रानिक उपकरण का विनिर्माण	**2.930**	**108.2**	**108.2**	**109.6**	**109.3**	**110.2**
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	105.0	104.9	106.0	106.0	106.9
1.3.17.2 बैटरी और एक्युम्युलेटर	0.236	120.4	118.4	115.4	115.0	115.3
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	118.8	120.0	123.6	121.3	123.7
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रानिक और बिज़ली के वायर और केबल	0.428	99.7	98.8	103.5	103.1	106.1
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	108.5	111.4	111.6	111.4	110.8
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	119.4	119.6	121.4	121.3	120.9
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	104.4	104.9	105.5	105.7	106.0
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	**4.789**	**107.9**	**107.4**	**107.9**	**108.4**	**108.2**
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन,एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	104.1	103.4	102.4	103.3	101.4
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	114.3	113.6	115.2	115.1	116.8
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	106.6	105.9	108.5	108.4	108.3
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	104.5	102.6	105.7	106.8	106.8
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर	0.008	77.8	75.5	79.2	79.4	79.5
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने -उतारने वाले उपकरण	0.285	103.2	102.7	103.7	103.6	105.9
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	124.9	125.7	126.5	126.7	126.3
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	112.3	112.3	111.9	111.5	112.3
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	100.1	98.4	98.6	98.8	100.0
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	79.6	80.1	76.1	75.7	75.5
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	116.9	114.8	116.6	121.8	116.9
1.3.18.13 कपड़ा,परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	116.2	115.3	114.9	116.2	115.5
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	115.8	115.3	117.9	118.8	119.1
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	73.7	72.1	70.9	71.1	70.9
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	**4.969**	**110.4**	**110.5**	**110.3**	**111.9**	**110.5**
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	113.4	113.3	112.5	115.3	112.6
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	107.2	107.3	107.9	108.2	108.2
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	**1.648**	**107.7**	**107.9**	**109.1**	**109.5**	**109.6**
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली -वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.7	158.7	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टाक	0.110	100.6	103.3	103.8	102.1	105.0
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	102.8	102.7	104.2	104.7	104.6
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाडी	0.117	118.0	117.9	119.8	119.8	119.8
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	116.5	115.3	120.3	120.7	119.1
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	**0.727**	**114.1**	**112.9**	**119.0**	**119.5**	**120.1**
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	114.1	112.9	119.0	119.5	120.1
1.3.22 अन्य विनिर्माण	**1.064**	**119.7**	**122.9**	**113.3**	**113.7**	**105.3**
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	118.4	121.7	111.1	111.5	102.4
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	158.0	174.8	174.0	148.2	162.2
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	124.7	125.5	126.6	126.0	125.7
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	125.2	126.3	128.4	126.3	126.8
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	143.3	144.5	152.0	153.5	153.5
2 खाद्य सूचकांक	**24.378**	**134.7**	**135.9**	**140.0**	**142.0**	**138.6**

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2015-16	2016-17	अप्रैल-अगस्त		अगस्त	
				2016-17	2017-18	2016	2017
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	100.00	114.7	120.0	117.6	120.2	116.5	121.5
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन और उत्खनन	14.37	97.3	102.5	93.8	96.9	84.7	92.7
1.2 विनिर्माण	77.63	115.9	121.0	119.3	121.2	119.6	123.3
1.3 बिजली	7.99	133.8	141.6	143.8	152.7	143.5	155.4
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	112.0	117.5	114.1	117.7	110.0	117.8
2.2 पूंजीगत माल	8.22	98.4	101.5	98.7	96.8	94.8	99.9
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	118.4	122.3	121.2	121.7	123.6	123.4
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	120.3	125.0	124.8	127.3	124.9	128.0
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	119.1	122.6	121.9	120.8	122.8	124.8
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	117.2	126.5	122.0	130.3	122.6	131.1

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

सं. 23ः केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल-सितंबर			
	2017-18 (बजट अनुमान)	2017-18 (वास्तविक)	2016-17 (वास्तविक)	बजट अनुमानों का प्रतिशत	
				2017-18	2016-17
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	**15,157.7**	**6,232.1**	**5,669.2**	**41.1**	**41.2**
1.1 कर राजस्व (निवल)	12,270.1	5,423.6	4,481.6	44.2	42.5
1.2 करेतर राजस्व	2,887.6	808.5	1,187.7	28.0	36.8
2 पूंजीगत प्राप्तियां	**6,309.6**	**5,259.8**	**4,608.1**	**83.4**	**76.7**
2.1 ऋण की वसूली	119.3	72.8	68.0	61.0	64.0
2.2 अन्य प्राप्तियां	725.0	197.6	60.2	27.3	10.6
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	5,465.3	4,989.4	4,479.9	91.3	83.9
3 कुल प्राप्तियां (1+2)	**21,467.4**	**11,491.9**	**10,277.3**	**53.5**	**52.0**
4 राजस्व व्यय	18,369.3	10,028.0	8,928.0	54.6	51.6
4.1 ब्याज भुगतान	5,230.8	2,257.7	2,132.3	43.2	43.3
5 पूंजी व्यय	3,098.0	1,463.9	1,349.3	47.3	54.6
6 कुल व्यय (4+5)	**21,467.4**	**11,491.9**	**10,277.3**	**53.5**	**52.0**
7 राजस्व घाटा (4-1)	**3,211.6**	**3,795.9**	**3,258.8**	**118.2**	**92.1**
8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}	**5,465.3**	**4,989.4**	**4,479.9**	**91.3**	**83.9**
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	**234.5**	**2,731.7**	**2,347.6**	**1,164.7**	**569.3**

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		सितं. 30	अग. 25	सितं. 1	सितं. 8	सितं. 15	सितं. 22	सितं. 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	323.7	193.3	392.2	405.9	384.0	448.7	462.8	443.5
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	273.6	191.9	155.4	229.7	194.3	247.0	260.7
1.3 राज्य सरकारें	146.2	530.9	664.5	714.5	729.5	784.5	857.9	892.9
1.4 अन्य	343.4	753.9	742.0	784.7	752.2	742.9	688.2	706.0
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	216.2	386.9	389.8	364.2	386.3	374.3	414.1	382.4
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	269.0	274.4	263.0	277.6	256.2	268.7	295.9
2.3 राज्य सरकारें	193.6	115.7	194.0	194.0	154.0	154.0	145.6	145.6
2.4 अन्य	120.9	113.9	111.3	143.8	137.2	168.8	145.6	150.4
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	512.3	634.4	526.6	444.8	464.6	449.5	496.7	439.6
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	619.5	522.9	514.0	571.1	565.5	546.8	590.3
3.3 राज्य सरकारें	26.3	25.2	29.7	29.7	29.7	29.7	29.7	29.7
3.4 अन्य	326.4	286.2	333.4	424.3	347.1	370.9	342.3	364.9
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 प्राथमिक व्यापारी	–	–	–	–	–	–	–	–
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	948.9	1,532.7	1,064.5	842.9	1,254.7	1,386.0	1,251.7
4.4 अन्य	5.1	11.4	4.4	5.3	3.9	5.6	13.8	11.0
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)	3,320.8	4,202.4	4,372.6	4,438.2	4,463.0	4,539.4	4,645.5	4,702.1

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियां			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
अग. 30	100	57	1,495.51	70.30	20	100.00	70.30	170.30	98.50	6.1081
सितं. 6	100	64	1,840.90	82.07	21	100.00	82.07	182.07	98.51	6.0668
सितं. 13	100	58	1,731.64	86.41	52	100.00	86.41	186.41	98.50	6.1081
सितं. 20	100	57	1,441.56	74.37	44	100.00	74.37	174.37	98.50	6.1081
सितं. 27	100	54	1,440.13	52.63	46	100.00	52.63	152.63	98.50	6.1081
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
अग. 23	70	54	365.27	–	21	70.00	–	70.00	96.99	6.2239
सितं. 6	70	63	490.62	–	36	70.00	–	70.00	97.00	6.2026
सितं. 20	70	44	365.06	6.08	24	70.00	6.08	76.08	96.99	6.2239
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
अग. 16	60	50	218.49	–	13	60.00	–	60.00	94.14	6.2419
अग. 30	60	51	223.70	–	25	60.00	–	60.00	94.13	6.2532
सितं. 13	60	58	246.08	0.10	32	60.00	0.10	60.10	94.13	6.2532
सितं. 27	60	44	314.50	–	6	60.00	–	60.00	94.14	6.2419

वित्तीय बाजार

सं. 26ः दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा	भारित औसत दरें
	उधार लेना/उधार देना	उधार लेना/उधार देना
	1	2
सितंबर 1, 2017	5.00-6.00	5.83
सितंबर 4, 2017	5.00-6.00	5.85
सितंबर 5, 2017	5.00-6.00	5.83
सितंबर 6, 2017	5.00-6.00	5.83
सितंबर 7, 2017	5.00-6.00	5.84
सितंबर 8, 2017	5.00-6.00	5.86
सितंबर 11, 2017	5.00-6.05	5.84
सितंबर 12, 2017	5.00-6.05	5.83
सितंबर 13, 2017	5.00-6.00	5.84
सितंबर 14, 2017	5.00-6.00	5.83
सितंबर 15, 2017	4.90-6.35	5.98
सितंबर 16, 2017	5.00-6.30	6.03
सितंबर 18, 2017	4.50-6.10	5.93
सितंबर 19, 2017	5.00-6.05	5.96
सितंबर 20, 2017	5.00-6.22	5.89
सितंबर 21, 2017	5.00-6.05	5.89
सितंबर 22, 2017	5.00-6.05	5.88
सितंबर 25, 2017	5.00-6.00	5.90
सितंबर 26, 2017	5.00-6.10	5.85
सितंबर 27, 2017	5.00-6.00	5.86
सितंबर 28, 2017	5.00-6.00	5.82
सितंबर 29, 2017	5.00-6.15	5.98
अक्तूबर 3, 2017	5.00-6.00	5.85
अक्तूबर 4, 2017	5.00-6.00	5.85
अक्तूबर 5, 2017	4.95-6.00	5.82
अक्तूबर 6, 2017	4.95-6.06	5.84
अक्तूबर 7, 2017	4.50-6.00	5.75
अक्तूबर 9, 2017	5.00-6.10	5.95
अक्तूबर 10, 2017	4.95-6.07	5.88
अक्तूबर 11, 2017	4.95-6.10	5.85
अक्तूबर 12, 2017	4.95-6.00	5.84
अक्तूबर 13, 2017	4.80-6.20	5.83

टिप्पणीः नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2016	2017			
	सितं. 30	अग. 18	सितं. 1	सितं. 15	सितं. 29
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	1,876.8	1,147.1	1,124.0	824.1	1,144.5
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	282.4	121.3	93.8	117.7	169.2
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.53-7.35	6.16-6.70	6.15-6.50	6.12-6.53	6.09-6.68

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2016	2017			
	सितं. 30	अग. 15	अग. 31	सितं. 15	सितं. 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	3,487.6	3,595.0	3,695.8	4,423.9	3,932.1
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	993.4	1,195.9	996.5	1,250.7	1,162.9
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.32-13.94	6.10-13.92	6.05-11.25	5.59-11.80	5.89-11.00

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		सितं. 30	अग. 25	सितं. 1	सितं. 8	सितं. 15	सितं. 22	सितं. 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	259.0	272.8	210.3	326.5	244.1	203.8	245.2	322.7
2 नोटिस मुद्रा	46.8	95.6	10.2	5.3	4.9	108.7	11.7	8.4
3 मीयादी मुद्रा	8.4	7.7	23.9	10.4	5.7	15.3	5.5	7.6
4 सीबीएलओ	1,700.2	1,878.0	1,955.2	2,428.2	2,205.0	2,143.6	2,026.1	2,433.7
5 बाजार रिपो	1,753.3	1,991.0	1,461.9	2,165.1	1,865.1	2,224.5	1,748.4	2,424.3
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	2.5	0.9	4.6	2.8	2.6	3.1	12.4	1.8
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	46,685	52,956	62,775	52,517	54,158	67,231	86,072
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	1,249.1	1,824.0	602.1	706.0	1,032.0	736.4	865.7	846.4
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	50.7	83.2	72.7	56.7	51.1	77.3	58.3	97.5
10 खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	45.1	83.8	29.4	32.4	45.4	35.9	72.9	36.0
10.2 182-दिवसीय	11.8	19.1	17.6	26.4	28.5	10.6	17.2	13.9
10.3 364-दिवसीय	18.5	29.8	13.5	14.1	11.0	19.4	12.5	21.9
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13.8	–	2.1	0.6	4.5	16.9	8.4	–
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	1388.8	2,040.0	737.4	836.4	1,172.5	896.5	1,034.9	1,015.7
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	–	1.7	0.0	28.3	0.0	20.2	2.6	20.8

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2016-17		2016-17 (अप्रै.-सितं.)		2017-18 (अप्रै.-सितं.)*		सितं. 2016		सितं. 2017*	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	**116**	**303.6**	**59**	**169.0**	**96**	**172.7**	**29**	**77.0**	**41**	**87.8**
1ए प्रीमियम	113	291.3	56	161.6	95	166.7	27	74.3	41	85.4
1.1 पब्लिक	105	280.7	56	162.8	90	165.6	28	76.6	39	87.5
1.1.1 प्रीमियम	102	270.4	53	155.7	89	160.3	26	73.9	39	85.2
1.2 राइट्स	11	22.9	3	6.2	6	7.1	1	0.4	2	0.2
1.2.1 प्रीमियम	11	20.9	3	6.0	6	6.4	1	0.4	2	0.2
2 अधिमान शेयर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3 डिबेंचर	**16**	**295.5**	**10**	**238.9**	**4**	**39.0**	**2**	**72.9**	–	–
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	16	295.5	10	238.9	4	39.0	2	72.9	–	–
3.1.1 पब्लिक	16	295.5	10	238.9	4	39.0	2	72.9	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4 बांड	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल (1+2+3+4)	**132**	**599.0**	**69**	**407.9**	**100**	**211.6**	**31**	**150.0**	**41**	**87.8**
5.1 पब्लिक	121	576.1	66	401.7	94	204.5	30	149.5	39	87.5
5.2 राइट्स	11	22.9	3	6.2	6	7.1	1	0.4	2	0.2

* आंकड़े अनंतिम है।
स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2016-17	2016	2017				
			सितं.	मई	जून	जुला.	अग.	सितं.
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	बिलियन ₹	18,541.0	1,519.5	1,549.2	1,488.9	1,445.2	1,525.5	1,843.9
	अमरीकी मिलियन डालर	276,547.0	22,768.4	24,046.2	23,103.6	22,422.0	23,848.0	28,613.4
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,120.3	171.8	163.8	145.7	180.8	217.4	231.7
	अमरीकी मिलियन डालर	31,622.3	2,574.0	2,543.0	2,261.1	2,804.3	3,398.7	3,595.5
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	16,420.7	1,347.7	1,385.3	1,343.2	1,264.5	1,308.1	1,612.2
	अमरीकी मिलियन डालर	244,924.7	20,194.4	21,503.3	20,842.5	19,617.7	20,449.3	25,017.9
2 आयात	बिलियन ₹	25,668.2	2,124.9	2,467.6	2,382.2	2,187.9	2,275.3	2,422.8
	अमरीकी मिलियन डालर	382,740.9	31,839.0	38,302.4	36,965.4	33,944.1	35,569.8	37,597.7
2.1 तेल	बिलियन ₹	5,825.6	461.2	497.2	495.9	500.2	496.7	527.6
	अमरीकी मिलियन डालर	86,865.7	6,911.3	7,718.0	7,694.6	7,761.1	7,765.4	8,188.1
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	19,842.6	1,663.6	1,970.4	1,886.3	1,687.7	1,778.6	1,895.2
	अमरीकी मिलियन डालर	295,875.2	24,927.8	30,584.3	29,270.8	26,183.0	27,804.4	29,409.6
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	–7,127.2	–605.4	–918.5	–893.3	–742.7	–749.8	–579.0
	अमरीकी मिलियन डालर	–106,193.9	–9,070.7	–14,256.2	–13,861.8	–11,522.1	–11,721.8	–8,984.3
3.1 तेल	बिलियन ₹	–3,705.4	–289.5	–333.4	–350.2	–319.5	–279.3	–295.9
	अमरीकी मिलियन डालर	–55,243.4	–4,337.3	–5,175.1	–5,433.5	–4,956.8	–4,366.7	–4,592.6
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	–3,421.9	–315.9	–585.0	–543.1	–423.2	–470.5	–283.0
	अमरीकी मिलियन डालर	–50,950.6	–4,733.4	–9,081.1	–8,428.3	–6,565.3	–7,355.1	–4,391.7

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2016	2017					
		अक्तू. 28	सितं. 22	सितं. 29	अक्तू. 6	अक्तू. 13	अक्तू. 20	अक्तू. 27
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	**बिलियन ₹**	**24,472**	**26,105**	**26,085**	**26,009**	**25,995**	**26,021**	**25,956**
	अमरीकी मिलियन डालर	**367,157**	**402,247**	**399,657**	**398,795**	**400,297**	**399,921**	**398,761**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	22,791	24,533	24,514	24,376	24,361	24,388	24,324
	अमरीकी मिलियन डालर	341,945	377,751	375,186	373,795	375,274	374,908	373,772
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,427	1,325	1,325	1,388	1,388	1,388	1,388
	अमरीकी मिलियन डालर	21,406	20,692	20,692	21,241	21,241	21,241	21,241
1.3 एसडीआर	बिलियन ₹	1,066	1,063	1,063	1,063	1,063	1,063	1,063
	अमरीकी मिलियन डालर	98	98	98	98	98	98	97
	बिलियन ₹	1,462	1,512	1,502	1,494	1,504	1,500	1,490
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	157	149	149	148	148	148	147
	अमरीकी मिलियन डालर	2,345	2,292	2,276	2,265	2,279	2,273	2,259

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(मिलियन अमरीकी डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2016-17	2016	2017		2016-17	2017-18
		सितं.	अग.	सितं.	अप्रै.-सितं.	अप्रै.-सितं.
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	**116,867**	**130,020**	**118,585**	**117,898**	**3,465**	**1,824**
1.1 एफसीएनआर (बी)	21,002	44,117	20,223	20,238	–1,199	–764
1.2 एनआर (ई) आरए	83,213	75,196	85,883	85,259	4,056	2,743
1.3 एनआरओ	12,652	10,707	12,478	12,401	608	–156

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2016-17	2017-18	2016	2017	
		अप्रै.-सितं.	अप्रै.-सितं.	सितं.	अग.	सितं.
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**35,612**	**20,881**	**20,879**	**6,253**	**8,569**	**1,108**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1. 1.1.2)	**42,215**	**19,879**	**25,567**	**5,133**	**8,430**	**2,183**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	**60,220**	**29,812**	**33,749**	**6,493**	**9,627**	**3,380**
1.1.1.1.1ईक्विटी	44,701	22,202	25,896	5,247	8,102	2,213
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	5,900	2,412	6,387	450	5,897	99
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	30,417	14,968	15,597	3,888	1,604	1,598
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,161	4,245	3,370	811	503	419
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	1,223	577	542	98	98	98
1.1.1.1.2पुनर्निवेशित आय	12,343	6,043	5,792	958	958	958
1.1.1.1.3अन्य पूंजी	3,176	1,568	2,060	288	568	209
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	**18,005**	**9,933**	**8,182**	**1,360**	**1,197**	**1,197**
1.1.1.2.1ईक्विटी	17,318	9,688	7,996	1,301	1,167	1,167
1.1.1.2.2अन्य पूंजी	687	246	185	59	30	30
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**6,603**	**–1,002**	**4,688**	**–1,120**	**–139**	**1,075**
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	9,792	4,038	2,748	427	209	471
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	2,925	1,463	1,490	244	244	244
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,450	1,923	2,782	210	138	1,091
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	10,564	8,427	2,332	2,001	730	730
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**7,612**	**8,154**	**14,674**	**2,665**	**572**	**–1,568**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	–	–	–	–	–	–
1.2.2 एफआईआई	7,766	7,949	14,359	2,884	648	–1,493
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	–	–	–	–	–	–
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	154	–205	–315	219	76	76
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	**43,224**	**29,035**	**35,553**	**8,918**	**9,141**	**–461**

सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2016	2017		
		सितं.	जुला.	अग.	सितं.
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**8,170.7**	**683.0**	**880.0**	**1,096.8**	**1,093.3**
1.1 जमाराशियां	283.8	21.3	23.3	28.7	35.2
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	92.9	6.1	3.6	8.8	6.3
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	443.6	40.0	28.0	30.2	43.3
1.4 उपहार	749.5	61.2	77.9	81.3	83.9
1.5 दान	8.8	1.1	0.5	0.8	0.6
1.6 यात्रा	2,568.0	217.9	342.8	450.2	398.3
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,169.5	160.1	211.8	240.7	227.0
1.8 चिकित्सा उपचार	17.3	1.2	1.7	2.1	3.8
1.9 विदेश में शिक्षा	1,536.4	160.8	179.0	240.7	278.0
1.10 अन्य	300.8	13.2	11.4	13.2	16.8

सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)

मद	2015-16	2016-17	2016	2017	
			अक्तूबर	सितंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.75	74.65	74.84	76.45	76.43
1.2 रीर	112.08	114.51	115.51	119.61	119.57
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.45	76.38	76.44	78.39	78.30
2.2 रीर	114.44	116.44	117.33	122.09	121.94
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	67.52	66.86	67.02	67.61	67.45
1.2 रीर	122.71	125.17	126.29	129.15	128.86
2 आधार : 2016-17 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	101.00	100.00	100.24	101.12	100.89
2.2 रीर	98.04	100.00	100.89	103.18	102.95

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार पंजीकरण

(राशि अमरीकी मिलियन डालर में)

मद	2016-17	2016	2017	
		सितं.	अग.	सितं.
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	729	80	80	79
1.2 राशि	16,247	2,076	1,541	3,156
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	37	5	2	2
2.2 राशि	5,738	387	102	327
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	766	85	82	81
3.2 राशि	21,985	2,463	1,643	3,483
4 भारित औसत परिपक्वता (वर्षों में)	5.30	4.20	4.70	6.20
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारित औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.62	1.73	1.29	1.26
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-14.75	0.00-10.50	0.00-11.00	0.00-11.00

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	अप्रै.-जून 2016 (आं.सं)			अप्रै.-जून. 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**254,325**	**247,356**	**6,969**	**296,104**	**284,699**	**11,405**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**124,970**	**125,371**	**–401**	**140,515**	**154,856**	**–14,341**
1.1 पण्य	**66,618**	**90,453**	**–23,835**	**73,659**	**114,881**	**–41,222**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**58,352**	**34,918**	**23,434**	**66,857**	**39,976**	**26,881**
1.2.1 सेवाएं	39,381	23,636	15,745	45,916	27,701	18,215
1.2.1.1 यात्रा	4,803	4,562	241	6,242	4,845	1,396
1.2.1.2 परिवहन	3,897	3,678	219	4,178	4,072	106
1.2.1.3 बीमा	516	287	229	625	352	272
1.2.1.4 जीएनआईई	130	162	–32	156	152	4
1.2.1.5 विविध	30,035	14,948	15,087	34,716	18,280	16,436
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	18,246	674	17,573	18,439	1,136	17,304
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	8,058	8,005	53	8,467	8,265	202
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1,403	1,268	135	1,174	1,218	–44
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	539	209	331	548	237	310
1.2.2 अंतरण	15,306	1,304	14,002	16,148	1,690	14,458
1.2.2.1 आधिकारिक	58	217	–159	92	237	–145
1.2.2.2 निजी	15,248	1,087	14,161	16,056	1,453	14,603
1.2.3 आय	3,665	9,977	–6,312	4,792	10,585	–5,793
1.2.3.1 निवेश आय	2,753	9,278	–6,525	3,650	10,040	–6,391
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	912	700	212	1,143	544	598
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**129,166**	**121,985**	**7,181**	**155,226**	**129,843**	**25,383**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**72,114**	**66,129**	**5,985**	**92,709**	**73,021**	**19,688**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	14,173	10,291	3,881	15,410	8,174	7,236
2.1.1.1 भारत में	11,748	5,852	5,895	14,702	4,449	10,253
2.1.1.1.1 इक्विटी	7,874	5,784	2,090	10,656	4,327	6,329
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3,169	–	3,169	2,919	–	2,919
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	705	69	636	1,127	122	1,006
2.1.1.2 विदेश में	2,425	4,439	–2,014	708	3,725	–3,017
2.1.1.2.1 इक्विटी	2,425	2,427	–2	708	1,768	–1,060
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	731	–731	0	758	–758
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	1,281	–1,281	0	1,199	–1,199
2.1.2 संविभाग निवेश	57,941	55,838	2,103	77,299	64,847	12,452
2.1.2.1 भारत में	56,260	55,020	1,241	76,134	64,213	11,921
2.1.2.1.1 एफआईआई	56,260	55,020	1,241	76,134	64,213	11,921
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	45,591	43,227	2,365	57,312	56,625	687
2.1.2.1.1.2 ऋण	10,669	11,793	–1,124	18,823	7,588	11,234
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	1,681	818	863	1,165	634	530
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**26,222**	**27,822**	**–1,600**	**34,691**	**33,722**	**968**
2.2.1 बाह्य सहायता	1,860	1,137	723	1,826	1,179	647
2.2.1.1 भारत द्वारा	15	58	–43	14	70	–56
2.2.1.2 भारत को	1,846	1,079	767	1,812	1,110	702
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	3,362	5,376	–2,013	6,391	6,650	–259
2.2.2.1 भारत द्वारा	974	493	482	2,438	2,283	156
2.2.2.2 भारत को	2,388	4,883	–2,495	3,953	4,367	–414
2.2.3 भारत को अल्पावधि	21,000	21,310	–310	26,474	25,893	580
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	21,000	21,121	–122	25,735	25,893	–159
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	0	189	–189	739	0	739
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**21,139**	**21,288**	**–148**	**21,607**	**15,441**	**6,166**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	21,112	21,287	–175	21,607	14,383	7,225
2.3.1.1 आस्तियां	9,426	8,569	856	7,589	1,217	6,373
2.3.1.2 देयताएं	11,687	12,718	–1,031	14,018	13,166	852
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	11,573	10,195	1,378	12,799	11,561	1,237
2.3.2 अन्य	27	0	27	0	1,059	–1,059
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	35	–35	0	23	–23
2.5 अन्य पूंजी	9,692	6,712	2,980	6,219	7,635	–1,416
3 भूल-चूक	**189**	–	**189**	**362**	–	**362**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**6,969**	**–6,969**	0	**11,405**	**–11,405**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	6,969	–6,969	0	11,405	–11,405

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	अप्रै.-जून 2016 (आं.सं)			अप्रै.-जून 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**17,012**	**16,546**	**466**	**19,086**	**18,351**	**735**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**8,359**	**8,386**	**–27**	**9,057**	**9,982**	**–924**
1.1 पण्य	**4,456**	**6,051**	**–1,594**	**4,748**	**7,405**	**–2,657**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**3,903**	**2,336**	**1,568**	**4,309**	**2,577**	**1,733**
1.2.1 सेवाएं	2,634	1,581	1,053	2,960	1,786	1,174
1.2.1.1 यात्रा	321	305	16	402	312	90
1.2.1.2 परिवहन	261	246	15	269	262	7
1.2.1.3 बीमा	35	19	15	40	23	18
1.2.1.4 जीएनआईई	9	11	–2	10	10	0
1.2.1.5 विविध	2,009	1,000	1,009	2,238	1,178	1,059
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,221	45	1,175	1,189	73	1,115
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	539	535	4	546	533	13
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	94	85	9	76	78	–3
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	36	14	22	35	15	20
1.2.2 अंतरण	1,024	87	937	1,041	109	932
1.2.2.1 आधिकारिक	4	15	–11	6	15	–9
1.2.2.2 निजी	1,020	73	947	1,035	94	941
1.2.3 आय	245	667	–422	309	682	–373
1.2.3.1 निवेश आय	184	621	–436	235	647	–412
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	61	47	14	74	35	39
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**8,640**	**8,160**	**480**	**10,006**	**8,369**	**1,636**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	4,824	4,423	400	5,976	4,707	1,269
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	948	688	260	993	527	466
2.1.1.1 भारत में	786	391	394	948	287	661
2.1.1.1.1 इक्विटी	527	387	140	687	279	408
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	212	0	212	188	0	188
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	47	5	43	73	8	65
2.1.1.2 विदेश में	162	297	–135	46	240	–194
2.1.1.2.1 इक्विटी	162	162	–	46	114	–68
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	49	–49	0	49	–49
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	86	–86	0	77	–77
2.1.2 संविभाग निवेश	3,876	3,735	141	4,983	4,180	803
2.1.2.1 भारत में	3,763	3,680	83	4,907	4,139	768
2.1.2.1.1 एफआईआई	3,763	3,680	83	4,907	4,139	768
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	3,050	2,891	158	3,694	3,650	44
2.1.2.1.1.2 ऋण	714	789	–75	1,213	489	724
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	112	55	58	75	41	34
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**1,754**	**1,861**	**–107**	**2,236**	**2,174**	**62**
2.2.1 बाह्य सहायता	124	76	48	118	76	42
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	4	–3	1	5	–4
2.2.1.2 भारत को	123	72	51	117	72	45
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	225	360	–135	412	429	–17
2.2.2.1 भारत द्वारा	65	33	32	157	147	10
2.2.2.2 भारत को	160	327	–167	255	281	–27
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,405	1,425	–21	1,706	1,669	37
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,405	1,413	–8	1,659	1,669	–10
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	0	13	–13	48	0	48
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**1,414**	**1,424**	**–10**	**1,393**	**995**	**397**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	1,412	1,424	–12	1,393	927	466
2.3.1.1 आस्तियां	630	573	57	489	78	411
2.3.1.2 देयताएं	782	851	–69	904	849	55
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	774	682	92	825	745	80
2.3.2 अन्य	2	0	2	0	68	–68
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	2	–2	0	1	–1
2.5 अन्य पूंजी	648	449	199	401	492	–91
3 भूल-चूक	**13**	0	**13**	**23**	0	**23**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**466**	**–466**	0	**735**	**–735**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	466	–466	0	735	–735

सं. 40: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	अप्रै.-जून. 2016 (आं.सं)			अप्रै.-जून. 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**124,969**	**125,351**	**–382**	**140,509**	**154,834**	**–14,324**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**105,999**	**114,089**	**–8,090**	**119,575**	**142,582**	**–23,007**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**66,618**	**90,453**	**–23,835**	**73,659**	**114,881**	**–41,222**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	66,200	86,533	–20,333	73,627	103,615	–29,988
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	418	0	418	32	0	32
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	–	3,920	–3,920	–	11,266	–11,266
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**39,381**	**23,636**	**15,745**	**45,916**	**27,701**	**18,215**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	45	13	33	26	9	17
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	33	78	–45	57	153	–96
1.अ.ख.3 परिवहन	3,897	3,678	219	4,178	4,072	106
1.अ.ख.4 यात्रा	4,803	4,562	241	6,242	4,845	1,396
1.अ.ख.5 निर्माण	463	233	230	675	286	388
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	516	287	229	625	352	272
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1,403	1,268	135	1,174	1,218	–44
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	171	1,628	–1,456	162	1,954	–1,792
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	18,848	989	17,859	19,056	1,476	17,581
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	8,058	8,005	53	8,467	8,265	202
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	381	672	–291	402	467	–65
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	130	162	–32	156	152	4
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	633	2,064	–1,431	4,698	4,452	246
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**3,665**	**9,977**	**–6,312**	**4,792**	**10,585**	**–5,793**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	912	700	212	1,143	544	598
1.आ.2 निवेश आय	2,286	9,042	–6,756	2,724	9,874	–7,149
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,401	4,017	–2,616	1,549	4,681	–3,132
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	31	2,039	–2,009	70	2,298	–2,228
1.आ.2.3 अन्य निवेश	52	2,985	–2,933	186	2,894	–2,708
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	803	1	802	919	0	919
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	467	236	231	925	167	759
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**15,304**	**1,284**	**14,020**	**16,142**	**1,667**	**14,475**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	15,248	1,087	14,161	16,056	1,453	14,603
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	14,683	863	13,820	15,504	1,121	14,382
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	565	225	341	553	332	221
1.इ.2 सामान्य सरकार	56	197	–140	86	214	–128
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**221**	**62**	**159**	**114**	**105**	**8**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	32	8	24	75	39	35
2.2 पूँजी अंतरण	189	54	135	39	66	–27
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**128,947**	**128,913**	**35**	**155,119**	**141,165**	**13,954**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**14,173**	**10,291**	**3,881**	**15,410**	**8,174**	**7,236**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	11,748	5,852	5,895	14,702	4,449	10,253
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	11,043	5,784	5,259	13,575	4,327	9,248
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	7,874	5,784	2,090	10,656	4,327	6,329
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,169	–	3,169	2,919	–	2,919
3.1.अ.2 ऋण लिखत	705	69	636	1,127	122	1,006
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	705	69	636	1,127	122	1,006
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	2,425	4,439	–2,014	708	3,725	–3,017
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	2,425	3,158	–733	708	2,526	–1,818
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	2,425	2,427	–2	708	1,768	–1,060
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	–	731	–731	–	758	–758
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	1,281	–1,281	0	1,199	–1,199
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	–	1,281	–1,281	–	1,199	–1,199
3.2 संविभाग निवेश	**57,941**	**55,838**	**2,103**	**77,299**	**64,847**	**12,452**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	56,260	55,020	1,241	76,134	64,213	11,921
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	45,591	43,227	2,365	57,312	56,625	687
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	10,669	11,793	–1,124	18,823	7,588	11,234
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	1,681	818	863	1,165	634	530
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**6,861**	**3,878**	**2,983**	**4,737**	**5,946**	**–1,209**
3.4 अन्य निवेश	**49,973**	**51,937**	**–1,964**	**57,672**	**50,793**	**6,880**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	11,600	10,195	1,405	12,799	12,620	179
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	27	0	27	0	1,059	–1,059
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	11,573	10,195	1,378	12,799	11,561	1,237
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	14,762	17,605	–2,843	17,026	10,650	6,375
3.4.3अ भारत को ऋण	13,773	17,055	–3,281	14,573	8,298	6,275
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	989	550	438	2,453	2,352	100
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	145	279	–134	14	589	–575
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	21,000	21,310	–310	26,474	25,893	580
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	2,466	2,548	–81	1,361	1,041	320
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	–	–	–
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	**6,969**	**–6,969**	0	**11,405**	**–11,405**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	6,969	–6,969	0	11,405	–11,405
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**128,947**	**128,913**	**35**	**155,119**	**141,165**	**13,954**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	67,745	57,143	10,602	77,510	70,647	6,863
4.2 ऋण लिखत	58,735	62,252	–3,517	76,248	58,073	18,175
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	2,466	9,517	–7,050	1,361	12,445	–11,085
5. निवल भूल-चूक	**189**	–	**189**	**362**	–	**362**

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	अप्रै.-जून. 2016 (आं.सं)			अप्रै.-जून. 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**8,359**	**8,385**	**–26**	**9,057**	**9,980**	**–923**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**7,090**	**7,632**	**–541**	**7,708**	**9,191**	**–1,483**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**4,456**	**6,051**	**–1,594**	**4,748**	**7,405**	**–2,657**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	4,428	5,788	–1,360	4,746	6,679	–1,933
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	28	0	28	2	0	2
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	–	262	–262	0	726	–726
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**2,634**	**1,581**	**1,053**	**2,960**	**1,786**	**1,174**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	3	1	2	2	1	1
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	2	5	–3	4	10	–6
1.अ.ख.3 परिवहन	261	246	15	269	262	7
1.अ.ख.4 यात्रा	321	305	16	402	312	90
1.अ.ख.5 निर्माण	31	16	15	43	18	25
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	35	19	15	40	23	18
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	94	85	9	76	78	–3
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	11	109	–97	10	126	–116
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,261	66	1,195	1,228	95	1,133
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	539	535	4	546	533	13
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	25	45	–19	26	30	–4
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	9	11	–2	10	10	0
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	42	138	–96	303	287	16
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**245**	**667**	**–422**	**309**	**682**	**–373**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	61	47	14	74	35	39
1.आ.2 निवेश आय	153	605	–452	176	636	–461
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	94	269	–175	100	302	–202
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	2	136	–134	5	148	–144
1.आ.2.3 अन्य निवेश	3	200	–196	12	187	–175
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	54	0	54	59	0	59
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	31	16	15	60	11	49
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**1,024**	**86**	**938**	**1,040**	**107**	**933**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,020	73	947	1,035	94	941
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	982	58	924	999	72	927
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	38	15	23	36	21	14
1.इ.2 सामान्य सरकार	4	13	–9	6	14	–8
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**15**	**4**	**11**	**7**	**7**	**1**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	2	1	2	5	3	2
2.2 पूँजी अंतरण	13	4	9	3	4	–2
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**8,625**	**8,623**	**2**	**9,999**	**9,099**	**899**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**948**	**688**	**260**	**993**	**527**	**466**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	786	391	394	948	287	661
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	739	387	352	875	279	596
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	527	387	140	687	279	408
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	212	0	212	188	0	188
3.1.अ.2 ऋण लिखत	47	5	43	73	8	65
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	47	5	43	73	8	65
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	162	297	–135	46	240	–194
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	162	211	–49	46	163	–117
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	162	162	–0	46	114	–68
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	49	–49	0	49	–49
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	86	–86	0	77	–77
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	86	–86	0	77	–77
3.2 संविभाग निवेश	**3,876**	**3,735**	**141**	**4,983**	**4,180**	**803**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	3,763	3,680	83	4,907	4,139	768
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	3,050	2,891	158	3,694	3,650	44
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	714	789	–75	1,213	489	724
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	112	55	58	75	41	34
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**459**	**259**	**200**	**305**	**383**	**–78**
3.4 अन्य निवेश	**3,343**	**3,474**	**–131**	**3,717**	**3,274**	**443**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	776	682	94	825	813	12
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	2	0	2	0	68	–68
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जेमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	774	682	92	825	745	80
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	987	1,178	–190	1,097	686	411
3.4.3अ भारत को ऋण	921	1,141	–219	939	535	404
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	66	37	29	158	152	6
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	10	19	–9	1	38	–37
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,405	1,425	–21	1,706	1,669	37
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	165	170	–5	88	67	21
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	–	–	–
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	**466**	**–466**	0	**735**	**–735**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	466	–466	0	735	–735
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**8,625**	**8,623**	**2**	**9,999**	**9,099**	**899**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	4,532	3,822	709	4,996	4,554	442
4.2 ऋण लिखत	3,929	4,164	–235	4,915	3,743	1,172
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	165	637	–472	88	802	–714
5. निवल भूल-चूक	**13**	–	**13**	**23**	–	**23**

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष/समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2016-17		2016		2017			
			जून		मार्च		जून	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	148,229	342,659	143,640	294,110	148,229	342,659	151,246	353,406
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	99,114	327,845	97,694	280,149	99,114	327,845	100,932	337,563
1.2 अन्य पूंजी	49,115	14,814	45,946	13,961	49,115	14,814	50,314	15,843
2 संविभाग निवेश	2,615	238,604	1,598	220,551	2,615	238,604	2,084	251,142
2.1 इक्विटी	1,593	153,978	1,596	141,510	1,593	153,978	2,022	154,901
2.2 ऋण	1,022	84,626	2	79,040	1,022	84,626	63	96,241
3 अन्य निवेश	43,433	377,449	45,840	390,676	43,433	377,449	37,058	378,767
3.1 व्यापार ऋण	1,794	88,895	2,413	82,130	1,794	88,895	1,623	89,576
3.2 ऋण	7,305	159,887	4,748	170,334	7,305	159,887	5,146	158,732
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,073	117,110	21,603	126,455	20,073	117,110	16,083	118,476
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	14,261	11,557	17,077	11,758	14,261	11,557	14,206	11,984
4 रिज़र्व्स	369,955	–	363,506	–	369,955	–	386,539	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	564,231	958,712	554,584	905,338	564,231	958,712	576,928	983,316
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		–394,480		–350,753		–394,480		–406,388

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2016-17	2017			2016-17	2017		
		जुला.	अग.	सितं.		जुला.	अग.	सितं.
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 आरटीजीएस	**107.86**	**9.38**	**9.46**	**9.61**	**1,253,652.08**	**110,562.10**	**113,827.58**	**127,730.70**
1.1 ग्राहक लेनदेन	103.66	9.07	9.16	9.32	849,950.51	77,675.80	79,157.81	91,521.65
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	4.17	0.31	0.30	0.29	131,953.25	9,473.46	10,005.58	10,826.48
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.018	0.002	0.002	0.002	271,748.31	23,412.84	24,664.19	25,382.57
2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली	**3.65**	**0.30**	**0.27**	**0.30**	**1,056,173.36**	**86,663.63**	**87,499.01**	**92,763.82**
2.1 सीबीएलओ	0.22	0.02	0.02	0.02	229,528.33	21,736.46	22,784.18	23,778.02
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.51	0.11	0.08	0.10	404,389.08	34,047.29	31,959.78	34,013.49
2.2.1 एकमुश्त	1.34	0.10	0.07	0.08	168,741.46	13,400.47	9,795.75	11,098.06
2.2.2 रिपो	0.168	0.016	0.017	0.018	235,647.62	20,646.82	22,164.03	22,915.42
2.3 विदेशी समाशोधन	1.93	0.17	0.17	0.19	422,255.95	30,879.88	32,755.05	34,972.31
3 पेपर समाशोधन	**1,206.69**	**95.35**	**94.81**	**94.37**	**80,958.15**	**6,572.52**	**6,403.59**	**6,429.99**
3.1 चेक ट्रंकेशन प्रणाली	1,111.86	92.20	92.05	92.16	74,035.22	6,342.50	6,224.34	6,271.53
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.2 अन्य केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	94.83	3.15	2.76	2.22	6,922.93	230.02	179.25	158.47
4 खुदरा इलेक्ट्रानिक समाशोधन	**4,204.96**	**432.20**	**442.79**	**427.72**	**132,250.12**	**13,471.67**	**13,988.09**	**15,624.23**
4.1 ईसीएस नामे	8.76	0.14	0.12	0.14	39.14	0.93	0.83	0.84
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	10.10	0.43	0.63	0.48	144.08	10.90	10.96	9.60
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,622.10	148.14	151.61	157.67	120,039.68	12,011.60	12,500.38	14,182.14
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	506.73	69.07	75.66	82.85	4,111.06	604.76	651.49	717.60
4.5 राष्ट्रीय स्वचलित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,057.27	214.42	214.77	186.58	7,916.17	843.47	824.43	714.06
5 कार्ड	**12,055.87**	**1,070.91**	**1,099.84**	**1,096.45**	**30,214.00**	**2,958.59**	**3,073.12**	**3,163.59**
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,093.51	111.38	115.99	113.29	3,312.21	342.15	366.03	377.76
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	6.37	0.61	0.66	0.65	28.39	2.85	3.05	3.11
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,087.13	110.76	115.33	112.63	3,283.82	339.30	362.99	374.65
5.2 डेबिट कार्ड	10,962.36	959.54	983.86	983.16	26,901.79	2,616.45	2,707.08	2,785.83
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,563.06	703.91	718.41	717.86	23,602.73	2,270.76	2,352.96	2,419.54
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	2,399.30	255.62	265.45	265.30	3,299.07	345.68	354.13	366.29
6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)	**1,963.66**	**270.24**	**261.14**	**240.29**	**838.01**	**98.56**	**102.88**	**109.77**
6.1 एम-वॉलेट	1,629.98	235.46	225.43	199.48	532.42	69.34	72.62	81.54
6.2 पीपीआई कार्ड	333.11	34.74	35.67	40.76	277.52	27.07	28.53	26.19
6.3 पेपर वाउचर	0.51	0.04	0.03	0.04	25.36	2.15	1.72	2.05
7 मोबाइल बैंकिंग	**976.85**	**102.40**	**99.64**	**113.69**	**13,104.76**	**801.36**	**799.13**	**847.82**
8 कार्ड बकाया	**884.72**	**836.11**	**843.51**	**853.11**	–	–	–	–
8.1 क्रेडिट कार्ड	29.84	32.06	32.65	33.34	–	–	–	–
8.2 डेबिट कार्ड	854.87	804.05	810.87	819.76	–	–	–	–
9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)	**222475**	**222653**	**222568**	**221722**	–	–	–	–
10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)	**2529141**	**2840113**	**2882422**	**2900038**	–	–	–	–
11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)	**19,542.66**	**1,878.38**	**1,908.30**	**1,868.74**	**2,282,337.40**	**196,914.23**	**200,230.07**	**220,439.54**

टिप्पणियाः पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।
मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 से केवल वैयक्तिक भुगतान के आंकड़ें समाविष्ट किए गए हैं और कारपोरेट भुगतान के आंकड़ें जो पहले शामिल किए थे उन्हें छोड़ दिया गया है।

प्रासंगिक श्रृंखला

सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2015-16	2016		2017	
			फर.	दिसं.	जन.	फर.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	**प्राप्तियां**	**3,224.88**	**375.07**	**343.80**	**342.41**	**418.42**
	बकाया	**6,805.58**	**6,689.88**	**7,225.59**	**7,225.05**	**7,244.24**
1.1 कुल जमाराशियां	**प्राप्तियां**	**2,820.87**	**326.76**	**316.96**	**308.23**	**307.76**
	बकाया	**4,287.13**	**4,224.29**	**4,666.13**	**4,655.88**	**4,661.62**
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	1,574.15	197.89	200.71	186.83	183.34
	बकाया	615.67	606.63	937.48	930.92	926.38
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	0.51	0.05	–0.29	0.00	0.04
	बकाया	34.97	34.68	32.95	32.82	32.73
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.06	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	1.21	1.22	–0.30	–0.33	–0.36
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	315.26	35.20	30.95	31.48	32.40
	बकाया	1,938.08	1,935.86	1,814.62	1,805.97	1,800.78
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना	प्राप्तियां	103.21	12.87	8.92	9.59	10.23
	बकाया	228.76	213.51	269.25	275.25	284.14
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	424.53	43.12	38.96	43.48	44.02
	बकाया	706.35	678.18	768.60	773.99	782.52
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	498.16	482.51	514.47	513.63	514.82
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	29.96	27.77	34.42	34.99	35.66
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	47.82	45.96	50.46	50.80	51.22
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	130.41	121.94	169.25	174.57	180.82
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	403.15	37.63	37.71	36.85	37.83
	बकाया	761.79	753.85	843.13	836.86	835.13
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	बकाया	0.08	0.08	0.18	0.18	0.08
1.1.10 अन्य जमाराशियां	बकाया	0.05	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2 बचत प्रमाणपत्र	**प्राप्तियां**	0.22	0.28	0.22	0.22	0.22
	बकाया	**326.10**	**39.44**	**22.75**	**28.06**	**34.64**
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	**1,942.42**	**1,916.46**	**1,963.89**	**1,969.04**	**1,976.30**
	बकाया	98.26	12.94	10.88	13.47	18.11
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	881.39	877.22	870.82	869.41	869.85
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	8.91	8.87	8.89	8.90	8.89
	बकाया	14.66	1.49	0.04	0.33	0.04
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	648.58	675.76	566.44	558.15	548.69
	बकाया	213.18	25.01	11.83	14.26	16.49
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	बकाया	291.18	242.81	404.87	419.00	435.58
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	बकाया	0.04	–	–	–	–
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	–0.89	–0.89	–1.06	–1.08	–1.09
1.3 लोक भविष्य निधि	**प्राप्तियां**	–0.57	–0.59	–0.61	–0.63	–0.63
	बकाया	113.82	113.28	114.54	115.29	115.01
		77.91	**8.87**	**4.09**	**6.12**	**76.02**
		576.03	**549.13**	**595.57**	**600.13**	**606.32**

स्रोतः महालेखाकार, डाक और तार।

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2016			2017	
	जून	सितं.	दिसं.	मार्च	जून
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ बिलियन में)	**46422.34**	**47967.49**	**49246.98**	**49109.75**	**50430.94**
1. वाणिज्य बैंक	39.90	40.00	40.92	40.46	39.68
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.45	0.14	0.28	0.16	0.31
3. बीमाकृत कंपनियां	22.63	22.68	22.55	22.90	23.13
4. म्यूच्यूअल फंड	2.09	2.13	1.96	1.49	1.44
5. सहकारी बैंक	2.68	2.47	2.63	2.70	2.65
6. वित्तीय संस्थाएं	0.71	0.84	0.86	0.81	0.73
7. कॉरपोरेट	1.31	1.09	1.05	1.05	1.29
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.63	3.82	3.13	3.53	4.29
9. भविष्य निधियां	5.89	6.25	6.24	6.27	6.13
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	14.88	14.80	14.61	14.65	14.29
11. अन्य	5.83	5.79	5.77	5.98	6.07
11.1 राज्य सरकार	1.84	1.84	1.83	1.92	1.91

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2016			2017	
	जून	सितं.	दिसं.	मार्च	जून
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ बिलियन में)	**17277.70**	**18114.95**	**19343.91**	**20893.41**	**21467.07**
1. वाणिज्य बैंक	41.20	40.22	41.25	39.01	37.94
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.38	0.35	0.30	0.39	0.38
3. बीमाकृत कंपनियां	32.53	32.67	31.87	32.50	33.53
4. म्यूच्यूअल फंड	1.36	1.62	1.36	2.42	1.89
5. सहकारी बैंक	4.01	4.21	4.47	4.75	4.82
6. वित्तीय संस्थाएं	0.25	0.27	0.29	0.30	0.27
7. कॉरपोरेट	0.13	0.14	0.13	0.17	0.11
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.22	0.08	0.06	0.07	0.08
9. भविष्य निधियां	16.39	16.84	16.81	17.27	18.10
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.02	0.01	0.03	0.06	0.06
11. अन्य	3.52	3.59	3.43	3.05	2.81
11.1 राज्य सरकार	-	-	-	-	-

खज़ाना बिल					
श्रेणी	2016			2017	
	जून	सितं.	दिसं.	मार्च	जून
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ बिलियन में)	**4310.09**	**4202.40**	**4366.47**	**3320.80**	**6135.01**
1. वाणिज्य बैंक	54.41	52.58	50.47	57.85	53.96
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.85	1.38	1.80	1.25	1.09
3. बीमाकृत कंपनियां	1.83	1.91	2.02	4.58	3.20
4. म्यूच्यूअल फंड	11.77	16.06	12.91	7.85	15.31
5. सहकारी बैंक	2.23	3.52	3.28	5.62	2.48
6. वित्तीय संस्थाएं	3.09	2.75	2.76	4.57	2.60
7. कॉरपोरेट	2.22	1.21	1.81	1.83	1.54
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	-	-	-	-	-
9. भविष्य निधियां	0.03	0.45	0.43	0.35	0.06
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.25	0.16	0.09	0.02	0.05
11. अन्य	22.30	19.96	24.44	16.09	19.72
11.1 राज्य सरकार	18.26	15.98	20.51	11.02	16.71

टिप्पणियाँ: "--" नगण्य में कुछ नहीं दर्शाता है.

1. जून 2016 से संशोधित सारणी फार्मेट में केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों के साथ राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित स्वामित्व का पैटर्न समाविष्ट किया गया है।
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियो में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) स्कीम के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल किए गए हैं।
3. वाणिज्य बैंक के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक व्यापारी (पीडी) को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में वे बहुत ही छोटे अंश में हैं।
4. " अन्य " श्रेणी में राज्य सरकारें, पेंशन निधियाँ,सरकारी क्षेत्र की इकाईयाँ,न्यास,एचयूएफ/ वैयक्तिक आदि. समाविष्ट है।

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(बिलियन ₹)

मद	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (सं.अ.)	2017-18 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	**26,949.34**	**30,002.99**	**32,852.10**	**33,782.60**	**40,599.68**	**43,957.96**
1.1 गतिविधियां	15,741.62	17,142.21	18,720.62	19,429.44	24,271.15	26,194.51
1.1.1 राजस्व	12,807.14	13,944.26	14,830.18	14,971.45	18,457.92	19,701.57
1.1.2 पूंजी	2,446.11	2,785.08	3,322.62	3,400.51	4,471.03	5,515.05
1.1.3 ऋण	488.38	412.88	567.82	1,057.49	1,342.20	977.89
1.2 गैर गतिविधियां	10,850.47	12,427.83	13,667.69	13,984.15	15,870.24	17,261.83
1.2.1 राजस्व	9,991.40	11,413.65	12,695.20	12,739.11	15,031.91	16,430.73
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	4,543.06	5,342.30	5,845.42	6,134.74	6,881.68	7,536.87
1.2.2 पूंजी	837.14	990.37	946.87	1,207.71	816.42	807.16
1.2.3 ऋण	21.93	23.81	25.63	37.33	21.92	23.94
1.3 अन्य	357.24	432.95	463.79	369.01	458.29	501.62
2. कुल प्राप्तियां	**27,690.29**	**30,013.72**	**31,897.37**	**34,487.63**	**39,810.09**	**42,551.06**
2.1 राजस्व प्राप्तियां	19,716.19	22,114.75	23,876.93	24,504.58	30,356.58	33,511.38
2.1.1 कर प्राप्तियां	16,879.59	18,465.45	20,207.28	20,754.42	23,917.47	27,066.67
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	10,385.91	11,257.81	12,123.48	12,912.47	15,168.50	16,914.54
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	6,462.73	7,176.34	8,051.76	7,803.16	8,706.20	10,105.34
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	30.94	31.30	32.04	38.78	42.77	46.79
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	2,836.60	3,649.30	3,669.65	3,750.16	6,439.11	6,444.71
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	355.43	401.62	396.22	347.38	322.08	275.25
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	389.20	391.13	609.55	588.52	595.33	1,245.96
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	129.29	93.85	220.72	155.86	136.03	519.12
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	259.91	297.28	388.83	432.66	459.30	726.84
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	**6,843.95**	**7,497.11**	**8,365.63**	**8,689.51**	**9,647.78**	**9,200.62**
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	6,771.94	7,424.19	8,236.30	8,562.02	9,499.05	9,042.73
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3,352.80	3,358.58	–374.76	2,310.90	6,306.09	...
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	548.40	1,081.30	–3,341.85	604.72	1,958.16	...
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	3,419.14	4,065.61	8,611.06	6,251.12	3,192.96	...
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	72.01	72.92	129.33	127.48	148.73	157.89
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	6,771.94	7,424.19	8,236.30	8,562.02	9,499.05	9,042.73
3ख.1.1 बाज़ार उधार (निवल)	6,536.94	6,391.99	6,640.58	6,354.19	6,472.74	6,970.13
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	–85.70	–142.81	–565.80	–785.15	–1,091.76	–941.16
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	329.94	312.90	343.39	298.82	326.18	332.03
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	–4.12	34.63	51.09	–33.22	–82.42	–10.45
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	27.22	255.45	275.45	134.70	386.99	502.14
3ख.1.6 नकद शेष	–740.96	–10.72	954.74	–705.03	789.59	1,406.90
3ख.1.7 अन्य	708.62	582.75	536.84	3,297.71	2,697.73	783.13
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	72.01	72.92	129.33	127.48	148.73	157.89
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	*27.1*	*26.7*	*26.4*	*24.7*	*26.7*	*26.1*
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	*27.8*	*26.7*	*25.6*	*25.2*	*26.2*	*25.3*
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	*19.8*	*19.7*	*19.2*	*17.9*	*20.0*	*19.9*
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	*17.0*	*16.4*	*16.2*	*15.2*	*15.8*	*16.1*
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	*6.9*	*6.7*	*6.7*	*6.4*	*6.4*	*5.5*

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज

...: उपलब्ध नहीं। सं.अ.: संशोधित अनुमान, ब.अ.: बज़ट अनुमान

सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	सितंबर 2017 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
	1	2	3	4	5	6	7
1	आंध्र प्रदेश	9.55	9	1.63	7	-	-
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	0.08	3	-	-	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	-	-	-	-	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	6.98	22	9.26	14
11	झारखंड	-	-	1.22	3	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	-	-	-	-	-	-
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	-	-	-	-	-	-
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
19	नागालैंड	2.11	23	0.86	5	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	0.07	30	7.26	30	3.15	17
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	2.95	16	2.06	4	-	-
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	1.82	25	3.15	20	1.07	4
27	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
29	पश्चिम बंगाल	4.81	12	-	-	-	-

सं.48: राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	सितंबर 2017 की समाप्ति तक		
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	निलामी खज़ाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4
1	आंध्र प्रदेश	62.73	6.51	0
2	अरुणाचल प्रदेश	7.32	--	0
3	असम	38.93	0.34	14.00
4	बिहार	43.01	--	50.00
5	छत्तीसगढ़	30.43	--	0
6	गोवा	4.34	2.15	0
7	गुजरात	109.29	3.80	70.00
8	हरियाणा	16.68	9.34	0
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	5.00
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	0
11	झारखंड	--	--	0
12	कर्नाटक	24.55	--	115.00
13	केरल	17.25	--	0
14	मध्य प्रदेश	--	7.35	0
15	महाराष्ट्र	246.22	--	420.00
16	मणिपुर	2.70	0.63	0
17	मेघालय	4.44	0.16	0
18	मिज़ोरम	3.89	0.20	0
19	नागालैंड	9.70	0.25	0
20	उड़ीसा	106.52	11.51	30.00
21	पुदुचेरी	2.69	--	6.14
22	पंजाब	0.00	0.00	0
23	राजस्थान	--	--	54.74
24	तमिलनाडु	49.81	--	253.44
25	तेलंगाना	38.38	5.57	0
26	त्रिपुरा	5.75	0.03	0
27	उत्तराखंड	--	--	0
28	उत्तरप्रदेश	23.88	0.63	0
29	पश्चिम बंगाल	82.51	2.03	50.00
	कुल	**931.01**	**50.50**	**1068.32**

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
4.1 से 4.4, 4.8.4.12 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
4.9 से 4.11 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।

सारणी सं. 2

2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वता वार बकाया फॉर्वर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्ज़िम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि में आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं.7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं.8

एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं.9

वित्तीय संस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनःदिए गए हैं।

सारणी सं.13

कालम सं (1),(2) और (3) के सामने दर्शाए गए आंकड़े अंतिम (आरआरबी सहित) हैं और कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम (आरआरबी को छोड़कर) हैं।

सारणी सं.15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा या अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा दिए गए कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को दिए गए ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को दिए गए ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका. प्लान.बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

सारणी सं.17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।
2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।
4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं.24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं.30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।
1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।
2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी-अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं.32

आईआईएफ सी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमरीकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर-यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमरीकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं.34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है। हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ो से मेल न खाएं।

सारणी सं.35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं.36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का संकेतक । 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2012-13 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 के अंक में दिया गया है।

सारणी सं.37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं.38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं.43

1.3: बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3: 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 से केवल वैयक्तिक भुगतान के आंकड़ें समाविष्ट किए गए हैं और कारपोरेट भुगतान के आंकड़ें जो पहले शामिल किए थे उन्हें छोड़ दिया गया है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

इस तिमाही में, संशोधित टेबल फार्मेट केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है। इसके अतिरिक्त, पहली बार राज्य सरकारों की धारित प्रतिभूतियों को अलग श्रेणी में दर्शाया गया है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां, न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

सारणी सं. 46

वर्ष 2011-12 और उसके बाद के जीडीपी आंकड़ों के लिए आधार वर्ष 2011-12 लिया गया है। वर्ष 2015-16 के आंकड़े 26 राज्यों से संबंधित है।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकडे केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुन:चुकौती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकौती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजा और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते है।

3ए.1.1: आंकडे भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार है।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों और 364 दिन के राजकोषीय बिलों के माध्यम से प्राप्त उधारियों सहित।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते है।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खज़ाना बिलों (364-दिन के खज़ना बिलों को छोड़कर) सहित।

सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ),गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाश्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्पकालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

-: नगण्य

सारणी सं.48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खज़ाना बिलों (ए टी बी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारो में निवेश किए गए 91 दिवसीय,182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खज़ाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (https://rbi.org.in/scripts/publicationsview.aspx?id=17618) में उपलब्ध हैं।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी की हैंडबुक)** में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2017	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का अभिदान) ₹3150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3360 (एक वर्ष का अंशदान - डाक प्रभार सहित@) ₹2520 (एक वर्ष का रियायती दर@)	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का अभिदान) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय स्टेट 2016-17 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹550 एक प्रति (सामान्य) ₹600 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय इकोनॉमी 2015-16 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹500 एक प्रति (सामान्य) ₹550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹375 एक प्रति (रियायती) ₹425 एक प्रति (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त : 2016-17 के बजटों का अध्ययन	₹500 एक प्रति (कांउटर पर) ₹550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 23 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मिंट रोड माइलस्टोन्स : आरबीआई ऐट 75	₹1650 एक प्रति (कांउटर पर)	अमरीकी डॉलर 50 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकांउट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (सामान्य) ₹170 (डाक द्वारा एक प्रति)	अमरीकी डॉलर 25 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकी विवरणियां, खंड 41 मार्च 2012	₹270 एक प्रति (कांउटर पर) ₹310 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 10 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
8. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (कांउटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (कांउटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
10. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयनः दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (कांउटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलबध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (http://dbie.rbi.org.in)।
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों,अध्यापकों/ व्याख्याताओं,अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं,सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

@ इलेक्ट्रानिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते है, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है ।

सामान्य अनुदेशः

1. बिकी हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंज़िल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई- 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेलः spsdcs@rbi.org.in है।.
5. अभिदान मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषण पत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंज़िल, मुख्य भवन, मुम्बई- 400 001 को संबोधित होना चाहिए।

   एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित हैः

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम ..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर पहले आओ पहले पाओ आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. **कृपया अपना अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई मेल आईडी to spsdcs@rbi.org.in को प्रेषित करें ताकि हम सुचारु रूप से आपके साथ संपर्क कर सकें।**